कार्तिक कृ.1, युगाब्द 5122 वि.2077,1 नवम्बर, 2020 (संयुक्तांक)

विशिष्ट अंक

सहयोग राशि ₹ 30.00

पाथेय कण

सेवा विशेषांक

(कोरोना काल)

ISO 9001 : 2015

Skill India
कौशल भारत - कुशल भारत

NARSI®

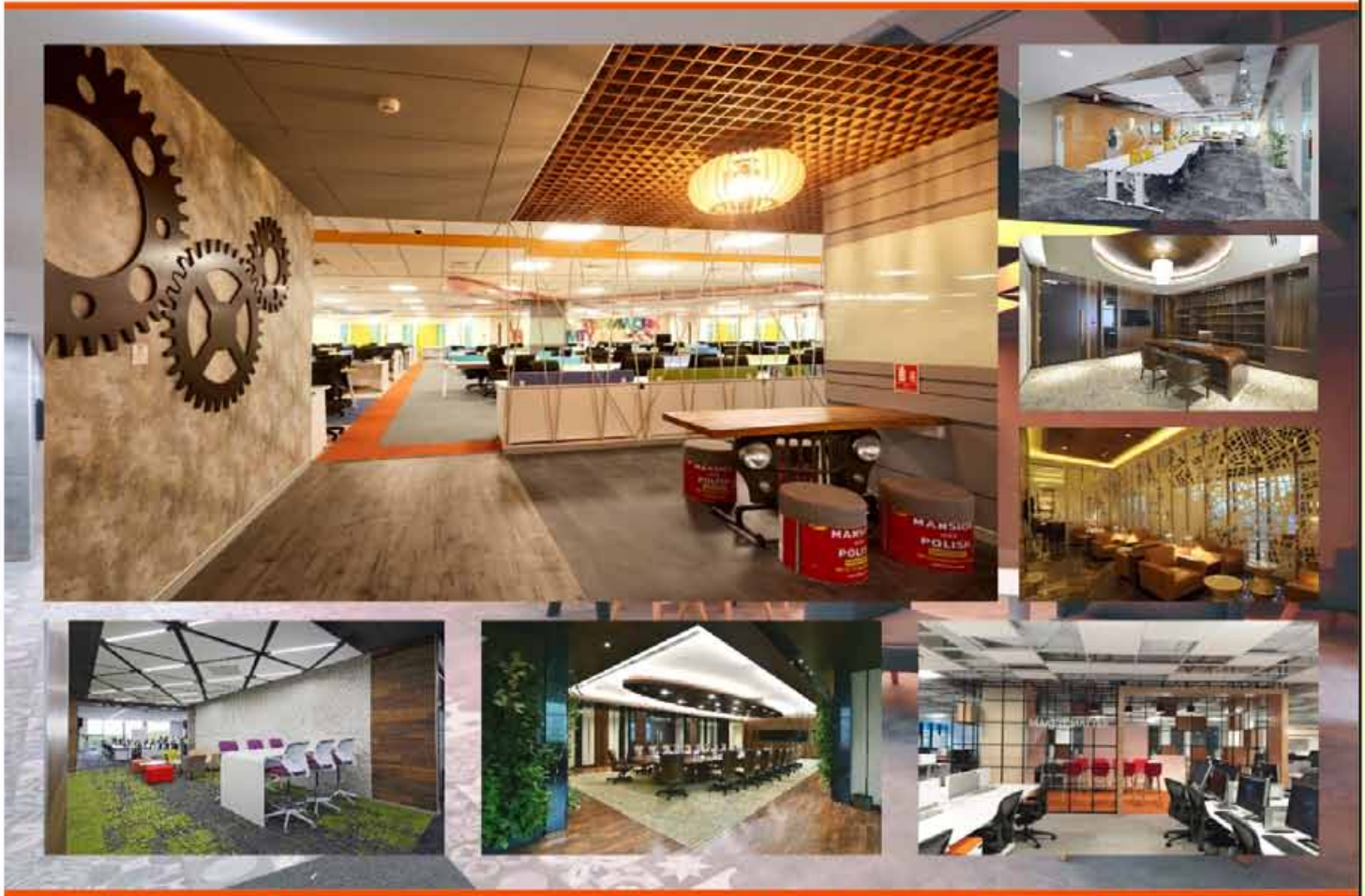

A wide range of Premium Furniture Products in Modular, Knock down and Prefab forms.

State of Art Manufacturing facility with cutting Edge technologies

A one stop Interior Fit out Provider

NARSI SKILL INDIA MOTTO
"कारपेंटर के साथ कुशल भारत कौशल भारत"

NARSI INTERIOR INFRASTRUCTURES PVT. LTD
NARSI & ASSOCIATES

(An ISO 9001:2015 Certified Company, Crisil Rating: SME-1)

515/522, Laxmi Mall, Bldg. No. 5, Laxmi Ind. Estate, New Link Road, Andheri (W), Mumbai – 400 053.
Phone: 022 4250 5555 | Email: mail@narsi.in | Website: www.narsi.in

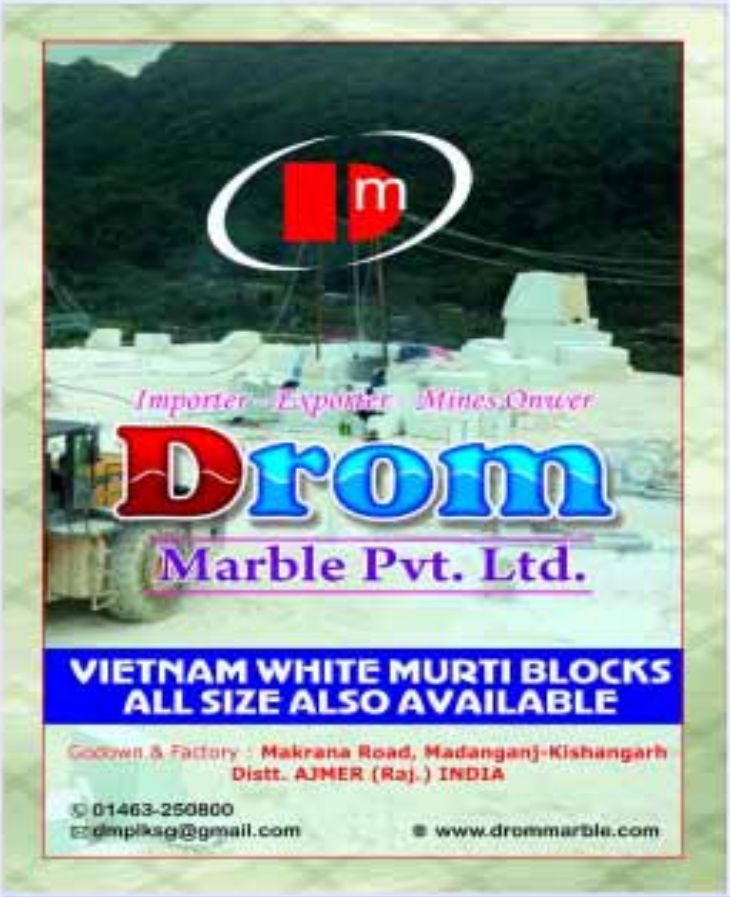

सेवा विशेषांक प्रकाशन व दीपोत्सव
के पावन पर्व की सभी देशवासियों को
हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

कृष्ण गोसाई
वार्ड पंच, ग्राम पंचायत धोरीमन्ना (बाड़मेर)

'सेवा विशेषांक' प्रकाशन एवं दीपावली की
हार्दिक शुभकामनाएं

हम स्वयं अच्छे बनें और अपनी अच्छाई का
उपयोग करके जग को अच्छा बनाएं
–डॉ. मोहन भागवत

अविनाश गहलोत
विधायक, जैतारण (पाली)
मो. 9950102473

– : निवास : –
आकेलिया फार्म हाउस, जैतारण

रवि इण्डियन पब्लिक स्कूल

An English Medium Co- Educational Day Boarding cum Residential School

8767+ Selections

RIMC, सैनिक, मिलिट्री, RAI SPORTS एवं नवोदय विद्यालय की विशेष तैयारी

ART & CRAFT | SPOKEN ENGLISH | PERSONALITY DEVELOPMENT

EXCELLENT HOSTEL FOR BOYS & GIRLS

लड़कियों के लिए सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा की तैयारी हेतु सर्वश्रेष्ठ संस्थान

Near Railway Station, Road No. 3. Jhunjhunu (Raj.) 333001

Ph : 01592- 238278, 9610449451, 9610449452, 9983687777 (10 AM to 5 PM)

Visit Us : www.ripsgroupjjn.org | Email : ripsgroupjjn@gmail.com | raviindianjjn@gmail.com

बोर्ड परीक्षाओं के बेहतरीन परीक्षा परिणाम देने वाला विद्यालय

JEE, AIIMS, NEET, KVPY, NTSE, OLYMPIAD, JET, ICAR, PET

National Science Olympiad

CITY RANK 1st | SCHOOL RANK 1st | ZONAL RANK 160 | INTERNATIONAL RANK 335

National Mathematics Olympiad

CITY RANK 1st | SCHOOL RANK 1st | ZONAL RANK 119 | INTERNATIONAL RANK 244

ADMISSIONS OPEN - NURSERY TO XII (SCIENCE, AGRICULTURE & ARTS)

राजस्थान का नं. 1 साइंस स्कूल...

इण्डियन पब्लिक स्कूल, झुंझुनूं

10+2 HINDI & ENGLISH MEDIUM CO-EDUCATIONAL SCHOOL

RIICO, JHUNJHUNU | Ph.: 01592- 250006, 9610449453, 9983687777

Visit Us : www.ripsgroupjjn.org | Email : indianjjn@gmail.com

ॐ दीपावली पर प्रकाशित ॐ

सेवा विशेषांक (कोरोना काल)

कार्तिक कृष्ण 1, युगाब्द 5122, वि.2077 1 नवम्बर, 2020 वर्ष 36 : अंक 12

अनुक्रमणिका

9	सरसंघचालक जी का विजयादशमी उद्बोधन	75	बच्चे भी पीछे नहीं
11	अन्नपूर्णा –सदा पूर्णा	76	इदं न मम
17	सुरक्षा उपायों से रुका कोरोना वेग	80	कृषक–श्रमिक संगठन भी सेवारत
23	आयुष ने बढ़ायी सुरक्षा क्षमता	81	शिक्षा के साथ सेवा कार्य
27	घुमन्तु समुदाय तक सेवा कार्यों की पहुँच	82	सेवा से स्वावलम्बन की ओर
33	जीव मात्र का भी हो कल्याण	89	सेवा है धर्म हमारा
36	आबाल वृद्धों की देखभाल	93	प्रशासन के साथ समन्वय
41	जीवनदायी पवित्र कार्य – रक्तदान	94	ग्राम सुरक्षा समितियाँ
45	कर्त्तव्य को वंदन कर्मनिष्ठा का अभिनंदन	95	जनप्रतिनिधियों की सहभागिता
49	जनजातीय बन्धु भी हमारे अपने हैं	96	और यह जीवन समर्पित
57	प्रवासी श्रम साधकों की सेवा	97	आलोचक भी प्रशंसा करते दिखाई दिए
64	सब समाज को लिए साथ में ...	99	पुरस्कार की चाह नहीं
67	व्यापक जागरण एवं परामर्श	100	लॉकडाउन : एक दृष्टि
71	नारी तू नारायणी	103	परिशिष्ट –जिलाशः विवरण

कोरोना काल की गाथाएँ / संस्मरण

- देखो! आ गया मेरा सांवरिया/15
- नीड़ का निर्माण फिर से/30
- क्वारंटाइन सेंटर का माहौल/78
- भामाशाह बने गाड़िया लुहार/32
- पूर्वांचली बंधुओं को अपनेपन की अनुभूति/20
- मिल गई मंजिल की राह/61
- हम भी तो कुछ देना सीखें/61
- चाहता हूँ कुछ और भी दूँ/101
- वृद्धाश्रम में सेवा/37
- मेरे हैं अनेक पुत्र/36
- देशराज की प्याऊ/60
- आत्मवत् सर्वभूतेषु/46
- ज़ोहरा बीबी की दुआएं/65
- मेरा सोचना गलत था/64
- दर्शाया समरसता व्यवहार/64
- गरीबी में भी खुद्दारी/76
- मात्र चाय की व्यवस्था कर दें/76
- मासूमों के दर्द का अहसास/72
- गुल्लक तोड़ा/75
- मन की विशालता/77
- जालोर का काढ़ा/23
- एक बहिन का संकल्प/24
- तालाब से निकाली मिट्टी/35
- मूक प्राणियों का संबल/34
- बैलगाड़ी पर परिवार/58
- आँसू बने संकल्प/59
- रक्तदान बना उत्सव/43
- संकल्प से सिद्धि/11
- जनजातीय अनुभव/49
- बुजुर्ग महिला ने दान कर दी जमा पूँजी/14
- खुद अभाव में थे फिर भी/77
- हज की राशि सेवा के लिए/73
- पहला अधिकार/76
- अस्थियाँ चुनी/37

लघु कथाएँ : कोरोना योद्धा/47 **बोध कथा** : सबसे बड़ा धर्मात्मा/91

सभी पाठकों को दीपोत्सव के पावन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएँ

पाथेय कण
राष्ट्रीय विचारों का पाक्षिक

सम्पादक
रामस्वरूप अग्रवाल

सह सम्पादक
मनोज गर्ग

प्रबंध सम्पादक
माणकचन्द

सह प्रबंध सम्पादक
ओमप्रकाश

अक्षर संयोजन
कौशल रावत

सामग्री संकलन सहयोगी
डॉ. महावीर कुमावत, कोटपूतली
कृष्ण कुमार अड्डानिया, जयपुर
रविन्द्र जाजू, भीलवाड़ा
राजेन्द्र लालवानी, अजमेर
हेमन्त घोष, जोधपुर
देवेन्द्र कुमार, बाड़मेर

सहयोग राशि

एक वर्ष– ₹ 150/– *पन्द्रह वर्ष–* ₹1500/–

प्रबंधकीय कार्यालय
'पाथेय भवन' 4, मालवीय संस्थानिक क्षेत्र,
मालवीय नगर, जयपुर–302017 (राज.)
सम्पर्क : 7976582011
9414447123, 9929722111
Web : www.patheykan.in
E-mail : patheykan@gmail.com
Twitter : @patheykan1

दीपावली की हार्दिक शुभकामनायें

ॐ श्री आईजी प्रचोदयात

पाली में सर्वप्रथम सम्पूर्ण चिकित्सा सुविधा

लम्बाराम बी गेहलोत
Prop. & Director

डॉ.कामरस राजपुरोहित
M.D.
डॉ. प्रताप सेणची
MS FMAS
डॉ. सज्जन सोनी
DNB (ORTHO)
डॉ.सूर्यकांत गेहलोत
DHO Navimutar
डॉ. विजय गेहलोत
Ms Ortho
डॉ. आर.पी.सिंह
BDS

श्रद्धा हॉस्पीटल एण्ड मल्टी स्पेशिलिटी

पानी की दो टंकी के सामने, सुरजपोल,
पाली -मारवाड़ मो.9414122542

हरीश मेडीकल स्टोर, पाली

sharadhahospital44@gmail;.com

आप सभी देशवासियों को पाथेय कण
के **सेवा विशेषांक** प्रकाशन व
दीपावली की

हार्दिक शुभकामनाएं

डॉ. दिलीप सिंह

जन स्वास्थ्य केन्द्र, राजेन्द्र नगर,
पाली (राज.) मो. 93529 33956

Tej Singh Rajpurohit
94148 34886
94131 21036

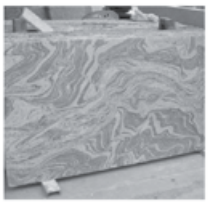

GAYATRI
GRANITE

Mfg. & Supplier of
All kind of Granite, Slab & Tiles

H-188, Riico Ind, Area
IIIrd Phase, JALORE (Raj)

WONDER CEMENT
EK PERFECT SHURUAAT

TILES, SANITARY, CEMENT
MARBLES, GRANITE & KOTA STONE

BRIJESH AGARWAL
SHAINKY AGARWAL
ATUL AGARWAL

FIRM:-

AGARWAL STONE
AGARWAL TILES & MARBLES

A UNIQUE SOLUTION OF MODERN CONSTRUCTION

सम्पादकीय

देश पर जब भी कोई संकट आया, प्राकृतिक आपदा हो या मनुष्यकृत आपदा अथवा बाह्य आक्रमण, विविधताओं से भरा यह देश हमेशा एकजुट होकर खड़ा हुआ है। आपदा पीड़ितों की सेवा के लिये सभी प्रकार के संगठन व संस्थाएं, यहां तक कि मोहल्ला, गांव, कस्बा स्तर पर भी लोग इकट्ठे होकर सेवा कार्य में स्वयं प्रेरणा से लग जाते हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ हमेशा इन परिस्थितियों में आगे बढ़कर अपनी भूमिका निभाता रहा है। सब जगह संघ के स्वयंसेवक अग्रिम पंक्ति में रहकर सेवा कार्य करते दिखाई देते हैं।

कोरोना महामारी और उसके कारण घोषित लॉकडाउन 'न भूतो..' वाली स्थिति थी। अब तक न देखा, न सुना। सब कुछ जैसे थम गया था। करोड़ों लोगों के सामने अपने जीवन-यापन की समस्या खड़ी हो गयी थी। अपने गांव-प्रान्त से दूर किसी स्थान पर मेहनत-मजदूरी या नौकरी करने वाले घबराकर पैदल ही अपने गांव की ओर चल पड़े थे। गाय, पशु-पक्षियों का चारा, दाना-पानी सब बन्द हो गया था। ऐसे समय में संघ के 3 लाख से ज्यादा स्वयंसेवकों ने 55 हजार से ज्यादा स्थानों पर सब प्रकार के सेवा कार्य किये। 2 करोड़ 25 लाख भोजन पैकेट तथा 34 लाख राशन किट (आठ से दस दिनों के लिये सूखा राशन) सहित रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिये 18 लाख से ज्यादा लोगों को काढ़ा भी पिलाया। 13 हजार 5 सौ से ज्यादा स्वयंसेवक रक्तदान के लिये आगे आये। आंकड़े और भी हैं। यह सब कोई छोटा सेवा कार्य नहीं था।

स्वामी विवेकानन्द ने कहा था, ''सेवा और त्याग यह राष्ट्रीय आदर्श है।'' संघ ने इसे अपना ध्येय वाक्य ही माना। वर्तमान सरसंघचालक डॉ. मोहन राव भागवत ने 26 अप्रैल, 2020 को 'वर्तमान परिदृश्य और हमारी भूमिका' पर दिये अपने उद्‌बोधन में कहा था, ''एक अरब तीस करोड़ भारतवासी अपना परिवार है। यहां रहने वाले सब भाई-बन्धु हैं।'' भारतीय दर्शन में कहा गया कि मनुष्य में ईश्वर तत्व समान रूप से व्याप्त है और यह भी कि 'आत्मवत् सर्वभूतेषु' अर्थात् सभी प्राणियों को अपने समान मानना। संघ का स्वयंसेवक जात-पात, प्रांत, भाषा, पंथ, मज़हब के आधार पर कभी भेदभाव नहीं करता। स्वयंसेवकों ने सबसे पहले उन्हें मदद पहुंचायी जिनको सबसे अधिक आवश्यकता थी।

संघ के तृतीय सरसंघचालक श्री बालासाहब देवरस ने मार्च 1977 में दिल्ली में दिए अपने उद्‌बोधन में कहा था, ''संघ एक ऐसा समरस समाज विकसित करना चाहता है जहां किसी के साथ जाति के आधार पर भेदभाव नहीं होगा।'' 2018 में दिल्ली में आयोजित व्याख्यानमाला में बोलते हुए डॉ. मोहन राव भागवत ने कहा, ''संघ एक मैथोडोलॉजी है। संघ व्यक्ति निर्माण का कार्य करता है। हमको भेदमुक्त समाज चाहिये, समतायुक्त समाज चाहिये और शोषणमुक्त समाज के साथ-साथ स्वार्थ रहित समाज चाहिये।'' वस्तुत: यही समाज के समरस होने की संकल्पना है। कोरोना काल में सेवा कार्य करते हुए कार्यकर्ताओं की दृष्टि वंचितों के अभाव की पूर्ति करना ही नहीं था, उन्हें किसी न किसी माध्यम से अपने पैरों पर खड़ा करने का प्रयास भी संघ कर रहा है। अर्थात् सेवा से स्वावलम्बन तक यह संघ के सेवा कार्यों की दृष्टि है।

प्रस्तुत अंक में कुछ आंकड़े अवश्य हैं, परन्तु रिपोर्टिंग से बचने का प्रयास किया गया है। विशेषांक मुख्यतः राजस्थान प्रदेश में किये गये सेवा कार्यों पर आधारित है। इसमें सभी स्थानों पर किये गये सेवा कार्यों का सम्पूर्ण विवरण नहीं है, सेवा कार्यों की स्पष्टता के लिये प्रतिनिधि स्वरूप कुछ स्थानों का उल्लेख है। सेवा करते समय कार्यकर्ताओं को अनेकानेक मार्मिक तथा हृदयस्पर्शी अनुभव हुए। भारतीय दर्शन के अनेक पहलुओं को कोरोना पीड़ितों-वंचितों के व्यवहार में फलित होते देखा। ऐसे 30-35 प्रसंगों को समेटे अनुकरणीय सत्य कथाएं पाठकों को भावुक अवश्य करेंगी।

राजस्थान के क्षेत्र प्रचारक श्री निम्बाराम ने कई बार 'पाथेय भवन' आकर विशेषांक की सामग्री पर चर्चा की तथा मार्गदर्शन दिया। श्री महेन्द्र कुमार सिंघल, श्री मेघराज खत्री, डॉ.रामकरण शर्मा, डॉ. सुभाष कौशिक एवं श्री ज्ञानचंद गोयल का सहयोग निरंतर मिलता रहा। आप सभी के प्रति हृदय से आभार प्रकट करता हूँ।

संघ एक संस्कार निरन्तर दे रहा है। यह कि भारत मेरी मातृभूमि है, मैं इसकी संतान हूँ। अन्य सभी मेरे बंधु-बांधव हैं। सभी के कल्याण में मेरा कल्याण है। यही भाव संघ के स्वयंसेवकों द्वारा कोरोना काल में किए गये सेवा कार्यों से प्रकट हुआ। पाथेय कण के प्रस्तुत **'सेवा विशेषांक'** के माध्यम से यह भाव जन-जन के मन का भाव बने यही आकांक्षा है। ■

– रामस्वरूप अग्रवाल

!! जय श्री राम !!

GPNK
CONSTRUCTION
SINCE : 1975

स्व. श्री गोपाल प्रसाद जी
संस्थापक

नरेश जाटव
जिला महामंत्री भाजपा, भरतपुर

प्रतिष्ठान – गोपाल प्रसाद नरेश कुमार कंस्ट्रक्शन एजेंसी

OUR OFFERINGS

- Construction Management
- MEP Service
- Architectural Design
- Renovation
- Project Management
- Interior Design

M. 8696877979

ग्राम पंचायत ज्ञानपुर, पंचायत समिति बानसूर (अलवर) से
पं.विजय कुमार इंदोरिया को ,
सरपंच पद पर विजयी बनाने व पाथेय कण के
'दीपावली विशेषांक' प्रकाशन
की आप सभी का शुभकामनाएं

विजय कुमार

शुभेच्छु – **गजेन्द्र ज्ञानपुरिया** कोषाध्यक्ष
पं.दीनदयाल उपाध्याय स्मृति समारोह समिति, जयपुर
(विधानसभा क्षेत्र बानसूर, अलवर)
मो. 98299 70082, 98299 75251

Ver Teja Group
(Teja Jat)

With best wishes

Mob: 9413120356
9828115071

M/s HEERARAM & SONS

Mag. Add: Bhageswar, Doken, The. Neeem Ka Thana, Sikar

H. Off. : S 214, II Floor Amrapali Plaza,Vaishali Nagar. Jaipur- 302021
T. Fax. : 0141-2358754, E-mail : veer_teja@yahoo.com

शाश्वत मूल्यों-परम्पराओं की ओर जाना होगा - भागवत

संघ के सरसंघचालक डॉ.मोहनराव भागवत ने इस विजयादशमी (25 अक्तूबर, 2020) पर दिए अपने उद्‌बोधन में राष्ट्रीय महत्व के अनेक विषयों पर अपने विचार रखे थे। कोरोना आपदा से संबंधित उनके उद्‌बोधन के सम्पादित अंश यहाँ दिये जा रहे हैं।

विश्व के अन्य देशों की तुलना में हमारा भारत संकट की इस परिस्थिति में अधिक अच्छे प्रकार से खड़ा हुआ दिखाई देता है। शासन प्रशासन ने तत्परतापूर्वक इस संकट से समस्त देशवासियों को सावधान किया। प्रचार माध्यमों ने भी इस महामारी को अपने प्रसारण का लगभग एक मात्र विषय बना लिया।

सावधानी बरतने में, नियम व्यवस्था का पालन करने में अतिरिक्त दक्षता समाज ने भी दिखाई। प्रशासन के कर्मचारी, विभिन्न उपचार पद्धतियों के चिकित्सक तथा सुरक्षा और सफाई सहित सभी काम करने वाले कर्मचारी उच्चतम कर्तव्यबोध के साथ रूग्णों की सेवा में जुटे रहे। नागरिकों ने भी अपने समाज बंधुओं की सेवा के लिए, स्वयंस्फूर्ति के साथ, जो भी समय की आवश्यकता थी, उसको पूरा करने में प्रयासों की कमी नहीं होने दी। समाज की मातृशक्ति भी स्वप्रेरणा से सक्रिय हुई। विस्थापितों को घर पहुँचाना, यात्रा पथ पर उनके भोजन विश्राम आदि की व्यवस्था करना, पीड़ित विपन्न लोगों के घर पर भोजन आदि सामग्री पहुँचाना इन आवश्यक कार्यों में सम्पूर्ण समाज ने महान प्रयास किए। व्यक्ति के जीवन में स्वच्छता, स्वास्थ्य तथा रोगप्रतिरोधक शक्ति बढ़ाने वाली अपनी कुछ परम्परागत आदतें व आयुर्वेद जैसे शास्त्र भी इस समय उपयुक्त सिद्ध हुए।

अपने समाज की एकरसता का, सहज करुणा व शील प्रवृत्ति का, संकट में परस्पर सहयोग का, अपने सांस्कृतिक संचित सत्त्व का सुखद परिचय इस संकट में हम सभी को मिला।

स्मृति मंदिर,नागपुर से सम्बोधन

समाज की मातृशक्ति भी स्वप्रेरणा से सक्रिय हुई। विस्थापितों को घर पहुँचाना, यात्रा पथ पर उनके भोजन विश्राम आदि की व्यवस्था करना, पीड़ित, विपन्न लोगों के घर पर भोजन आदि सामग्री पहुँचाना इन आवश्यक कार्यों में सम्पूर्ण समाज ने महान प्रयास किए।

स्वतंत्रता के बाद धैर्य, आत्मविश्वास व सामूहिकता की यह अनुभूति अनेकों ने पहली बार पाई है।

इस परिस्थिति से उबरने के लिए अब दूसरे प्रकार की सेवाओं की आवश्यकता है। विद्यालयों का प्रारंभ, शिक्षकों के वेतन तथा बच्चों की शिक्षा के लिए कुछ सेवा सहायता करनी पड़ेगी। विस्थापन के कारण रोजगार चला गया, नए क्षेत्र में रोजगार पाना है, नया रोजगार पाना है उसका प्रशिक्षण चाहिए। अत: रोजगार का प्रशिक्षण व रोजगार का सृजन यह काम करना पड़ेगा। इस सारी परिस्थिति के चलते घरों में व समाज में तनाव बढ़ने की परिस्थिति उत्पन्न हो जाती है। ऐसी स्थिति में अपराध, अवसाद, आत्महत्या आदि कुप्रवृत्तियाँ ना बढ़े इसलिए समुपदेशन की व्यापक आवश्यकता है। संघ के स्वयंसेवक तो मार्च महीने से ही इस संकट के संदर्भ में समाज में आवश्यक सब प्रकार के सेवा की आपूर्ति करने में जुट गए हैं। सेवा के इस नए चरण में भी वे पूरी शक्ति के साथ सक्रिय रहेंगे। समाज के अन्य बन्धु-बांधव भी लम्बे समय सक्रिय रहने की आवश्यकता को समझते हुए अपने अपने प्रयास जारी रखेंगे यह विश्वास है।

लम्बे समय तक कोरोना वायरस के साथ रहते हुए भी इससे बचना और इस बीमारी से तथा इसके आर्थिक एवं सामाजिक परिणामों से अपने समाज बन्धुओं को बचाने का काम करते रहना पड़ेगा। मन में भय रखने की आवश्यकता नहीं है, अपितु सजगतापूर्वक सक्रियता की आवश्यकता है।

सम्पूर्ण विश्व में ही अन्तर्मुख होकर विचार करने का नया क्रम चला है। जो कृत्रिम बातें मनुष्य जीवन में प्रवेश कर गई थीं वे बंद हो गईं और जो मनुष्य जीवन की शाश्वत आवश्यकताएँ हैं, वास्तविक आवश्यकताएँ हैं वे चलती रहीं। कुछ कम मात्रा में चली होंगी लेकिन चलती रहीं। अनावश्यक और कृत्रिम वृत्ति से जुड़ी हुई बातों के बंद होने से एक हफ्ते में ही हमने हवा में ताजगी का अनुभव किया। झरने, नाले, नदियों का पानी स्वच्छ होकर बहता हुआ देखा। खिड़की के बाहर बाग-बगीचों में पक्षियों की चहक फिर से सुनाई देने लगी।

अधिक पैसों के लिए चली अंधी दौड़ में अधिकाधिक उपभोग प्राप्त करने की दौड़ में, हमने अपने आपको जिन बातों से दूर कर लिया था, कोरोना परिस्थिति के प्रतिकार में वहीं बातें काम की होने के नाते हमने उनको फिर स्वीकार कर लिया और उनके आनंद का नए सिरे से अनुभव लिया। उन बातों की महत्ता हमारे ध्यान में आ गई। नित्य व अनित्य, शाश्वत और तात्कालिक, इस प्रकार का विवेक करना कोरोना की इस परिस्थिति ने विश्व के सभी मानवों को सिखा दिया है। संस्कृति के मूल्यों का महत्व फिर से सबके ध्यान में आ गया है और अपनी

अधिक पैसों के लिए चली अंधी दौड़ में,अधिकाधिक उपभोग प्राप्त करने की दौड़ में, हमने अपने आपको जिन बातों से दूर कर लिया था, कोरोना परिस्थिति के प्रतिकार में वहीं बातें काम की होने के नाते हमने उनको फिर स्वीकार कर लिया और उनके आनंद का नए सिरे से अनुभव लिया।

परम्पराओं में देश–काल–परिस्थिति सुसंगत आचरण का फिर से प्रचलन कैसे होगा, इसी सोच में बहुत सारे कुटुम्ब दिखाई देते हैं। विश्व के लोग अब फिर से कुटुम्ब व्यवस्था की महत्ता, पर्यावरण के साथ मित्र बन कर जीने का महत्व समझने लगे हैं।

आज तक बाजारों के आधार पर सम्पूर्ण दुनिया को एक करने का जो विचार प्रभावी व सब की बातों में था, उसके स्थान पर, अपने अपने राष्ट्र को उसकी विशेषताओं सहित स्वस्थ रखते हुए, अंतरराष्ट्रीय जीवन में सकारात्मक सहयोग का विचार प्रभावी होने लगा है। स्वदेशी का महत्व फिर से सब लोग बताने लगे हैं। इन शब्दों के अपनी भारतीय दृष्टि से योग्य अर्थ क्या है यह सोच–विचार कर हमको इन शाश्वत मूल्यों, परम्पराओं की ओर कदम बढ़ाने पड़ेंगे। ■

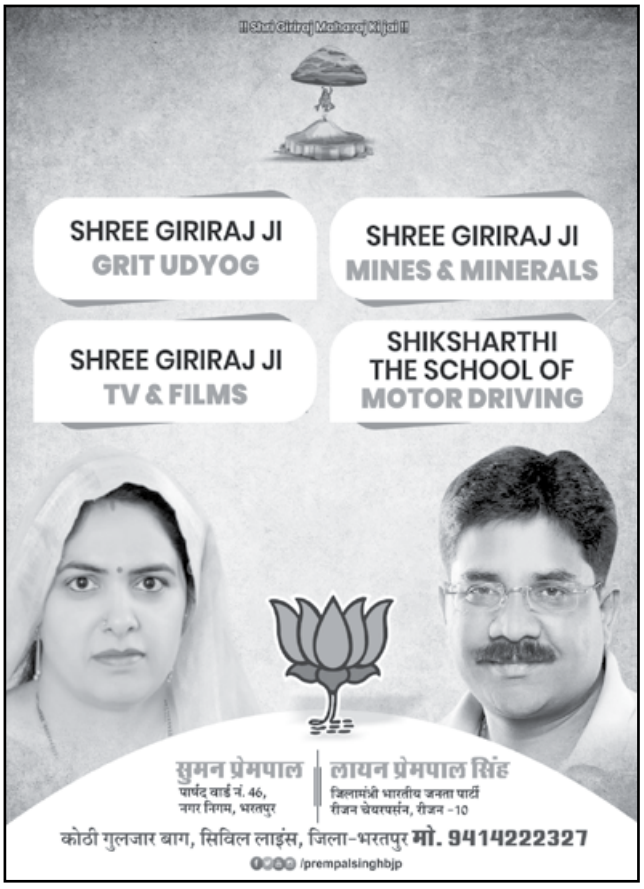

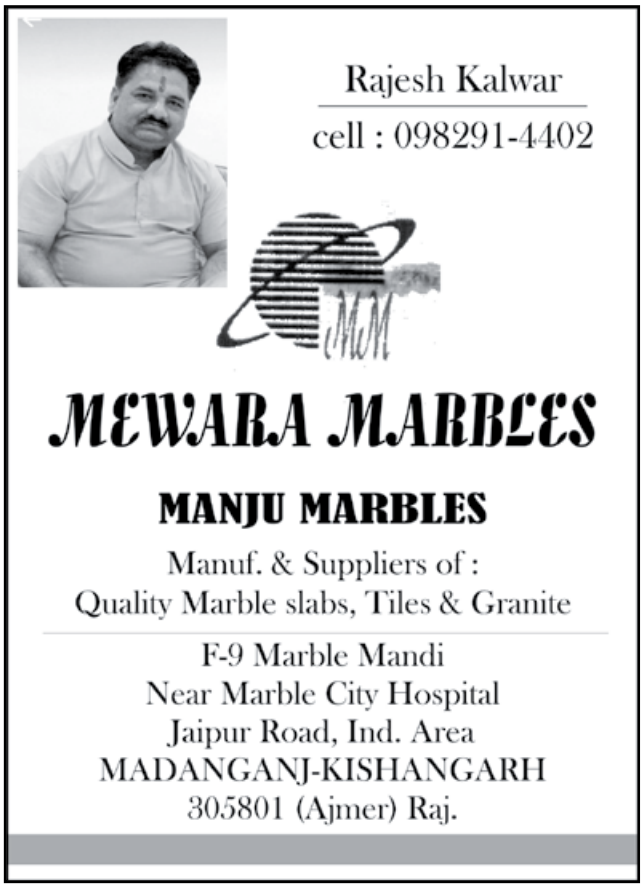

अन्नपूर्णा सदा पूर्णा

डॉ. रामकरण शर्मा

कोरोना के कारण लगे लॉकडाउन से सबसे ज्यादा प्रभावित थे निर्धन वर्ग के लोग, जो लगभग 'रोज कमाओ और रोज खाओ' की स्थिति में थे। इनमें शामिल थे दिहाड़ी मजदूर, रिक्शा–ऑटो चालक और उनके साथ के लोग, ठेले–खोंमचे या चाय की थड़ियाँ लगाने वाले, घरों में काम करने वाली बाईयों के परिवार, कुली, नाई, धोबी, मोची, पंक्चर ठीक करने वाले और इसी तरह के लाखों–करोड़ों लोग। इनकी पहली समस्या थी– अपना और अपने परिवार का पेट भरने की।

ऐसी स्थिति में समाज के विभिन्न सेवा–भावी संगठन आगे आये। हिन्दू समाज की मान्यता 'सेवा परमो धर्मः' का निर्वाह करते हुए बड़े पैमाने पर

स्वयंसेवक गांव–गांव गए, सुदूर वनों में, पहाड़ी अंचलों में निवास करने वाले देशवासियों तक गये। अपने साथ भोजन के पैकेट्स और राशन–किट लेकर गये। एक राशन–किट में आठ से दस दिनों के लिए पर्याप्त खाद्य सामग्री थी।

भोजन के पैकेट्स बनाकर जरूरतमंद लोगों को पहुँचाने का कार्य शुरू हो गया। मोहल्ला–कॉलोनियों के लोग एकत्र हुए। जैसा भी बना, लोगों ने आर्थिक सहायता दी और सेवा भावी लोगों ने, माता–बहिनों ने भोजन तैयार किया, बच्चों तक ने सहयोग दिया और प्रारंभ हो गया 'मेरे पड़ोस में कोई भूखा ना

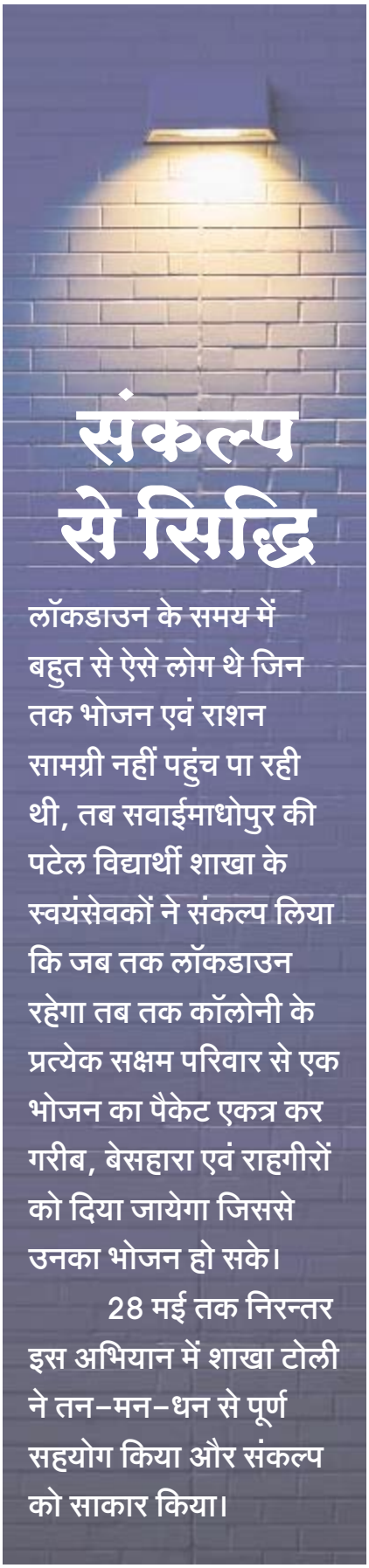

संकल्प से सिद्धि

लॉकडाउन के समय में बहुत से ऐसे लोग थे जिन तक भोजन एवं राशन सामग्री नहीं पहुंच पा रही थी, तब सवाईमाधोपुर की पटेल विद्यार्थी शाखा के स्वयंसेवकों ने संकल्प लिया कि जब तक लॉकडाउन रहेगा तब तक कॉलोनी के प्रत्येक सक्षम परिवार से एक भोजन का पैकेट एकत्र कर गरीब, बेसहारा एवं राहगीरों को दिया जायेगा जिससे उनका भोजन हो सके।

28 मई तक निरन्तर इस अभियान में शाखा टोली ने तन–मन–धन से पूर्ण सहयोग किया और संकल्प को साकार किया।

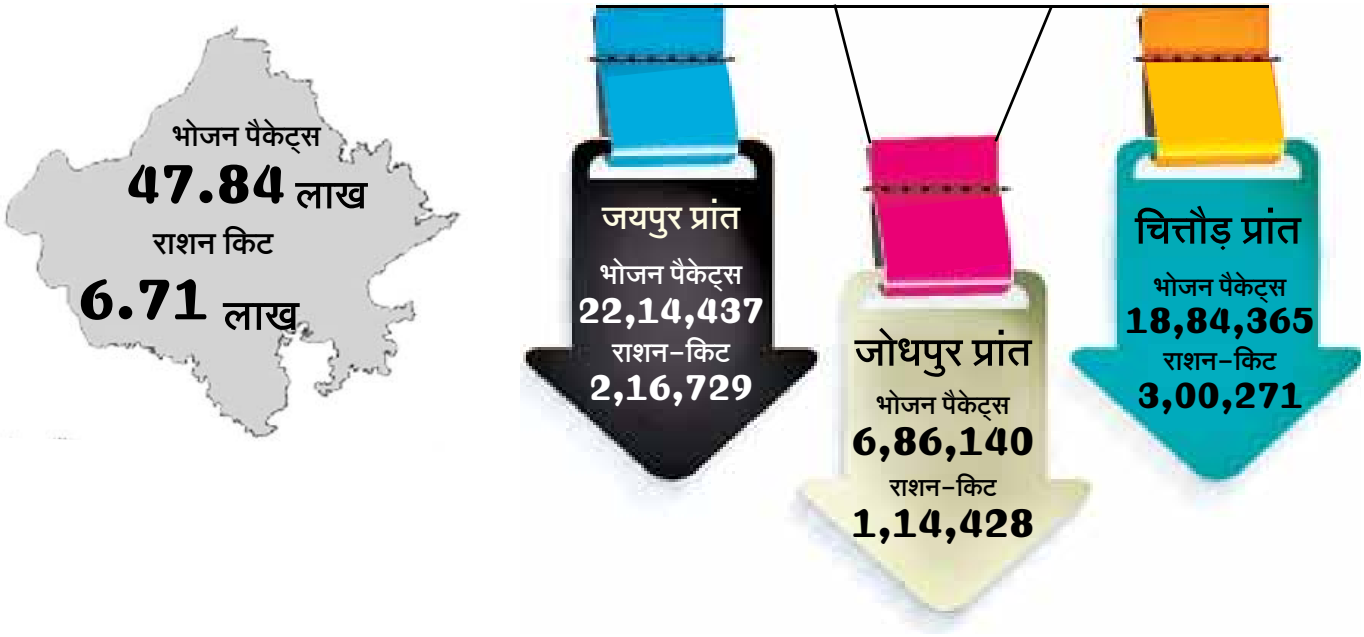

संघ की प्रांत रचनानुसार

सोये'- का अनूठा कार्यक्रम। केन्द्र और राज्य सरकारों ने भी इस दिशा में प्रयास किये, परन्तु वे विशाल आबादी वाले देश में अपर्याप्त थे।

संघ के कार्यकर्ता लॉकडाउन आरंभ होते ही इस दिशा में सक्रिय हो गये थे। संगठन बड़ा है, देश-व्यापी है, अतः देश में सर्वत्र सेवा कार्य शुरू हो गया।

स्वयंसेवक गांव-गांव गए, सुदूर वनों में, पहाड़ी अंचलों में निवास करने वाले देशवासियों तक गये। अपने साथ भोजन के पैकेट्स और राशन-किट लेकर गये। एक राशन-किट में आठ से दस दिनों के लिए पर्याप्त आटा, दाल, खाद्य तेल, मसाले, नमक, चावल, चायपत्ती जैसी खाद्य सामग्री के साथ-साथ हाथ धोने के लिए साबुन जैसी वस्तुएँ एक बड़े थैले या कट्टे में रखी गयीं।

जयपुर रेलवे स्टेशन पर कुलियों को राशन किट वितरित करते हुए

एक आहुति हमारी भी

किसानों ने निभाया अपना धर्म

जयपुर जिले के चाकसू खण्ड के कार्यकर्ताओं को लगा कि हमें भी कुछ सेवा कार्य करना चाहिए। जितना राम-सेतु बनाने में गिलहरी ने सहयोग दिया, उतना तो कर ही सकते हैं। एक कार्यकर्ता ने कहा, इस बार गेहूँ की फसल अच्छी हुई है तो गेहूँ इकट्ठा किया जा सकता है।

सहमति बनने पर स्वयंसेवक चंदलाई, छान्देल, गरुढ़वासी, निमोडिया, मोजमाबाद आदि गांवों में गये। किसानों ने उत्साहपूर्वक गेहूँ दिया। किसी गांव में डेढ़ क्विंटल, किसी में ढाई क्विंटल तो किसी में 50 किलो इसी तरह किसानों ने आगे बढ़कर गेहूँ दिया।

गांव झाग में प्रत्येक घर ने 15-15 किलो गेहूँ दिया। इस तरह प्राप्त गेहूँ को धोकर, साफ करते हुए स्वयं कार्यकर्ताओं ने पीसकर 10-10 किलो के पैकेट्स बनाये। इन पैकेट्स को बगरू औद्योगिक क्षेत्र में कार्यरत मजदूरों

तथा कच्ची बस्ती की घुमन्तु जाति के परिवारों तक वितरित किया गया।

खेतड़ी उपखण्ड के मंगली गैलरी सिंह ग्राम पंचायत के गांव रामपुरा पटेरा के किसानों ने तय किया कि गेहूँ की फसल तैयार होने पर उसमें से कुछ हिस्सा जरूरतमंदों को वितरित करने हेतु सरकार को देंगे। किसी ने 40 किलो गेहूँ दिए तो किसी ने 30 किलो। इस प्रकार से एकत्रित हुआ गेहूं गांव के शिव मंदिर में प्रशासन के अधिकारियों को सौंप दिया। वहां के क्षेत्रीय वन अधिकारी ने भी इस हेतु किसानों को प्रेरित किया था।

गुढ़ागौड़जी के भोड़की गांव में इसी तरह 70 क्विंटल गेहूँ एकत्र हुआ, जिसे एक समिति के माध्यम से गांव के जरूरतमंदों में बाँट दिया गया। अलवर के तिजारा में भी गेहूँ संग्रहित कर प्रवासी परिवारों को वितरित किया गया। प्रतापगढ़ व हाड़ौती क्षेत्र में बड़ी मात्रा में किसानों ने गेहूं एकत्र किया।

उत्तरप्रदेश के शाहजहांपुर में एक किसान ने 223 क्विंटल गेहूँ की पूरी फसल प्रधानमंत्री राहत कोष में दान कर दी। कुछ समय पूर्व ही उस किसान भाई ने 12 एकड़ जमीन खरीदी थी। यह उसकी पहली फसल थी।

मध्यप्रदेश के जबलपुर जिले की शाहपुरा तहसील के अन्तर्गत आने वाले दलपतपुर गावं में एक मल्लाह परिवार ने अपने 2 एकड़ के खेत में उगी सब्जी की फसल में से आधी फसल सेवा भारती को लोगों तक पहुँचाने के लिए सहर्ष दे दी। मंदसौर-कुचडौद के एक किसान ने भी एक ट्रोली गेहूँ इस कार्य के लिए दिया।

अनेक स्थानों पर बड़े पैमाने पर सब्जियां बांटी गईं। बच्चों, वृद्धजनों, गर्भवती माताओं-बहिनों के लिए और परिवार की चाय के लिए भी दूध के पैकेट्स बांटे गये। बच्चों के लिए बिस्कुट और कुरकुरे भी।

चितौड़गढ़ क्षेत्र में बच्चों को पन्द्रह हजार बिस्कुट के पैकेट वितरित किये गये।

कुलियों को भोजन सामग्री दी

जयपुर जंक्शन पर 61 कुलियों व 80 सफाईकर्मियों को सूखी भोजन सामग्री के किट संघ के स्वयंसेवकों द्वारा दिये गये। इस अवसर पर जयपुर मण्डल के चीफ कॉमर्शियल ऑफिसर तथा

प्रवासी श्रमिकों हेतु भोजन पैक करते कार्यकर्ता

रामनाथ जी महाराज द्वारा सेवा कार्य

स्टेशन अधीक्षक देवेन्द्र सिंह एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

7-8 किमी पैदल चलकर पहुँचाया भोजन

राजस्थान के वनवासी अंचल के कोटड़ा क्षेत्र में कनजवा, तालाब, फला, उमरिया, शिशविया सहित दर्जनों गांवों तक भोजन व राशन सामग्री देने के लिए संघ के स्वयंसेवक 7-8 किमी. तक पैदल चलकर भी पहुँचे।

मृत्युभोज के बजाय वितरित किया राशन

राजसमन्द के समीपवर्ती पिपलांत्री ग्राम पंचायत के गांव धर्मेटा में पालीवाल समाज के एक व्यक्ति ने अपने पिता की मृत्यु पर भोज नहीं करके इससे बची धनराशि का उपयोग जरूरतमंद भील समुदाय के लोगों को सूखी राशन सामग्री वितरित करने में किया। उनके परिवार ने इस हेतु घर पर ही 62 राशन-किट तैयार किये तथा जरूरतमंदों को घर-घर जाकर वितरित किये।

चिकित्सकों एवं मरीजों को भोजन

किशनगढ़ में 'माधव भोजनशाला' ने डॉक्टर्स व नर्सिंग स्टॉफ के साथ ही मरीजों तथा उनके परिजनों को भी लगातार भोजन उपलब्ध करवाया।

कच्ची बस्तियों में राशन

बाड़मेर में शिवनगर सदर थाने के पीछे कच्ची बस्तियों में राशन किट बांटे गये। रसद से भरे वाहन को संघ के जिला संघचालक तथा साध्वी अनुसुइया ने भगवा ध्वज दिखाकर रवाना किया।

राम रसोई

जयपुर में सेवा भारती की शास्त्रीनगर इकाई द्वारा 15 दिन तक राम रसोई का संचालन कर प्रतिदिन 900 पैकेट्स भोजन के तैयार कर वितरित किये गये।

सांगानेर के श्योपुर गांव में स्वयंसेवकों ने स्वयं तैयार करके लगभग 500 भोजन पैकेट प्रतिदिन एक माह तक वितरित किये।

अन्नपूर्णा रसोई-जैन संघ का सहयोग

सोजत सिटी इकाई ने जैन संघ के सहयोग से अन्नपूर्णा रसोई की शुरूआत की। इसके द्वारा कार्यकर्ताओं ने अपने ही हाथों से भोजन तैयार कर सुबह-शाम प्रतिदिन 400 से ज्यादा परिवारों तक भोजन पहुँचाया।

हर घर से पांच रोटी

संगरिया के श्रीराम पंचायती मंदिर द्वारा 'एक घर एक व्यक्ति रोटी' योजना प्रारम्भ की गयी। संघ तथा शहर के विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा संयुक्त रूप से चलाये गए इस अभियान के अंतर्गत प्रत्येक परिवार को एक व्यक्ति हेतु अतिरिक्त पांच रोटियां बनाने की अपील की गयी। इन रोटियों को सेवादारों द्वारा संग्रहित किया जाता तथा सब्जी मंदिर में बनाई जाती। इस अभियान के द्वारा तीस हजार लोगों को भोजन पैकेट्स उपलब्ध करवाए गये।

जोधपुर संभाग में सिरोही, श्रीगंगानगर, बाली, सोजत, जालौर आदि स्थानों पर भोजन वितरण का कार्य हुआ। जैतारण स्थित गीता भवन में संतश्री ने खाद्य सामग्री का वाहन रवाना किया। कुचामन सिटी में संघ की प्रेरणा से 'सुदर्शन सेवा संस्थान' द्वारा निरंतर जरूरतमंदों को सूखे राशन के किट बांटे गये। 'महावीर इंटरनेशनल युवा केन्द्र' तथा 'जगदम्बा नवयुवक मंडल' द्वारा भी इस दिशा में कार्य किया गया। ■

अतिथि देवो भवः

देखो! आ गया मेरा सांवरिया

पुलिसिया–गाड़ी के सायरन की तेज आवाज ने सबको दहला दिया। बाजार की दुकानें बन्द होने लगीं, आशंकित और भयभीत लोग अपने घरों की ओर दौड़ने लगे।

वह 20 मार्च, 2020 की गर्म दोपहर थी। भीलवाड़ा शहर के बड़े अस्पताल में एक प्रतिष्ठित चिकित्सक सहित 26 चिकित्साकर्मी कोरोना महामारी से ग्रस्त हो गए थे। इनसे हजारों लोग सम्पर्क में आये होंगे, उनका पता लगाना आवश्यक था। इसी कारण से जिला प्रशासन ने शहर में कर्फ्यू लगा दिया था। सारी दुकानें, खाने–पीने की सामग्री से सजे खोंमचे–रेहड़ियाँ, चाय की थड़ियाँ, फल–सब्जी के ठेले, फैक्ट्रियाँ–मिलें, ऑटो–रिक्शा... सब कुछ अचानक बन्द हो गया।

रोज कमाने–खाने वाले दिहाड़ी मजदूर, ठेले–रिक्शा वाले और ऐसे ही सैकड़ों श्रमजीवी यकायक बेरोजगार हो गए। न तो काम का ठिकाना और न ही रहने को आश्रय। क्या करें, कहाँ जाएं... इसी चिन्ता में गमगीन यहाँ–वहाँ, जहाँ कहीं भी सिर छुपाने की जगह मिली दुबककर बैठ गए।

ऐसे कुछ मजदूरों ने शहर के एक छोर पर रेल की पटरी के किनारे स्थित बालाजी के मंदिर में शरण ली। कर्फ्यू के कारण शहर में घुसना तो कदापि संभव नहीं था। क्या करते, आँगन में ही जैसे–तैसे, भूखे–प्यासे सो गए, सवेरे की आशा मन में संजोए। किन्तु, सुबह भी घनघोर नीरवता लेकर ही आयी। कहीं कोई हलचल नहीं, केवल पक्षियों की कलरव और चहचहाट के स्वर ही सुनाई दे रहे थे।

मंदिर में आश्रित मजदूर पूरा दिन राह ताकते बैठे रहे, रात भी आ गयी, चारों ओर चाँदनी की ठंडक बिखर गयी, पर उनके भीतर क्षुधा की अग्नि धधक रही थी। कहीं कोई साधन नहीं, कोई संभावना भी नहीं, विवश होकर सभी भूखे पेट ही सो गए... या शायद सारी रात भूख से व्याकुल होकर चाँद–तारों से प्रार्थना करते जागते ही रहे। इसी हालत में तीन दिन गुजर गए।

> **'देखा, मैंने कहा था ना, सांवरिया सेठ हमें आज भूखा नहीं सोने देगा.. देखो, वो आ गया मेरा सांवरिया...।' ये शब्द सुनकर स्वयंसेवक की आँखों से अश्रुधारा बह निकली। ये आनन्द के आँसू थे... किसी वंचित भूखे व्यक्ति की क्षुधा शान्त करने योग्य होने के असीम सुख के आँसू।**

22 मार्च की रात में संघ के कई स्वयंसेवक कर्फ्यू में फंसे मजदूरों की भोजन व्यवस्था पर विचार करने हेतु बैठे थे। तभी एक स्वयंसेवक के मोबाइल की घंटी बजी, उधर से एक पत्रकार बोल रहा था। पत्रकार ने बताया–''भाई साहब, मजदूर परिवारों के कुछ लोग रेलवे पटरी के पास वाले बालाजी के मंदिर में फंसे हुए हैं और उन्होंने तीन दिन से कुछ भी खाया नहीं है। क्या उनके भोजन की कुछ व्यवस्था हो सकती है?''

नररूपी नारायण की सेवा का अवसर उपलब्ध हो तो स्वयंसेवक उसे कैसे छोड़ सकता है? उसने तुरन्त कह दिया–'आप चिन्ता न करें, व्यवस्था हो जाएगी।'

आश्रम में जो भी खाद्य सामग्री रखी थी उसमें तलाश की तो कुछ केले, नमकीन, चना,चिप्स के पैकेट और डिब्बे में रखे मावे के पेड़े मिल गए। इतना तो पर्याप्त था, स्वयंसेवक ने सारी सामग्री को झोले में संभालकर रखी और शीघ्रता से दरवाजे की ओर दौड़ा।

बाहर देखा तो आसमान में बिजलियां कड़क रही थीं, तेज हवाएं चल रही थीं, अभी–अभी तेज बारिश भी हुई थी, इसी कारण बिजली भी बन्द हो गयी थी। घनघोर काली घटाएं अब भी बरसने को लालायित दिख रही थीं। चारों ओर भयावह अंधियारा और नितान्त सन्नाटा पसरा हुआ था।

यदा–कदा पुलिस की गाड़ी के सायरन के अलावा कोई भी आवाज कहीं से भी सुनाई नहीं पड़ रही थी। स्वयंसेवक ने झोला संभाला और दुपहिया वाहन पर सवार होकर चल पड़ा बालाजी मंदिर की ओर।

चौराहे पर खड़े पुलिसवालों ने उसे रोका,डांटकर पूछा –''तुझे पता नहीं है शहर में कर्फ्यू लगा हुआ है, कहाँ जा रहा है?''

स्वयंसेवक ने विनम्रतापूर्वक बताया –''मंदिर में कुछ मजदूर लोग तीन दिन से भूखे हैं, उनके लिए कुछ खाने की सामग्री ले जा रहा हूँ। कृपया अनुमति दे दीजिए।''

यह सुनकर पुलिस ने जाने दिया। आगे मार्ग में भी कई बार पुलिस ने रोका और पूछताछ की, किन्तु सेवा कार्य से

भला किसी को क्या एतराज हो सकता था। आखिर स्वयंसेवक बालाजी मंदिर तक पहुँच ही गया।

दुपहिया वाहन से उतरकर मंदिर परिसर में प्रवेश किया तो वहाँ चारों ओर अंधेरा और निस्तब्धता छायी हुई थी। भीतर कोई हो शायद, ऐसा विचार कर स्वयंसेवक ने आवाज लगायी –''भाई, भीतर कोई है क्या?''

पर भीतर से कोई प्रत्युत्तर नहीं आया। उसने दुबारा पुकारा –''भीतर जो भी हो, आ जाइये, मैं आपके लिए भोजन सामग्री लाया हूँ।''

ऐसा पुकारते ही भीतर से एक वृद्ध महिला का उल्लासित स्वर सुनाई दिया –''देखा, मैंने कहा था ना, सांवरिया सेठ हमें आज भूखा नहीं सोने देगा.. देखो, वो आ गया मेरा सांवरिया...।''

ये शब्द सुनकर स्वयंसेवक की आँखों से अश्रुधारा बह निकली। ये आनन्द के आँसू थे... किसी वंचित भूखे व्यक्ति की क्षुधा शान्त करने योग्य होने के असीम सुख के आँसू। भीतर जाकर परिवार के उन आठ स्त्री–पुरूषों को जैसे ही भोजन सामग्री दी वे सभी सांवरिया के उस प्रसाद को बैठकर खाने लगे। स्वयंसेवक उन्हें नम आँखों से देखता रहा, फिर बोला –''कल से चिन्ता मत करना, हम रोजाना भोजन आप तक पहुँचा देंगे।'' यह सुनकर वे कुछ बोले नहीं, बस हाथ जोड़कर आशीर्वाद देते रहे।

दूसरे दिन जब स्वयंसेवक वहां भोजन देने पहुँचे तो उस दिन उनकी संख्या लगभग 15 थी और स्वयंसेवकों के पास भोजन पैकेट केवल सात बचे थे। उनमें से एक बोला –''हम एक समय भोजन नहीं भी करेंगे तो चलेगा।''

यह सुनकर कार्यकर्ताओं का मन उनके प्रति स्नेह और श्रद्धा से भर गया। जब उन नए लोगों को भोजन देने लगे तो उनमें से एक बोला –''ऐसे तो आप लोग भूखे रह जाओगे।'' यह सुन मुस्कुराते हुए वृद्ध मजदूर ने कहा –''फिकर ना करो भाई, आप लोग खा लोगे तो हमारा पेट तो खुद ही भर जाएगा।''

दोनों स्वयंसेवक आनन्दित होते हुए वहाँ से चल दिये... कल सवेरे फिर से अनेक भाइयों को भोजन कराने का संकल्प मन में लिये। ■

शहीद की बुजुर्ग पत्नी ने दान कर दी सारी जमा पूँजी

उत्तराखंड़ के रुद्रप्रयाग जिले में स्थित डडोली गांव की रहने वाली 80 वर्षीय महिला दर्शनी देवी ने अपनी सम्पूर्ण जमा पूँजी दो लाख रुपये कोरोना प्रभावितों की मदद के लिए दान कर दी। उनके पति के.एस.रैथाण भारतीय सेना में हवलदार थे। छोटी उम्र में ही विधवा हो गयी दर्शनी देवी ने खेती तथा घास काट कर अपनी दोनों बेटियों को पढ़ाया तथा उनकी शादी करने के बाद उक्त राशि वर्षों तक छोटी–छोटी बचत द्वारा जमा की थी।

वेजिटेबल बास्केट

महाराष्ट्र में लॉकडाउन के समय सब्जी मंडियां खुली थीं। भीड़ के कारण शारीरिक दूरी का पालन नहीं हो रहा था। नासिक में संघ के स्वयंसेवकों ने इसका समाधान निकाला– 'वेजिटेबल बास्केट'। उन्होंने 'भोंसला मिलिट्री स्कूल' के आसपास रहने वालों का एक वाट्सएप ग्रुप बनाया। प्रतिदिन शाम 4 बजे तक अगले दिन मिल सकने वाली सब्जियों की सूची एवं उनके भाव वाट्सएप पर डाले जाते। ग्राहक एक मोबाइल नम्बर पर अपनी आवश्यकता वाट्सएप कर देते। अगले दिन उनकी सोसायटी के बाहर टेम्पों से सब्जियाँ पहुँच जाती। बुजुर्गों को उनके घरों तक सब्जी पहुँचायी गयी। संघ के गट प्रमुख श्रीपाद दाबक ने बताया कि यह सेवा शुरु करने के लिए नासिक के गिरनारे गांव के 35 किसानों से सम्पर्क किया गया था।

कश्मीर में सेवा कार्य

कश्मीर में अलगाववादियों के गढ़ माने जाने वाले बारामूला, हंदवाड़ा और बड़गाम के दूरदराज के इलाकों में कुछ युवक–युवतियां कोरोना प्रभावितों के घरों तक मदद पहुँचा रहीं थीं। ये स्थानीय मुस्लिम युवक–युवतियां राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की इकाई सेवा भारती के कार्यकर्ता हैं। इन लोगों ने राशन, सैनेटाइजर व दवाईयां वितरित करने के साथ ही लोगों की परेशानियां प्रशासन तक पहुँचायी। कश्मीर में काम करने वाले दूसरे राज्यों के मजदूरों, स्थानीय गरीबों, दिव्यांगों व बुजुर्गों तक ये लोग नियमित रूप से पहुँचते रहे।

इस कार्य में जुटी मुबीना बेगम ने कहा, अब यह मत पूछना कि मुसलमान होकर सेवा भारती के साथ क्यों। यहां कम से कम डेढ़ सौ लड़कियां सेवा भारती की सक्रिय कार्यकर्ता हैं।

सुरक्षा उपायों से रुका कोरोना वेग

मेघराज खत्री

> एकान्त में आत्म-साधना और लोकान्त में परोपकार, यही जीवन का स्वरूप है और यही संघकार्य का स्वरूप है।
>
> **-डॉ. मोहन भागवत**

विश्व के सभी देश कोरोना प्रतिरोधक टीका बनाने के प्रयास में जुटे हैं, लेकिन 7-8 माह बाद भी अब तक कोई टीका बाजार में उपलब्ध नहीं है। इतना ही नहीं इसकी सटीक चिकित्सा के लिए किसी दवा पर भी चिकित्सक एकमत नहीं हैं। इन परिस्थितियों में इस बीमारी के संक्रमण से बचाव ही इससे सुरक्षा का साधन है।

प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि के लिये योग कक्षायें व शिविर

सेवा कार्यों द्वारा रोग-प्रतिरोधक क्षमता में अभिवृद्धि के उपाय किये गये। कोरोना संक्रमण का पहला प्रभाव गले तथा श्वसन तंत्र पर होता है। इसलिए प्राणायाम व योग-आसन करके शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने की सलाह आयुष मंत्रालय द्वारा बार-बार दी जाती रही है। इसी बीच 21 जून को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। सेविका समिति ने 100 बहिनों को प्रशिक्षण देकर 14 से 21 जून तक सैकड़ों परिवारों में योग कक्षायें चलाईं। केशवपुरा ग्राम में स्वयंसेवकों ने पांच दिन का योग शिविर लगाया। योग चेतना के क्षेत्र में क्रीड़ा भारती भी सक्रिय रही।

भारती भवन में ज्येष्ठ पूर्णिमा पर हवन की पूर्णाहूति

यज्ञ-हवन

पर्यावरण की शुद्धता व कोरोना वायरस के बचाव हेतु कई परिवारों में प्रतिदिन हवन का आयोजन होता था। इसी क्रम में जयपुर स्थित संघ कार्यालय 'भारती भवन' में भी वरिष्ठ प्रचारक श्री शंकरलाल के सानिध्य में प्रतिदिन हवन होता रहा।

मास्क निर्माण एवं वितरण

स्वास्थ्य विभाग की सलाह के अनुसार यदि संक्रमित व्यक्ति ने मास्क लगाया हुआ है तथा उसके सम्पर्क में आने वाले व्यक्ति ने भी मास्क लगाया हुआ है, तो संक्रमण फैलने की संभावना 90% तक कम हो जाती है। प्रारंभ में आवश्यकता के अनुरूप मास्क बाजार में उपलब्ध नहीं थे। अत: स्थानीय स्तर पर हजारों मास्क तैयार करके बांटे गए। मास्क तैयार करने में परिवार की मातृशक्ति तथा महिला मंडलों का विशेष योगदान रहा। एक स्वयंसेवक परिवार ने एक दिन में 800 मास्क तैयार किये।

बड़ी संख्या में मातृशक्ति ने घर पर रहते हुए प्रतिदिन 2-8 घंटे का समय मास्क बनाने हेतु अनिवार्य रूप से दिया। इन्हें प्रेरित करने में सेवा भारती के महिला मंडलों तथा राष्ट्र सेविका समिति का विशेष योगदान रहा।

एक दिन में 10 हजार मास्क

सरदारशहर की मातृशक्ति ने एक ही दिन में मास्क बनाने के कार्य में जुटकर ऐसा चमत्कारिक परिणाम लाकर बताया कि 10 हजार मास्क का निर्माण कर दिया। इससे प्रेरणा लेकर नगर की बस्तियों के अनेक परिवारों ने भी अपने स्तर पर मास्क बनाकर स्वयंसेवकों को सौंपे।

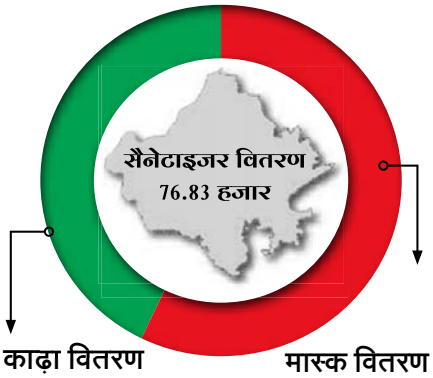

काढ़ा वितरण
11.44 लाख

मास्क वितरण
13.45 लाख

उसी समय आवश्यकता पड़ने पर पांच हजार मास्क एसएमएस अस्पताल, जयपुर में दिये गए।

मास्क की आवश्यकता पड़ने पर पांच हजार मास्क जयपुर के एसएमएस अस्पताल को दिये गए।

पूरा परिवार मास्क निर्माण में लगा

जयपुर के एक स्वयंसेवक का पूरा परिवार प्रतिदिन सुबह से शाम तक मास्क बनाकर वंचित परिवारों और कॉलोनीवासियों की सेवा में लगा रहा।

पड़ोसियों सहित पूरा परिवार मास्क बनाता

इन्होंने 2 हजार से अधिक मास्क बनाये। चिड़ावा महिला मण्डल की संयोजिका श्रीमती शकुन्तला एवं उनके पति राजेन्द्र ने मिलकर कई दिन तक मास्क निर्माण का कार्य किया। ऐसे ही फुलेरा में 30 परिवारों ने 24 घंटे में 3 हजार 500 मास्क बनाये।

1000 मास्क बनाकर आसलपुर में वितरित किए गए। मनोहरपुर में भी मास्क वितरण का कार्य उस समय किया गया जब बाजार में मास्क की किल्लत आ गयी थी। विराट नगर के स्वयंसेवकों ने 9 हजार मास्क वितरित किए। रतनगढ़ की वाल्मीकि बस्ती में सेवा भारती द्वारा घर-घर जाकर मास्क वितरण किया गया। खैरथल में आमजन को 1600 मास्क वितरित किये गये। प्रतापगढ़ में विद्यार्थी परिषद् के कार्यकर्ताओं ने सब्जी मण्डी व बैंक तिराहे पर मास्क वितरित किये।

मास्क व सैनेटाइजर राजस्थान के हर नगर, कस्बे एवं गांवों तक स्वयंसेवकों द्वारा वितरित किए। करौली, सपोटरा, हिन्डौन, धौलपुर में हजारों की संख्या में इनका वितरण हुआ। भीलवाड़ा में दस हजार मास्क व दस हजार सैनेटाइजर कोरोना योद्धाओं को दिए गए।

बाड़मेर, नोखा सायला, पिपलिया (सोजत) में भी मास्क व सैनेटाइजर का वितरण हुआ। विश्व हिन्दू परिषद तथा बजरंग दल के सहयोग से जैतारण, सिरोही, संगरिया, आबूरोड़ में मास्क का वितरण हुआ।

स्वच्छता एवं सैनेटाइजर का छिड़काव

सिकराय व अन्य कई स्थानों पर स्वयंसेवक प्रतिदिन स्वच्छता का कार्य करते थे। स्वयंसेवकों द्वारा कच्ची बस्तियों तथा गरीबों को हैंड सैनेटाइजर, साबुन तथा नेपकिन का भी वितरण किया।

घर-घर, मोहल्ले-मोहल्ले में छिड़काव

कोरोना योद्धाओं यथा चिकित्साकर्मी, नर्सिंगस्टाफ, पुलिस के जवानों, सफाईकर्मियों को पीपीई किट, मास्क, हैंड सैनेटाइजर, फेसशील्ड, हाथों के दस्ताने, इन्फ्रारेड थर्मामीटर भी दिये गये ताकि वे स्वयं को संक्रमण से सुरक्षित रखकर इस संकट की घड़ी में अपना सेवा-कार्य तथा कर्तव्यपालन जारी रख सकें।

जयपुर के वैशाली नगर की बजरंग शाखा, बनीपार्क व सिंधी कैम्प तथा उदयपुर के हिरण मगरी सेक्टर के अलावा अनेक स्थानों पर सोडियम हाइपोक्लोराइट घोल का छिड़काव कर क्षेत्रों को संक्रमणमुक्त करने का कार्य स्वयंसेवकों द्वारा किया गया। किशनगढ़ की महाराणा प्रताप शाखा ने दस गलियों के 200 घरों में छिड़काव किया। भिवाड़ी के अस्पताल में सेवा भारती द्वारा स्वचालित 'सैनेटाइजिंग मशीन गैलरी' एवं लघु उद्योग भारती द्वारा पीपीई किट भेंट किये गये।

ये छोटे-छोटे प्रयास स्थानीय स्तर पर अति उपयोगी सिद्ध हुए।

आत्मानुशासन

यदि किसी को कुछ सिखाना हो तो स्वयं को उदाहरण बनना होता है, केवल कहने मात्र से सामने वाले पर असर नहीं होता है। इस सिद्धान्त को ध्यान में रखते हुए सभी कार्यकर्ताओं ने आयुष मंत्रालय तथा प्रशासन द्वारा जारी नियम-निर्देशों का पालन किया। प्रात: काढ़ा पीना, प्राणायाम करना, बार-बार साबुन से हाथ धोना, मास्क लगाकर ही बाहर निकलना, दो गज शारीरिक दूरी रखना इत्यादि निर्देशों का स्वयं भी कठोरता से पालन किया। इसके सीधे-सीधे दो लाभ हुए। पहला यह कि लगभग सभी कार्यकर्ता पूरे महामारी काल में स्वस्थ रहे जिससे उनकी सेवा कार्यो की भागीदारी निरंतर बनी रही, दूसरा यह कि बिना कहे भी जन सामान्य उनके आचरण को देखकर ही इन सावधानियों की उपयोगिता के बारे में समझ जाता तथा उन्हें अपने आचरण-दिनचर्या में अपनाने के लिए प्रेरित होता। यही नहीं लॉकडाउन काल में घरों से बाहर निकलने पर प्रतिबंध था। सेवा कार्य में लगे हमारे कार्यकर्ताओं ने भी प्रशासन से आवश्यक परमिट-पास प्राप्त करके अनुशासन पालन किया।

डॉक्टर्स ने तैयार की सस्ती पीपीई किट

लॉकडाउन के प्रारंभ में डॉक्टर्स द्वारा कोरोना वायरस से सुरक्षा हेतु पहने जाने वाली पीपीई किट की ज्यादा मात्रा में आवश्यकता अनुभव की जा रही थी।

जयपुर स्थित जे.के.लोन अस्पताल के सहायक प्रोफेसर डॉ. योगेश यादव ने अस्पताल के तत्कालीन अधीक्षक डॉ. अशोक गुप्ता के निर्देशन में ऐसी किट तैयार की जो बाजार में उपलब्ध किट की तुलना में सस्ती होने के साथ ही पहनने-उतारने में सुविधाजनक भी है।

सतर्कता जारी रखनी है

हालांकि आर्थिक गतिविधियों को शुरु करने तथा बढ़ाने के लिए सरकार अनलॉक प्रक्रिया के तहत छूट दे रही है। लेकिन **अभी न तो बीमारी समाप्त हुई है और न ही इसका टीका या सटीक दवा उपलब्ध है। अत: संक्रमण से बचाव वाली सारी सावधानियों का निरन्तर पालन अब भी वैसे ही आवश्यक है, जैसे पांच-छ: माह पहले था।**

अत: दो गज की शारीरिक दूरी, नाक तथा मुँह को मास्क से ढकना, बिना काम बाहर विशेषकर भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर जाने से बचना, बाहर से आकर तथा समय-समय पर साबुन से हाथ धोना, प्रात: प्राणायाम तथा योग आसन करना जारी रखना है। ■

पूर्वांचली बंधुओं को अपनेपन की अनुभूति

कुल ग्यारह लोग थे। दस अरुणाचल प्रदेश से और एक नेपाल से। सभी जयपुर प्रशिक्षण लेने आये थे और मालवीय नगर में रह रहे थे। प्रशिक्षण पूरा कर अपने-अपने घरों को लौटने वाले ही थे कि लॉकडाउन की घोषणा हो गई।

आवागमन के सभी साधन बंद हो चुके थे। अब उन्हें अपने किराए के घरों में रहकर ही प्रतीक्षा करनी थी। दिन गुजरने के साथ ही राशन सामग्री समाप्त हो चुकी थी। फिर कुछ दिन नूडल्स खाकर गुजारे। लेकिन नूडल्स पर जीवन कब तक! अब आगे जीवन कैसे चलेगा? जेब में पैसे नहीं थे।

बाजार बंद थे और यहां किसी से कोई परिचय नहीं था। वे लोग यह विचार कर ही रहे थे कि उन्हें ध्यान आया राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का। जब-जब सेवा की बात होती है, संघ का सहज रूप से स्मरण हो आता है। किसी माध्यम से उन्होंने अरुणाचल प्रदेश में संघ प्रचारक कमलेश जी तक अपनी बात पहुंचाई और कमलेश जी ने जयपुर प्रांत प्रचारक डॉ. शैलेंद्र जी को फोन कर उनकी परिस्थितियां बताईं।

पूर्वांचली बंधुओं के बारे में यह संदेश संघ के कार्यकर्ता हजारीलाल मीणा तक पहुंचा और वे उन अपरिचित लेकिन अपने लोगों के पास पहुंच गए। मीणा जी की उनमें से एक तरुण तवांग से बात हुई। उनके पास जमा पूंजी खत्म हो चुकी थी। पूर्वोत्तरी खान-पान शैली के कारण उनको चावल, सब्जी के बिना कष्ट हो रहा था। संघ के स्वयंसेवकों ने उन्हें तत्काल बीस किलो चावल, दाल और अन्य मसाले उपलब्ध करवाए। स्वयंसेवकों ने उन्हें गैस सिलेंडर और दूसरी सहायता भी पहुंचाई।

अपवाद स्वरूप कभी-कभी पूर्वोत्तर के लोगों के साथ होने वाली ज्यादती की घटनाओं का, समाज को तोड़ने वाले तत्वों द्वारा अनावश्यक मुद्दा बना दिया जाता है। समाज को अपने पूर्वांचली बंधुओं के साथ ज्यादा संवेदनशीलता और प्रेम का भाव रखना चाहिए। इसलिए स्वयंसेवक पूर्वांचल के उन बंधुओं की आवश्यकताओं और भावनाओं के प्रति अधिक सजग थे।

स्वयंसेवकों ने उनकी सुरक्षित घर वापसी की व्यवस्था भी की। आखिर 26 मई को सभी को सुरक्षित अपने-अपने घर प्रस्थान करवा कर स्वयंसेवकों ने संतोष की सांस ली। अपने घरों की ओर रवाना होते समय पूर्वांचल के सभी बंधुओं के मन में स्वयंसेवकों के प्रति अपनापन देखते ही बनता था।

-मुरारी गुप्ता

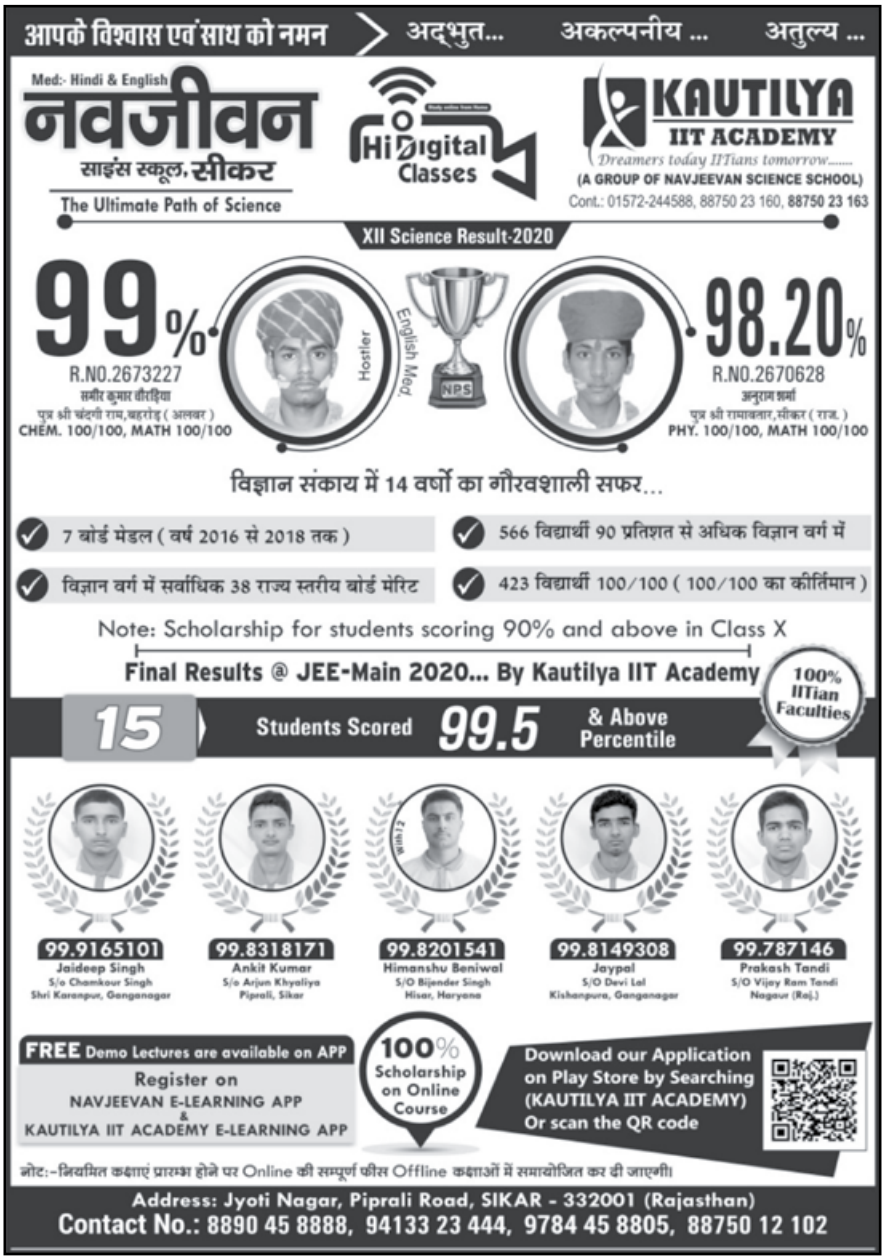

सेवा विशेषांक प्रकाशन व दीपोत्सव की
हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

सेवा करते समय कोई स्पर्धा तो है ही नहीं अपनी कीर्ति दुनिया में फहराने के लिए हम काम नहीं कर रहे हैं। -डॉ. मोहन भागवत

भंवरलाल दीपाराम जी
पुरोहित तातड़ा
मो. 9799406021

अरविन्द पुरोहित
समाजसेवी
मो. 9414600077

कैलाश देवी
पत्नी अरविन्द पुरोहित
सरपंच ईटादा

शुभेच्छु - उपसरपंच, सचिव, समस्त वार्ड पंच ग्राम पंचायत ईटादा, तहसील : चितलवाना (जालौर)

नवरात्रा, दशहरा,
दीपोत्सव व 'सेवा विशेषांक'
के प्रकाशन की हार्दिक शुभकामनाएं

भागीरथ चौधरी
सांसद, लोकसभा क्षेत्र अजमेर (राजस्थान)

दीपोत्सव व 'सेवा विशेषांक'
के प्रकाशन की हार्दिक शुभकामनाएं

जोराराम कुमावत
विधायक सुमेरपुर

मनसाराम परमार
जिलाध्यक्ष भाजपा

मनोज नामा
मण्डल अध्यक्ष तखतगढ़

रंजना भाटी
पूर्व अध्यक्ष नगर पालिका तखतगढ़

नि. खाचरियावास, तखतगढ़, तहसील सुमेरपुर,
जिला-पाली मो. 9920019444

'सेवा विशेषांक' प्रकाशन एवं दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

अपने पवित्र समाज का संरक्षण और सर्वांगीण उन्नति
यह हमारी प्रतिज्ञा है।
-डॉ. मोहन भागवत

जोराराम कुमावत

विधायक, सुमेरपुर
मो. 9829082329, 02933-255255

www.teitter.com/JoraramKumawat
www.facebook.com/joraramk
kumawatjoraram@gmail.com

- : निवास : -
50-51 नाकोड़ा भैरु कालोनी, भैरु चौक, सुमेरपुर, पाली

सेवा विशेषांक प्रकाशन एवं दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

नरेन्द्र मोदी

वसुंधरा राजे

सतीश पूनिया

कालीचरण सराफ

भजनलाल शर्मा

- प्रदेशाध्यक्ष, अखिल राज्य ट्रेड एण्ड इण्डस्ट्री एसोसियशन
- प्रान्तीय सचिव, फोटी
- प्रान्तीय सह संयोजक भारतीय जनता पार्टी व्यापार प्रकोष्ठ
- प्रदेश मंत्री, अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन, राजस्थान
- जिला महामंत्री, अखिल भारतीय अग्रवाल महासम्मेलन, सीकर
- अध्यक्ष, लक्ष्मणगढ़ व्यापार संघ
- अध्यक्ष, लक्ष्मणगढ नागरिक परिषद
- पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष, भगवानदास तोदी महाविद्यालय लक्ष्मणगढ़
- पूर्व अध्यक्ष, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद लक्ष्मणगढ़
- पूर्व जिला उपाध्यक्ष, भारतीय जनता युवा मोर्चा, सीकर
- पूर्व अध्यक्ष, भारतीय जनता युवा मोर्चा लक्ष्मणगढ़ (सीकर)

विष्णु भूत

जयपुर कार्यालय- विद्याधर नगर, जयपुर
आवास : अग्रसेन भवन के पीछे स्टेशन रोड़ लक्ष्मणगढ़ (सीकर)
मोबा. 9829163092

आयुष ने बढ़ायी सुरक्षा क्षमता

डॉ. भीखाराम

कोरोना से बचाव में जिस प्रकार सावधानी, स्वच्छता व एलोपैथी का योगदान रहा, इसमें बराबर की भूमिका आयुष की भी है। आयुष का आशय आयुर्वेद, होम्योपैथी व यूनानी तीनों चिकित्सा पद्धतियों के सम्मिलित रूप से है। शासन-प्रशासन ने भी इसको महत्व देते हुए संजीवनी मोबाइल एप के द्वारा लगभग डेढ़ करोड़ लोगों का सर्वे करवाया जिनमें से 85 प्रतिशत लोगों ने माना कि वे आयुर्वेद काढ़ा या होम्योपैथी बूस्टर दवा का प्रयोग करते हैं। अधिकांश लोगों ने इनके सकारात्मक परिणामों का अनुभव किया। केन्द्रीय आयुष मंत्रालय ने कोरोना से सुरक्षा हेतु सलाह दी है कि सभी लोग प्रतिदिन आयुर्वेदिक काढ़ा पीयें तथा गर्म पानी पीते रहें।

आयुर्वेदिक काढ़ा वितरण

स्थानीय वैद्यों के मार्गदर्शन में गिलोय, तुलसी, अदरक, लोंग, दालचीनी, मुलेठी, सौंफ से काढ़े का चूर्ण बनाया गया जिसके पैकेट बनाकर प्रदेश में सर्वत्र बांटे गये तथा काढ़ा पेय लोगों को पिलाया गया।

जालोर का काढ़ा

जालोर के संघ के कार्यकर्ताओं ने बड़े स्तर पर काढ़ा बनाकर एक कीर्तिमान स्थापित किया है। इसके लिए नीम गिलोय, तुलसी, मुलेठी, सोंठ, काली मिर्च,लौंग, महासुदर्शन चूर्ण, दालचीनी का पर्याप्त मात्रा में संकलन करना प्रारंभ किया। अभियान की व्यापकता का अनुमान इस बात से लगाया जा सकता है कि एक ट्रैक्टर ट्रेली भरकर नीम गिलोय लाई गई। गांव, शहर एवं आसपास के क्षेत्रों में, गली-गली में, बगीचों में, खेतों में तुलसी और नीम गिलोय की खोज हुई। जिलेभर के सैकड़ों कार्यकर्ता इस कार्य में जुटे और परिवार की महिलाओं ने भी अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता पर काढ़ा निर्माण के कार्य को लिया।

नेपाल और समुद्र पार सुदूर सिंगापुर तथा कुछ अमेरिकी राज्यों तक भी यह काढ़ा पहुँचा है।

सामग्री के एकत्रीकरण के बाद उसे सुखाना, सामूहिक रूप से मिलकर कूटना-बारीक करना, विभिन्न औषधियों का मिश्रण करना, उनके पैकेट बना कर स्टीकर लगाना। इस काम में सात-आठ वर्ष के बालकों से लेकर 65-70 वर्ष तक के बुजुर्गों ने भी अपनी

सेवा भारती के स्टॉल से काढ़ा पीते नागरिक

एक बहिन का संकल्प

जालोर शहर में फतेह कॉलोनी निवासी एक बहन भारती के पीहर में उनके भाई की कोरोना के कारण मृत्यु हो गई तो उस बहिन ने संकल्प लिया कि इस महामारी के कारण मैंने अपना भाई खोया है, मगर अब किसी और बहन को अपना भाई न खोना पड़े इसके लिये काम करूंगी। उन्होंने लगातार महीनों तक इस काढ़ा निर्माण के अभियान में अपना पूरा सहयोग दिया। वह दिन-रात सामग्री तैयार करना, सुखाना, कूटना, पाउच बनाना, पैकिंग करना, स्टीकर लगाना आदि इन सभी कार्यों में निरंतर सहयोग करती रही।

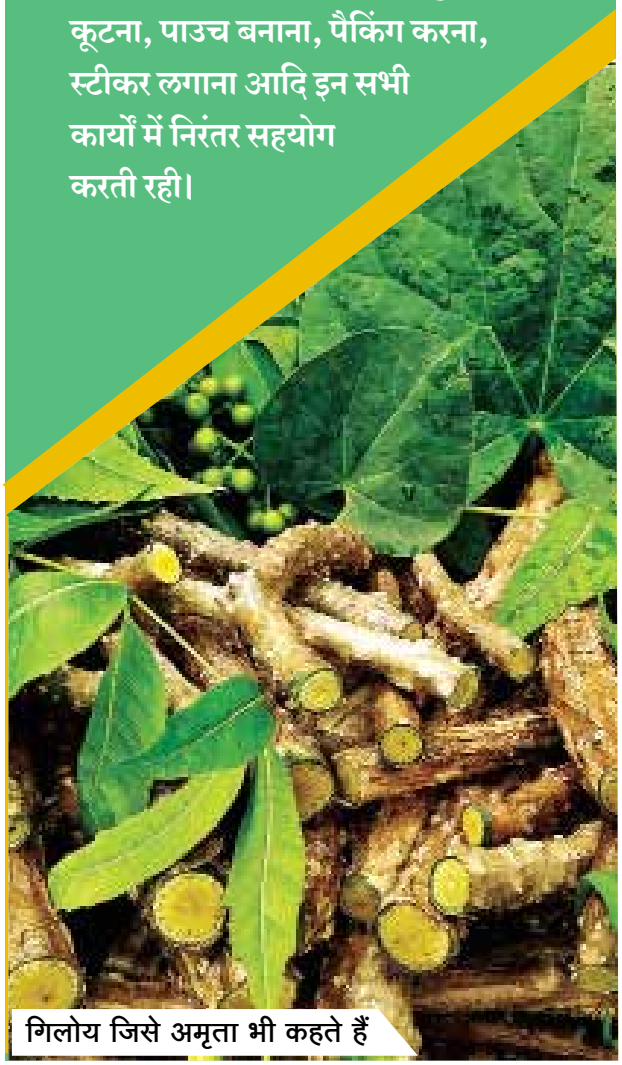

गिलोय जिसे अमृता भी कहते हैं

भूमिका का निर्वाह किया। कार्यकर्ताओं ने अपने-अपने घरों की छतों पर इन औषधियों को सुखाया और आसपास के परिवारों को जोड़ते हुए पैकेट तैयार किए।

एक तरफ इस आयुर्वेदिक सूखे काढ़े के पैकेट बांटे गये वहीं दूसरी तरफ बस्ती अनुसार भट्टियों पर बड़े-बड़े टोपिये चढ़ा कर पर्याप्त समय तक इस काढ़े के मिश्रण को उबालकर स्टील की बड़ी-बड़ी टंकियों में भरकर गांवों और शहरों में घर-घर तक कार्यकर्ता इस काढ़े को पिलाने के लिए पहुंचे। जिन बस्तियों में ज्यादा संक्रमण था, उन बस्तियों में लगातार सात दिन तक काढ़ा पिलाने का कार्य किया गया। इस आयुर्वेदिक काढ़े की लगभग अठारह लाख खुराक लोगों तक पहुंचाई गई। काढ़ा मिश्रण के 10 हजार से अधिक पैकेट बनाकर बांटे गये।

अपने व्यापार के लिए पुन: अपने कार्यस्थल लौटे प्रवासी अपने साथ में इन पैकेट्स को लेकर गए और इस प्रकार तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, केरल, कर्नाटक, महाराष्ट्र, गुजरात इत्यादि राज्यों तक जालोर का यह काढ़ा पहुंचा है। इतना ही नहीं, प्रवासियों के द्वारा नेपाल और समुद्र पार सुदूर सिंगापुर तथा कुछ अमेरिकी राज्यों तक भी यह काढ़ा पहुंच गया है।

With Best wishes for Seva visheshank ...

Pradeep Jangid
Mo.09414151570

BALAJI EXPORTS

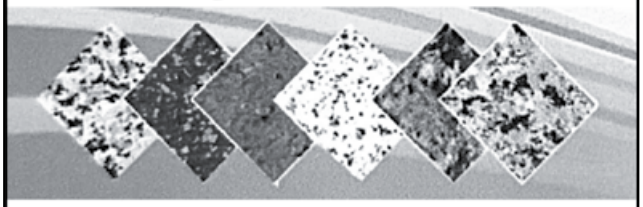

Mfg. of:
Lakha Red, Granite Slabs & Tiles

G-1,207 Riico Ind. Area
IIIrd Phase JALORE-343001 (Raj.)
balajiexpjalore@gmail.com

प्रभावी रही होम्योपैथी

जयपुर के होम्योपैथी चिकित्सकों ने होम्योपैथी से कोरोना का उपचार करने में सफलता प्राप्त की है। होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ. अशोक सोलंकी ने बताया कि कोविड के डेडिकेटेड सेन्टर आरयूएचएस (राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय) में कोरोना के 60 मरीजों को भर्ती कर होम्योपैथी दवा दी गई थी। वे सभी रोगी 2 से 14 दिन में ठीक होकर घर पहुंच गए।

ठीक होने वाले रोगियों में 44 प्रतिशत रोगी 2 से 5 दिन, 25 प्रतिशत रोगी 6 से 9 दिन व 31 प्रतिशत रोगी 10 से 14 दिन में ठीक हो गये। बताया गया कि राज्य सरकार की अनुमति पर ही आरयूएचएस में भर्ती रोगियों को लक्षणों के आधार पर आर्सेनिक एल्बम, ब्रायोनिया एल्बा और जेलसेमियम के काम्बिनेशन की दवा दी गई।

कोरोना के बचाव हेतु रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने आर्सेनिक एल्बम 200 दवा के उपयोग को प्रमाणित किया है। इस दवा की दो बूंद सप्ताह में एक बार खाली पेट लेने से कोरोना के लक्षण समाप्त होने के साथ ही रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है।

बाड़मेर में कार्यकर्ता सेनेटाइजर पैक करते

होम्योपैथिक किट वितरित

भारतीय अभ्युत्थान समिति एवं न्यास द्वारा संचालित सेवायाम प्रकल्प के माध्यम से जयपुर में कोरोना से बचाव के लिए होम्योपैथिक किट का वितरण किया गया।

इस अवसर पर संघ के क्षेत्र प्रचारक श्री निम्बाराम ने कहा कि शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में होम्योपैथिक दवा कारगर साबित हुई है। समाज के वंचित व अभावग्रस्त लोगों को कोरोना से बचाव के लिए स्वयंसेवकों द्वारा सेवा बस्तियों में इस दवा के किट बड़ी मात्रा में अनवरत वितरण किए गये।

सेवा बस्ती सेक्टर 42 में सेवा प्रमुख के नेतृत्व में स्वयंसेवकों ने 150 परिवारों में 700 लोगों के लिये होम्योपैथी दवा का वितरण किया।

सीकर जिले के कई स्थानों पर सैकड़ों स्वयंसेवकों ने 20 दिनों तक निरन्तर इस होम्योपैथी दवा का 15 हजार से अधिक परिवारों में नि:शुल्क वितरण किया ।

चूरू जिले के रतनगढ़ में 386 गांवों के 3 हजार 800 लोगों को भी होम्योपैथी दवा दी गयी।

जयपुर रेलवे स्टेशन पर वेंडर और ट्रेनों में सफाई का काम करने वाले ठेका सफाईकर्मियों व कर्मचारियों को भी यह दवा वितरित की गई । ■

दुपहिया, हल्का, भारी वाहन (HTV), का ड्राइविंग लर्निंग लाइसेंस बनवाएं

राजस्थान सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त

KM Driving School

Address: 111, Saras Circle,
Bird Sanctuary Road Bharatpur, Rajasthan
Contact: 05644-294400 , 9152285460
Website: www.kmdrivingschool.com

दीपावली की हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

प्रेमसिंह आर्य

जिला संरक्षक,
भाजपा एससी मोर्चा, भरतपुर (राज.)
मो. 8258459197

123, दीनदयाल नगर, भरतपुर 321001

श्री सोनाणा खेतलाजी जूनी धाम (पाट स्थान)

सोनाणा , पो. देसूरी, जिला-पाली (राज.)

राजस्थान के पाली जिले की देसूरी तहसील में अरावली की गोद में श्री सोनाणा खेतलाजी जूनी धाम तपोभुमि और कलयुग के चमत्कारी देव शिवजी के रूद्र अवतार श्री सोनाणा खेतलाजी (भैरूजी) का लगभग 1000 वर्ष पुराना भव्य मन्दिर आया हुआ है भक्त शिरोमणी स्व. श्री ओंकारमलजी भण्डारी की प्रेणा से संरक्षक श्री अमित कुमार भण्डारी व अध्यक्ष मुकेशसिंह राजपुरोहित के सान्धिय में कोरोना काल (कोविड़-19) में बाली विधानसभा में जन हित व प्रशासन के सहयोग में अतुल्य सेवाएँ दी गई। पाली जिले के देसूरी उपखण्ड का कोविड़ केयर सेन्टर जूनी धाम खेतलाजी गेस्ट हाऊस में स्थापित किया । जिसमें 431 पोजिटीव मरीजो को लाया गया जनके लिए रहना खाना चाय पानी नास्ता आयुर्वेदिक काडा व तमाम सेवाएँ ट्रस्ट की तरफ से नि:शुल्क उपलब्ध करवाई गई

- 16000 राशन सामग्री के पैकेट वितरण
- 1 टोली प्रतिदिन हरा चारा गायो के लिए
- 8000 लिटर सोडियम हाइपोक्लोराइड
- 4000 सेनिटाईज बोटल
- 15 नोन कोनटेक थर्मामीटर
- आना पंचायत के जरूरत मंद लोगो को दवाई
- कुत्तो को रोटी प्रतिदिन
- 50 फेस सिलड मास्क
- 100 कार सेनिटाईजर बोटल
- 25 पी.पी किट वितरण
- 25000 मास्क वितरण
- आना पंचायत में मुक्त एम्बुलेन्स सेवा
- 150 pcs. kn 95 मास्क वितरण
- आइसोलेट मरीजों को मुक्त में खाने व रहने की सुविधा
- गेस्ट हाऊस में गांव के कोरंटाइन लोगो को मुक्त में खाने व रहने की सुविधा

अमित भण्डारी
सरंक्षक

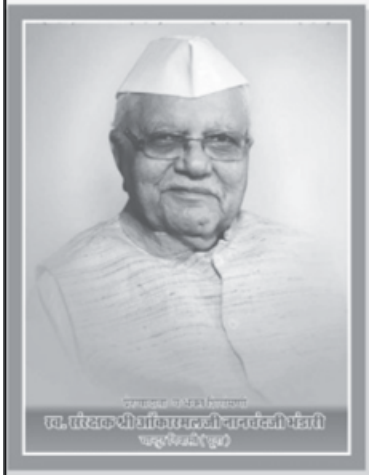

मुकेशसिंह रापुरोहित
अध्यक्ष

राजुवन गोस्वामी
कोषाध्यक्ष

वेलाराम मेघवाल
सचिव

श्री सोनाणा खेतलाजी जूनी धाम ट्रस्ट कमेटी सोनाणा, तह. देसूरी, जिला-पाली एवं समस्त ग्रामवासी गांव सोनाणा

भोजन पैकेट्स 5.13 लाख | राशन किट 52.9 हजार | मास्क 32 हजार | सेनेटाइजर 9.7 हजार | काढ़ा 11.1 हजार परिवार

घुमन्तु समुदाय तक सेवा कार्यों की पहुँच

रामस्वरूप अग्रवाल

बंदर-भालू का खेल दिखाने वाले मदारी व कलंदर, बीन की धुन पर सांपों को नचाते सपेरे, चाकू-कैंची को धार लगाने वाले सिकलीगर, कालबेलिये, गाड़िया लुहार, रेबारी, नट, बन्जारे, भाट, बाजीगर, जादूगर, नहर बनाने में माहिर ओढ़, केवट, बहेलिये, कंजर, सांसी, पारधी आदि लगभग 1800 घुमन्तु जातियाँ कभी समाज की विभिन्न आवश्यकताओं को पूरा करती हुई सम्मानजनक जीवन जी रही थीं। लेकिन अनेक कारणों से इनके परम्परागत कार्य-व्यवसाय बंद हो गये। आज यह समुदाय भारत में सबसे ज्यादा पिछड़ा हुआ है।

आज भी सड़क किनारे तम्बू लगाकर या अस्थायी घरों में रहना इनमें से अधिकांश लोगों की नियति बनी हुई है। इस समुदाय की स्थिति 'रोज कमाओ, रोज खाओ' वाली रहती है।

लॉकडाउन में इनके लिये अपना

जीवन यापन करने की भारी समस्या पैदा हो गयी थी। ऐसी स्थिति में इनकी सहायता व सहयोग करने के लिये संघ तथा उसके समविचारी संगठन यथा सेवा भारती, विद्या भारती, वनवासी कल्याण परिषद, लघु उद्योग भारती, विश्व हिन्दू परिषद आदि सहित समाज की विभिन्न सेवा भावी संस्थाएं एवं संगठन आगे आये।

राजस्थान में नवगठित 'घुमन्तु जाति उत्थान न्यास' आरंभ से ही घुमन्तु समुदाय की सेवा करने में लगा हुआ था। इस न्यास ने अन्य सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से बड़ी संख्या में घुमन्तु समुदाय के छोटे बच्चों को संस्कारित करने एवं प्रारंभिक शिक्षा देने के लिये 'बाल संस्कार केन्द्र' चलाये हुए हैं। इन बाल संस्कार केन्द्रों में छोटे बच्चों को स्वास्थ्य, साफ-सफाई तथा देश, समाज, धर्म के संस्कार देने का कार्य होता है।

योगक्षेम व्यवस्था

लॉकडाउन काल में राजस्थान में घुमन्तु परिवारों की बस्तियों व उनके तम्बुओं में जाकर 5 लाख 13 हजार से ज्यादा भोजन पैकेट्स बांटे गये। भोजन पैकेट्स के अलावा 8-10 दिनों के लिये पर्याप्त हो ऐसा राशन भी उन्हें पहुँचाया गया। इस हेतु बनाये गये किट्स में आवश्यक आटा, दाल, चावल, तेल, शक्कर, नमक, मसाले, चायपत्ती, दूध पाउडर, साबुन टिकिया आदि सामग्री रखी गयी। राजस्थान में लगभग 53 हजार राशन किट वितरित किये गए।

घुमन्तु बन्धुओं द्वारा पड़ौसी गांव की सहायता

सांगानेर (जयपुर) तहसील के गांव मुड़ियारामसर में बंजारा समाज की बस्ती है तथा उनके निकट में घुमन्तु समुदाय के ही भोपा समाज के लोग रहते हैं। भोपा समाज में आर्थिक अभाव के कारण भोजन की व्यवस्था डगमगाने लगी थी। लॉकडाउन के कारण रोजी-रोटी कमाने का ठिकाना भी दिखाई नहीं दे रहा था। जब यह जानकारी मुड़ियारामसर के बंजारों तक पहुँची तो सभी ने मिलकर कुछ धन-राशि एकत्र की। आर्थिक स्थिति उनकी भी अच्छी नहीं थी, परन्तु भारतीय संस्कारों के कारण उन्हें यह गवारा नहीं था कि उनके पड़ौस में लोग भूखे रहें। अतः जो भी कुछ अतिरिक्त धन था, उसे इकट्ठा कर पन्द्रह राशन-किट बनाये गये। प्रत्येक राशन-किट में 10-12 दिनों के लिये पर्याप्त आटा, दाल, नमक, मसाले आदि की व्यवस्था की गयी थी। ये राशन-किट उन्होंने पड़ौसी भोपा परिवारों तक पहुँचाए। हमारे पास दो रोटी है तो एक रोटी भूखे पड़ौसी के लिए होगी।

बचाव व रोग-प्रतिरोधक क्षमता हेतु

यह सन्तोष की बात है कि घुमन्तु समुदाय में कोरोना का प्रकोप न्यूनतम ही हुआ है। सम्भवतः इसके पीछे

कृतज्ञ हैं हम आपकी सेवा करके

जयपुर प्रांत कार्यवाह एवं प्रचारक मास्क वितरित करते हुए

संघ के स्वयंसेवकों व अन्य संस्थाओं के कार्यकर्ताओं द्वारा उनमें कोरोना से बचाव हेतु बड़ी मात्रा में वितरित किये गये मास्क, सैनेटाइजर्स, काढ़ा आदि की भूमिका भी है। राजस्थान क्षेत्र में 32 हजार से ज्यादा मास्क तथा लगभग 10 हजार सैनेटाइजर्स घुमन्तु परिवारों को उपलब्ध कराए गए। इनके अलावा रोग-प्रतिरोधक क्षमता की वृद्धि हेतु ग्यारह हजार से अधिक परिवारों को आयुर्वेदिक काढ़ा पिलाया गया तथा अनेक स्थानों पर होम्योपैथिक दवा भी वितरित की गई।

पहचान पत्र

घुमन्तु समुदाय की पहचान का संकट भी गहरा है। उनमें से अधिकांश के पास न आधार कार्ड है और न ही मतदाता कार्ड या अन्य कोई पहचान पत्र। संघ के स्वयंसेवकों का ध्यान इस ओर गया। उन्होंने पहचान पत्र बनवाने में सहयोग किया। राजस्थान के चूरू में घुमन्तु लोगों का आधार व श्रमिक कार्ड बनवाया गया। जयपुर में इस समुदाय के लोगों के बैंक में जनधन खाते खुलवाये गए।

संकट में सहायता

राजस्थान के सीकर जिले के खुड़ी गांव में आगजनी से घुमन्तु बस्ती के 6 परिवारों की झोपड़ियाँ जल गयी थीं। इन परिवारों को पुनः बसाने के लिये उन्हें तिरपाल एवं बल्लियां देकर उनके मकान पुनः बनवाने में सहयोग किया गया।

शव घर पहुँचाने के लिए एम्बुलेंस व्यवस्था

बाड़मेर जिले में स्थित एक गांव के जोगी घुमन्तु परिवार के एक व्यक्ति की मृत्यु असाध्य बीमारी के चलते जोधपुर के चिकित्सालय में हो गयी। परिजन शव को गांव लाने की व्यवस्था नहीं कर पा रहे थे। बहुत परेशान थे कि क्या करें, निराश भी थे। संघ के कार्यकर्ताओं को जब इसकी जानकारी मिली तो उन्होंने एम्बुलेंस की व्यवस्था कर शव को गांव में पहुँचाया।

बेटी का विवाह

भरतपुर जिले के सीकरी कस्बे में एक गाड़िया लुहार परिवार की बेटी का विवाह तय हो गया था, परन्तु कोरोना के कारण परिवार के सामने आर्थिक संकट था। विवाह की सारी व्यवस्था कैसे की जाये? शंखनाद फाउन्डेशन संस्था तथा समाज के सहयोग से विवाह की सभी व्यवस्थाएं की गयीं। विवाह उस समाज की परम्पराओं का पालन करते हुए उल्लासमय वातावरण में सम्पन्न हुआ। नव-गृहस्थी के लिये आवश्यक सामान की व्यवस्था भी सभी के सहयोग से की गई।

स्वरोजगार व्यवस्था

राजस्थान के अलवर जिले में घुमन्तु समुदाय के लोगों को अपने पैरों पर खड़ा करने के भाव से सब्जी बेचने हेतु उपयोगी ठेलों की व्यवस्था कर उन्हें दिए गए। इस कारण अनेक बन्धुओं को परिवार के लिए कमाने का अवसर मिला। अलवर में ही कंजर समाज के लोगों को मूर्ति बनाना सिखाने की व्यवस्था की गयी।

नीड़ का निर्माण फिर से

सीकर जिले की लक्ष्मणगढ़ तहसील से गुजरते राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 52 पर स्थित 'खुड़ी बड़ी' नामक गांव। गांव के बाहर कच्चे मकानों में बसी हुई एक बंजारा बस्ती।

मई महीने की झुलसा देने वाली गर्मी की दुपहरी, ऊपर से सांय-सांय करती धूल भरी लू। मानव तो क्या, दूर-दूर तक किसी भी जीव-जन्तु के दर्शन दुर्लभ हो रहे थे । केवल राजमार्ग पर दौड़ते वाहनों की आवाजें सुनाई दे रही थीं ।

राधा बणजारी अपनी कच्ची रसोई में मिट्टी के चूल्हे पर चाय बना रही थी। अचानक हवा का एक तेज झोंका आया। पलक झपकते ही झोंपड़ी के अंदर आग की लपटें सरपट दौड़ने लगीं । राधा को कुछ समझ में आता तब तक झोपड़ी आग के गोले में बदल गई।

राधा की चीख-पुकार सुनकर कुछ लोग भाग कर आए। आग की ऊँची लपटें दूसरे घरों की ओर बढ़ रही थीं।

कुछ हिम्मत वाले युवाओं ने बंधे हुए मवेशियों की रस्सियाँ खोल कर भगाया ही था कि आग की लपटों ने अपना तांडव दिखाते हुए तेज हवा के कन्धों पर सवार होकर आसपास के सभी घरों को पलक झपकते ही भस्म कर दिया।

बालक-महिलाएं सब रोते हुए दूर खड़े, धू-धू कर जलते हुए अपने आशियानों को देख रहे थे। कुछ युवक बाल्टियों से पानी डालकर आग बुझाने का असफल प्रयत्न कर रहे थे। जब सब कुछ जल कर राख हो गया तब आग धीरे-धीरे कमजोर पड़ने लगी। पीछे धुआँ रह गया था। कुल छः घर जल कर राख हो चुके थे ।

अनाज, कपड़े, गहने, नकदी नोट, बर्तन, बाइक सब कुछ जल कर नष्ट हो गया । पुलिस एवं प्रशासन आया। बड़े अफसर आए । मौका देखा और चले गये, जले हुए पर मरहम लगा कर ।

ग्रामवासी आए, अनाज आदि आवश्यक जीवनोपयोगी राशन सामग्री पीड़ितों को देकर उन्होंने अपनी संवेदनाओं का परिचय दिया।

संघ के कार्यकर्ताओं को भी इस भीषण आपदा की जानकारी मिली। वे भी मौके पर पहुंचे और आग के भयानक तांडव के अवशेष देखे, पीड़ितों से मिलकर उनके दुःख-दर्द को सुना और समझा। उनकी मुख्य आवश्यकता छत थी, क्योंकि अब इन छः परिवारों की छत नीला आसमान ही थी।

संघ के कार्यकर्ताओं ने एक-एक अस्थाई मकान प्रत्येक परिवार को मिले ऐसी योजना बनाई। समाज से सहयोग लेकर सभी छः परिवारों को एक अच्छी श्रेणी का तिरपाल और 3-3 बल्लियों का सेट भेंट कर सन्तोष का अनुभव किया।

कुछ दिन बाद तने हुए तिरपाल के घरों से बच्चों की गूँजती किलकारियाँ सुनाई दे रही थीं।

कोरोना काल में घुमन्तु समुदाय की सेवा हेतु राजस्थान के सभी 33 जिलों में संघ कार्यकर्ता गए। इन जिलों की 1664 घुमन्तु बस्तियों के 33 हजार 622 परिवारों से कार्यकर्ताओं का सम्पर्क हुआ। इस कार्य में 4846 कार्यकर्त्ता लगे रहे।

संघ व उसके समविचारी संगठनों के अलावा शंखनाद फाउन्डेशन संस्था, श्री कानिफनाथ सेवा संस्थान, राजसमन्द तथा मनन सेवा संस्थान, अलवर का भी विशेष सहयोग रहा।

सोलर लाइट व्यवस्था

श्री भैरवदत्त खेतान चेरिटेबल ट्रस्ट के

काढ़ा पैकेट वितरण करते कार्यकर्ता

सहयोग से दातारामगढ़ (जिला सीकर) में रह रहे 30 घुमन्तु परिवारों के अस्थायी घरों में सोलर लाइट उपलब्ध करायी गयी।

सांसी परिवार द्वारा भी सहयोग

सीकर जिले के दांतारामगढ़ में रह रहे एक घुमन्तु सांसी परिवार ने भी अपनी ओर से तेरह हजार रुपयों का सहयोग भोजन वितरण कार्य हेतु दिया।

हरियाणा में घुमन्तु सेवा कार्य

घुमन्तु परिवारों का जीवन फुटपाथ से शुरू होकर मलिन बस्तियों तक सिमट जाता है। ऐसे लोगों का जीवन-स्तर सुधारने के लिये हरियाणा राज्य में गठित 'विमुक्त-घुमन्तु जनजाति कल्याण संघ' सदैव से प्रयासरत रहा है।

लॉकडाउन के दौरान घुमन्तु बन्धुओं के लिये कल्याण संघ ने 23 मार्च से ही सेवा कार्य प्रारंभ कर दिया था।

अब तक हरियाणा की 174 बस्तियों में रहने वाले 15 हजार परिवारों के 70 हजार सदस्यों के लिये सूखे राशन और भोजन की व्यवस्था संघ ने की है। इस कार्य में संघ के लगभग 300 कार्यकर्ता दिन-रात लगे हुए थे। कार्यकर्ता घुमन्तु बस्तियों में जाकर उनको सामाजिक दूरी तथा साफ-सफाई का महत्व भी समझाते थे।

फंसे यात्रियों की व्यवस्था

हरियाणा में कार्यरत घुमन्तु कल्याण संघ को जानकारी मिली थी कि महाराष्ट्र के अमरावती में रहने वाले घुमन्तु समाज के 36 परिवारों के 225 लोग फरीदाबाद में फंसे हुए हैं। कल्याण संघ ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सहयोग से इन सभी के लिए भोजन की व्यवस्था की।

पशुपालकों को सहयोग

राजस्थान के घुमन्तु-पशुपालक अपनी गायों व भेड़ों को लेकर हरियाणा तक तथा उससे आगे भी जाते हैं। लॉकडाउन के दौरान इन लोगों के लिये भोजन-पानी की समस्या उत्पन्न हो गयी थी। हरियाणा में फंसे ऐसे पशुपालकों की सूचना मिलने पर 'कल्याण संघ' द्वारा गाय-भेड़ों के चारे-पानी के साथ ही पशुपालकों के लिये भोजन की भी व्यवस्था की गई।

जिला चरखी-दादरी के गांव भागी में राजस्थान की 500 गायों तथा उनकी देखभाल में लगे 50 लोगों के भोजन, पानी व उनके रहने की व्यवस्था की गयी।

महेन्द्रगढ़ जिले के गांव कोरंडी में 800 गायों के चारे-पानी की व्यवस्था की गयी। इसी प्रकार से रेवाड़ी जिले के गांव निशान में 1250 गायों एवं 35 आदमियों के लिये भोजन एवं पानी उपलब्ध कराया गया। गांव नान्दा के पास 400 भेड़ों तथा गांव झज्जर में 500 गायों को लेकर पशुपालक घुमन्तु बन्धु रुके हुए थे। इन सभी के लिए भोजन-पानी व गाय-भेड़ों के लिए भी चारा-पानी की व्यवस्था कार्यकर्ताओं द्वारा की गयी। ■

सुखमय , शिक्षित, समरस-जीवन, हर व्यक्ति का हो सम्मान

मो.94141 69236
02942486236

अर्जुन जैन
हजारी जैन

SUPER PARAS Product

मै. पारस ब्रदर्स

उत्पादनकर्ता : सुपर पारस प्रोडक्ट

नूडल्स, गेहूँ आटा, मक्की आटा, बाकी आटा गेहूँ, दलिया, मक्की दलिया, बेसन, हल्दी, मिर्ची एवं धनिया पाउडर के निर्माता व विक्रेता

पता- 42 ए , मंडी यार्ड ,गेट -1, उदयपुर

श्याम सुन्दर साहू की ओर से
'सेवा विशेषांक' प्रकाशन एवं
दीपावली की
हार्दिक शुभकामनाएं

106, कृष्णा कालोनी, आरा मशीन की गली, हनुमान ट्यूबवेल के पास, सांगानेर, जयपुर, मो. 9351956734

श्रीराम जी
जय गोमाता
जय गोपाल

गोमाता बचाओ- पेड़ लगाओ

जयपुर में गौकाष्ट से निशुल्क अंत्येष्ठि करवाने के लिए सम्पर्क करें।

कार्यालय : 9414780070

बालाजी जेम्स : 9414807274 (गोपाल विजय)

Offi : 220054 Resi : 220143

AGARWAL TRADING COMPANY

- J.K. Cement Works, Nimbahera (Raj.)
- Chambel Fertizers & Chemicals Ltd.
- Reliance Petroleum Ltd. Jaipur
- J.K. White Cement Works, Goatan (Raj)
- Gujrat Narmada Valley Fertizers Co. Bharuch

Near Bank of Baroda, Bazaria, Sawai Madhopur-322001
Ph.07462-220198, 220482(O), 220143 (R)
E-mail ; atc.skg@gmail.com

भामाशाह बने गाड़िया लुहार

Narendra Modi
narendramodi

अद्भुत और प्रेरक मिसाल!

विषम परिस्थितियों में गाड़ोलिया समाज द्वारा किए जा रहे ये नेक कार्य हर भारतवासी को प्रेरित करने वाले हैं।

रविन्द्र कुमार जाजू

रेडजोन घोषित भीलवाड़ा में कर्फ्यू लगा हुआ था। भीलवाड़ा के चंद्रशेखर आजाद नगर के निकट ही गाड़िया लुहारों की बस्ती थी। गाड़िया लुहारों का कोई एक निश्चित ठिकाना नहीं होता, उनकी बैलगाड़ी ही उनका घर होता है। कुछ दिन एक स्थान पर रहकर वे अगले ठौर की ओर चल देते हैं। प्रतिदिन मेहनत करके कमाने वाले इन लुहारों के पास अब कहीं कोई काम नहीं था। परिवार के स्त्री, पुरूष, बच्चों के लालन-पालन की विकट समस्या उत्पन्न हो गयी थी। ऐसे में जरूरतमंदों तक प्रतिदिन भोजन सामग्री पहुँचा रहे स्वयंसेवक गाड़िया लुहारों की बस्ती में भी पहुँचे। जब वे उन गाड़िया लुहारों को खाद्य सामग्री, राशन इत्यादि के पैकिट देने लगे तो उन्होंने लेने से मना कर दिया और कहने लगे *''इस संकट की घड़ी में हम तो स्वयं ही दूसरों की मदद करना चाहते हैं।''* रोज औजार बनाकर पेट पालने वाले जिन लुहारों के पास उदरपूर्ति का कोई साधन अब नहीं रह गया था, वे सहायता करने की बात कह रहे हैं, यह सुनकर सभी को आश्चर्य हुआ। कार्यकर्ताओं के मनोभाव को भाँपकर एक वृद्ध लुहार बोला *''बाबूजी, हमारे पास चार रोटी भी हो तो उसमें से दो रोटी पर उनका अधिकार है जिन्हें उसकी अधिक आवश्यकता है। हमारे सम्राट महाराणा प्रताप ने मातृभूमि की रक्षा के लिए महल, आभूषण, शाही वस्त्र और सभी सुविधाओं का त्याग कर दिया था तो आज हमारे राष्ट्र पर आयी इस*

विपदा की घड़ी में अपने देशवासियों की सेवा करना हमारा भी तो कर्त्तव्य है।'' दूसरे लुहार ने उनकी बात का समर्थन करते हुए कहा *''आपने म्हांकी मदद की जरूत नीं पड़ेली भाईजी, अबै तो म्है सगळा मिलकर मदद करांला।''* महाराणा प्रताप की प्रतिज्ञा से बंधकर बिना घर बनाये स्थान-स्थान पर घूमने वाले इन लुहारों का त्याग और समर्पण का यह भाव देखकर सभी स्वयंसेवकों का मन उनके प्रति श्रद्धा से भर गया।

दूसरे दिन लुहार बस्ती में एक बैठक हुई। जिस लुहार भाई के पास जो कुछ भी अतिरिक्त धन था खुले मन से सहयोगार्थ दे दिया और छोटी-छोटी राशि एकत्र करते हुए शीघ्र ही 51,000 रूपये की बड़ी राशि बन गयी।

गाड़िया लुहारों की इस उदारता का समाचार जब हरि शेवा धाम के महंत पूज्य महामण्डलेश्वर हंसराम जी उदासी तक पहुँचा तो उन्होंने कहा, *''ऐसे लोग अभिनन्दन के पात्र हैं। मैं स्वयं उनकी बस्ती में जाऊँगा।''*

उस दिन बस्ती में सचमुच उत्सव का सा माहौल था। स्त्री, पुरूष, वृद्ध और बच्चे सभी प्रसन्न मुद्रा में चहक रहे थे। अपनी जमा पूँजी को देने की कोई शिकन उनके चेहरों पर नहीं दिख रही थी, वरन् उनके चेहरे तो सेवा कर्त्तव्य पूर्ति के उल्लास से दमक रहे थे। कोरोना महामारी के भय ने सभी के मुँह भले ही मास्क और गमछों से ढाँप दिये हों, वे चाहे परस्पर हाथ न मिला पा रहे हों, एक-दूसरे से दूर-दूर ही खड़े हों, लेकिन उनके मन की उमंग और उल्लास सम्पूर्ण वातावरण को हर्षित कर रही थी। पूज्य महाराज जी ने रुद्राक्ष की माला पहनाकर सभी का अभिनंदन किया।

लगभग 70 वर्ष की अम्मा देऊ बाई कहने लगी *''ई बीमारी नै दूर करो रामजी, ई कोरोना नै परो छेटी करज्यो, म्हाका मोदीजी ज्यां करै म्है भी मदद करस्यां, म्हारा देस पै करपा करज्यो रामजी....।''* प्रौढ़ भँवरी बाई गर्व से हाथ उठाकर बोली - *''हम राणा परताप के वंशज हैं, जित्ती होगी सबकी मदद करेंगे, कभी पीछे नहीं हटेंगे।''* और बूढ़े बाबा सबको सीख भी दे रहे थे *''पण ध्यान राखजो, घरां से बारणै नीं निकळनों, खोटी बीमारी आयी है रामजी।''* युवा कैलास जोश से बोला *''दो रोटी मिली तो एक ही खाएंगे, एक अपने भाई को खिलाएंगे, राणा के सैनिक हैं अपना फर्ज निभाएंगे।''*

> **बस्ती में उत्सव का सा माहौल था। स्त्री, पुरूष, वृद्ध और बच्चे सभी प्रसन्न मुद्रा में चहक रहे थे।**

प्रधानमंत्री मोदी जी को जब इस घटना की जानकारी हुई तो उन्होंने ट्वीट कर गाड़िया लुहारों के कार्य को प्रेरक बताया। ■

जीव मात्र का भी हो कल्याण

जयपुर में सेवा–भारती महिला मंडल द्वारा अप्रैल–मई के प्रारंभ में गर्मी को देखते हुए पक्षियों हेतु दाना–पानी की व्यवस्था की गई।

विद्याधर नगर में कबूतरों को दाना डालते बजरंगी

पेड़–पौधों, पशु–पक्षियों सहित जीव मात्र के प्रति दया व कृतज्ञता का भाव भारतीय संस्कृति का अभिन्न अंग है। भगवान बुद्ध ने जिस पेड़ के नीचे बैठकर साधना की थी, साधना के अन्त में उन्होंने उस पेड़ को नमन किया, उसके प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। प्रेम में मगन क्रोंच पक्षी के जोड़े पर जब शिकारी ने तीर चलाया तो आदिकवि वाल्मीकि के मन में उत्पन्न करुणा के कारण उनके मुख से संस्कृत का प्रथम श्लोक प्रस्फुटित हुआ। सम्भवतः यही विश्व के प्रथम महाकाव्य की शुरूआत थी।

लॉकडाउन में सब कुछ तो ठहर सा गया था। मंदिर का प्रांगण जहां पक्षियों के लिए दाना डाला जाता था, अब वहाँ कोई नहीं पहुँच रहा था। धार्मिक स्थानों और रास्तों पर बन्दरों को केले खिलाने, तालाब में मछलियों को चने डालने कोई जा भी कैसे सकता था। मनुष्यों के साथ ही मूक पशु–पक्षियों के लिए भी आहार की समस्या उत्पन्न हो गयी थी। अनेक धार्मिक–सामाजिक संस्थाओं/व्यक्तियों के साथ ही स्वयंसेवकों का ध्यान इन भूखे–प्यासे पशु–पक्षियों की तरफ गया।

जयपुर में सेवा–भारती महिला मंडल द्वारा अप्रैल–मई के प्रारंभ में गर्मी को देखते हुए पक्षियों हेतु दाना–पानी की व्यवस्था की गई। पक्षियों के लिए जल हेतु बड़े पैमाने पर परिंडे लगाने का शुभारंभ किया गया। आसपास बेसहारा घूमने वाले कुत्तों व अन्य पशुओं के लिए नियमित रूप से चपाती व अन्य खाद्य सामग्री देना जारी रखा गया।

वानरों को भी आहार

लाडनूं के ग्राम निम्बी जोधा तथा पाली के बुंटिवास गांव में स्वयंसेवक बेसहारा गौवंश के लिए गाँव की गलियों में जाकर चारा वितरण करते रहे।

कोटपूतली में पशुओं के लिए एक हजार किलो सब्जी डाली गयी। मछलियों को जिंदा रखने के लिए चार टैंकर पानी डलवाया गया।

विद्या भारती द्वारा राजस्थान में 4,506 पशुओं को चारा व अन्य पशु आहार दिया गया। कुचामन सिटी में महावीर इंटरनेशनल युवा केन्द्र द्वारा

बजरंग दल बना मूक प्राणियों का संबल

जयपुर के विद्याधर नगर में प्रत्येक चौराहे पर कबूतर बहुतायत से रहते हैं। लोग नित्य उनको दाना-पानी डालते रहते थे। लॉकडाउन के संकट में उनके लिये दाना-पानी नहीं पहुंचा तो एक-एक कर कबूतर अचानक अचेत होकर गिरने लगे। बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने जब यह दृश्य देखा तो अपने वरिष्ठ साथी विक्रम को फोन किया। विक्रम ने उन्हें कहा कि अभी तो 2-3 किलो अनाज खरीद कर पक्षियों को डालिए। पक्षी दाना चुगने के लिए एक के ऊपर एक गिर रहे थे उसका वीडियो बनाकर अपने साथियों को वायरल किया। इसे देखकर अन्य बजरंगियों के मन में टीस उठी।

कार्यकर्ताओं ने 4 बोरी अनाज खरीदा और अलग-अलग चौराहों पर जाकर दाना डालने लगे। अनाज की व्यवस्था के साथ ही पीने के पानी की व्यवस्था के लिऐ एक बजरंगी ने अपनी गाड़ी उपयोग हेतु दी। उस वाहन में प्रतिदिन पानी भरकर पानी के पात्रों में सुबह-शाम भरने लगे।

पक्षियों की भूख मिटी तो कुत्तों पर इन कार्यकर्ताओं की दृष्टि गई। उनके लिए कुछ बिस्किट के पैकेट खरीदे पर कुत्ते बिस्किट नहीं खा रहे थे। नित्य दूध और चावल की खीर बनाई जाने लगी और कुत्तों को परोसी जाने लगी।

कार्यकर्ताओं का ध्येय था, कोई प्राणी भूखा नहीं रहे, इसलिए चीटियों के लिए 100 किलो आटे की व्यवस्था की गई। शहर के पहाड़ी क्षेत्र में सप्ताह में 2 दिन बंदरों के लिए केले, पूरी और वहां जो अन्य पशु घूमते दिखाई देते थे उनके लिए चारा लेकर ये कार्यकर्ता जाने लगे।

60 लोगों की टोली पशु-पक्षियों की सेवा में लगी। 43 दिनों में 129 क्विंटल अनाज, 1 लाख 32 हजार लीटर पानी, 650 किलो आटा, 6192 बिस्कुट पैकैट, 86 लीटर दूध, 450 किलो चावल तथा 240 किलो चारा पक्षियों तक पहुंचाया। वास्तव में हर प्राणी की सेवा यह हिंदू विचार, भारत का विचार उनके लिए प्रेरणा बना।

पक्षियों के पानी की व्यवस्था

प्रतिदिन गायों को चारा डाला गया।

दक्षिण पूर्वी राजस्थान में सैंकड़ों गांव-शहरों में स्वयंसेवकों द्वारा पक्षियों के पानी हेतु सैंतीस हजार सात सौ से अधिक परिंडे लगाये गये।

शिक्षक संघ द्वारा लगाए परिंडे

राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय उपशाखा चाकसू ने पक्षियों के निमित्त वृक्षों पर 251 परिंडे लगाए। परिंडों के साथ ही चुग्गे की भी व्यवस्था की गई।

श्वान की छोटी सी संतान की भी संभाल

सेवा भारती ने गायों के चारे के लिए बनाए ठाणे

सरदार शहर में सेवा भारती समिति की ओर से लॉकडाउन अवधि में चौधरियों के कुएं के पास स्थित नंदीश्वर चौक पर गायों के चारे के लिए बनाए गए 60 फीट लम्बे ठाण (चारा पात्र) का लोकर्पण किया गया। नंदीश्वर समिति ने सेवा भारती से ठाण बनाने का आग्रह किया था। गायों को हरा चारा व गुड़ खिलाकर ठाण का लोकार्पण किया गया।

अनुकरणीय गाथा

स्वयंसेवकों ने मिलकर तालाब से निकाली मिट्टी

जयपुर जिले के जमवारामगढ़ खंड का गांव है पाली, जिसमें युवा स्वयंसेवकों की अच्छी शाखा लगती है, जिसका नाम है चंद्रशेखर आजाद शाखा। तालाबन्दी में आवश्यकता के अनुसार सेवा के कार्य करते हुए शाखा के स्वयंसेवकों के मन में विचार आया कि अपने गांव से लगते हुए वन क्षेत्र में तलाई है उसमें कभी बहुत अच्छा पानी भरता था लेकिन समय के साथ उसमें मिट्टी भरने से पानी का भराव बंद हो गया है,क्यों न हम सब मिलकर इसमें से मिट्टी निकालने का कार्य करें। अगले दिन ही सब ने खुदाई का कार्य प्रारम्भ कर दिया। धीरे-धीरे स्वयंसेवकों के साथ गांव के अन्य युवक भी आ गये। गांव की सम्पूर्ण युवा शक्ति द्वारा जुटकर परिश्रम करने से महीने भर में ही पूरा तालाब 5 फीट गहरा हो गया जिसमें जल संग्रह हो सके और वन्य जीव एवं ग्राम में पशुओं को वर्षा का लाभ मिले।

जयपुर जिले के पाली गांव में भागीरथ प्रयास करते स्वयंसेवक तथा अन्य ग्रामीण

GIRDHARI YADAV
RAKESH YADAV
MAHIPAL YADAV

!! SHRI SAIBABA !!

GSTIN : 08AAAFY8251H1ZX
PAN No. : AAAFY8251H

Yadav Construction Company

Pachar Road, Kishangarh-Renwal, Jaipur - 303603 (Raj.)
"AA" Class Contractor (P.H.E.D. & IRRIGATION)
Mob. : 9829745527, 9829671999, 9982224444,
TeliFax : 01424-227562
Email : mahipalyadav895@gmail.com

आबाल वृद्धों की देखभाल

अशोक कुमार शर्मा

बच्चों एवं माता–बहिनों का संघ के स्वयंसेवकों ने लॉकडाउन के दौरान विशेष ध्यान रखा। अनेक स्थानों पर बच्चों के लिए दूध तथा बिस्किट्स की व्यवस्था की गई। कहीं–कहीं तो उन्हें चिप्स एवं कुरकुरे तक दिए गये।

भीलवाड़ा में ही गरीब परिवारों के बच्चों को कपड़े तथा जूते–चप्पल भी उपलब्ध कराये गये। गर्भवती महिलाओं के लिए भी अनेक स्थानों पर दूध–दलिये की व्यवस्था की गई। माता–बहिनों को सैनिटरी पैड्स भी वितरित किये गये।

अलवर के मानव सेवा संस्थान द्वारा 2 वर्ष से छोटे–बच्चों, गर्भवती महिलाओं, रोगी व वृद्धों के लिए दूध, फल व दवाइयों की व्यवस्था की गई। ऐसे 80 घरों में 45 दिनों तक 3 हजार 300 पैकेट दूध, दलिया और औषधियां पहुंचाने का कार्य इस संस्थान के कार्यकर्ताओं द्वारा किया गया।

बुजुर्गों के लिए कैसे- कैसे कार्य

बुजुर्गों के लिए तो घर पर रहते हुए भी लॉकडाउन अवधि में कई बार उनके सामने अनेक समस्याएं आती रहीं। स्वयंसेवकों को जब भी किसी बुजुर्ग के कष्ट की जानकारी हुई, वे सब काम छोड़ उनकी सेवा में लगे। प्रस्तुत है तीन प्रतिनिधि घटनाएं–

मेरे हैं अनेक पुत्र

देश में कोरोना की तालाबन्दी में जब जीवन ठहर गया था, सभी अपने घरों में जैसे कैद हो गये थे, तब जयपुर के मजदूर नगर निवासी एक वृद्ध दंपत्ति भी अन्य लोगों की तरह ही घर में बंद रह कर अपना जीवन व्यतीत कर रहे थे। उनका पुत्र शहर से बाहर गया हुआ था, लॉकडाउन के कारण वह वापस घर नहीं आ पा रहा था।

एक दिन अचानक उन वृद्ध दंपत्ति में से पत्नी की मृत्यु हो गई। वृद्ध पर तो संकटों का पहाड़ टूट पड़ा। एक तो लॉकडाउन की परिस्थितियां, ऊपर से निर्धनता की मार, पुत्र भी पास नहीं था। वह वृद्ध सज्जन पूर्ण रूप से टूट गए। उन्हें कुछ सूझ ही नहीं रहा था कि क्या करें, कैसे अपनी पत्नी के अंतिम संस्कार का प्रबंध करें।

उनके आस–पड़ोस में रहने वाले लोगों को जब इस अनहोनी की जानकारी मिली तो वे भी सोचने लगे कि क्या किया जाए। पड़ोसियों को ध्यान आया कि पास में संघ का एक स्वयंसेवक रहता है, वह अवश्य इसका कुछ मार्ग निकाल सकता है। पड़ोसियों ने स्वयंसेवक को इस दुखद घटना की सूचना दी।

जानकारी पाते ही स्वयंसेवक ने अपने नगर कार्यवाह को इसके बारे में बताया। नगर के स्वयंसेवक वृद्ध के घर पहुंचे। बुजुर्ग को ढाढ़स बंधाया और एक पुत्र के ही समान वृद्ध माता के अंतिम संस्कार का प्रबंध करने लगे ।

पूर्ण विधि–विधान से माँ का अंतिम संस्कार किया गया। स्वयंसेवकों की कर्तव्य निष्ठा देखकर, वृद्ध पिता के मुख से निकला, *''मेरा पुत्र नहीं पहुंच सका, लेकिन यहां पर मेरे अनेक पुत्र हैं।''*

स्वयंसेवकों ने की वृद्धाश्रम में सेवा

वृद्धजनों से कुशलक्षेम पूछते

जयपुर स्थित मानसरोवर के 'आत्मनिर्भर वृद्धाश्रम' में रह रहे बुजुर्गों का जीवन हंसी-खुशी चल रहा था। आश्रम संचालक अपने योगदान और मित्रों के सहयोग से बुजुर्ग लोगों की सेवा करते थे। इस काम में संघ के कुछ स्वयंसेवक भी आश्रम आकर यथायोग्य अपना सहयोग करते थे। लेकिन कोरोना के दौरान पूर्णबंदी से जैसे लोगों का जीवन रुक सा गया था।

आम लोगों की तरह वृद्धाश्रम के सामने भी दाने-पानी का संकट खड़ा हो गया। आश्रम संचालक टोली के संजय की आय बंद होने और बाहर से भी सहायता के रास्ते बंद होने के कारण आश्रम को चलाने और बुजुर्गों के पेट भरने का संकट खड़ा हो गया था। दिन बीतने के साथ ही आश्रम का रसोई भंडार तेजी से खाली हो रहा था। संजय के सामने बुजुर्गों के मायूस चेहरे थे।

तभी उन्हें उम्मीद जगी संघ के स्वयंसेवकों से। उन्होंने एक स्वयंसेवक लोकेंद्र को फोन कर आश्रम की सारी परिस्थितियां बतायी। लोकेंद्र ने बिना समय गंवाए उसी समय अपने वरिष्ठ कार्यकर्ताओं तक बात पहुँचायी।

फिर क्या था, हमेशा की तरह स्वयंसेवकों ने आगे की कार्यवाही तेजी से संपादित की और यह निर्धारित किया कि आश्रम में कोई भी व्यक्ति भूखा नहीं सोएगा।

मानसरोवर में स्वयंसेवकों की एक टोली तैयार की गई। गिरीश के नेतृत्व में यह टोली आश्रम पहुंची और वहां की आवश्यकताओं को समझा। टोली के कुछ सदस्य बाजार से राशन सामग्री लेकर आश्रम पहुंचे। आश्रमवासियों के लिए भोजन बनाकर जब उन्हें खिलाया गया, तो आश्रम के बुजुर्गों की आंखों में तृप्ति के भाव देखकर 'सेवा परमो धर्मः' की भावना से युक्त स्वयंसेवकों के मन में संतोष और खुशी का संचार होने लगा। फिर तो पूरी तालाबन्दी की अवधि में आश्रमवासियों की जिम्मेदारी स्वयंसेवकों ने अपने कंधों पर ले ली और उनके लिए भोजन की व्यवस्था संघ टोली का ध्येय बन गया।

आज भी स्वयंसेवक सहयोग और सेवा के लिए आश्रम जाते रहते हैं। आश्रम में स्वयंसेवकों को देखकर आश्रमवासियों के चेहरों पर मुस्कान खिल जाती है और हाथ आशीर्वाद के रूप में सहज ही उठ जाते हैं।

कोरोना पॉजिटिव की अस्थियाँ चुनी

एक मित्र की माताजी के निधन का दु:खद समाचार मिलने पर हम उसके घर गए। अगले ही दिन मित्र के पिताजी की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आने की सूचना मिली तो घर के सभी लोगों को चिकित्सा विभाग चरक भवन, एसएमएस अस्पताल, जयपुर ले गया।

मित्र के दादाजी के कहने पर मैं आदर्श नगर श्मशान घाट गया।

मित्र की माताजी की अस्थियाँ संचय कर लॉकर में रखवा कर आया। जब वापस लौटा तो सबने कोरोना जांच का परामर्श दिया। चिकित्सक को दिखाने पर मुझे घर में चौदह दिन के लिए क्वारंटीन कर दिया गया।

मैं इस अवधि में नियमित योग-व्यायाम के साथ ही सद्साहित्य का अध्ययन करता रहा। साथ ही वीडियो कॉल और फोन के माध्यम से अन्य लोगों व समाज के सम्पर्क में भी बना रहा।

क्वारंटीन के सभी नियमों का पूरा पालन करते हुए मित्र की माताजी की अस्थियाँ चुनना; मेरे लिये परम सौभाग्य का विषय था।

-एक स्वयंसेवक, जयपुर

सक्षम संस्था द्वारा दिव्यांग सेवा

सक्षम संस्था, जयपुर द्वारा सांगानेर के गांवों में अभियान चलाकर सेवा बस्तियों में होम्योपैथिक इम्यूनिटी बूस्टर दवा का निः शुल्क वितरण किया गया।

गोविंदपुरा गांव की दिव्यांग सेवा बस्ती में सक्षम संस्था के अभियान का शुभारम्भ संघ के क्षेत्र प्रचारक श्री निम्बाराम ने दिव्यांगजनों को दवा पिलाकर किया। उन्होंने कहा कि कोरोना संक्रमण के दौर में समाज में अभावग्रस्त लोग बहुत परेशानियों के बीच गुजर-बसर कर रहे हैं। ऐसे में हमारा दायित्व है उनके स्वास्थ्य की चिंता करते हुए कोरोना से बचाव के उपचार प्रदान करें।

संस्था के सह सचिव डॉ. भीखाराम के अनुसार संस्था के कार्यकर्ताओं ने सेवा बस्ती के एक सौ से अधिक परिवारों को घर-घर जाकर दवा पिलाई तथा एक महिने हेतु इम्यूनिटी बूस्टर प्रदान किया। दिव्यांगों ने भी इस कार्य में सहयोग किया। ■

दिव्यांगों की सेवा, साथ में क्षेत्र प्रचारक श्री निम्बाराम

आस्था लोजिस्टिक्स

Carring for your Global Business Daily

मुख्य कार्यालय – ई-94 ए, मेवाड़ औद्योगिक क्षेत्र, मादड़ी, रोड़ नं. 1, उदयपुर (राज.)
फोन नं. : (0294) 2494496, (0294) 2491194, ई-मेल : assthaalogistic@gmail.com

बुकिंग कार्यालय – (1) देहली गेट बाहर, टाउन हाल रोड़, उदयपुर (राज.) फोन नं: 0294-2417473
(2) डी-140, सब सिटी सेन्टर, उदयपुर (राज.) फोन नं.: 0294-94626799272

भीलवाड़ाः 32, टी.पी. नगर, भीलवाड़ा, मो. 7597760558
वटवा : 13, श्रीनाथ जी इंडस्ट्रीज कॉर्पोरेशन, पी.एन.बी.के पास, फेज-1,GIDC वटवा, अहमदाबाद-9414796902
चित्तौड़गढ़: बून्दी रोड़ – चित्तौड़गढ़, मो. 9414283102
असलाली (गुजरात): ए-1, मारूति नंदन एस्टेट,जय अंबे भोजनालय, असलाली अहमदाबाद मो. 9414736902
सरखेज (गुजरात): 89-सी, सागर एस्टेट,सरखेज, अहमदाबाद मो. 9414736902
V. V. नगर (आनंद, गुजरात) गोदाम नं. 12, GIDC, पंचमहल ट्रांसपोर्ट के पास, जिला आनंद V. V. नगर, मो. 8734994984

मावलीः गोपाल ट्रांसपोर्ट कम्पनी, मो. 9461014828
फतहनगरः इच्छाप्राणी ट्रांसपोर्ट, कं. मो. 9928501444
कपासनः दिनेश रोडवेज, मो. 9413781345
भूपाल सागरः सुखवाल ट्रांसपोर्ट, मो. 9602455716
निम्बाहेड़ाः जैन रोड़, ट्रांसपोर्ट सर्विस, मो. 9829984590
नाथद्वाराः फेन्ड्स ट्रांसपोर्ट, कं. मो. 9414170945
कांकरोलीः फेन्ड्स रोडवेज, मो. 9414170945
कुंवारियाः राजेश गोल्डन ट्रांसपोर्ट, मो. 943072305
गंगापुरः अनिल ट्रांसपोर्ट कं. मो. 8875185465
गुलाबपुराः छोटा रोडलाइन्स, मो. 9829173721
विजय नगरः शंकर गुड्स ट्रांसपोर्ट कं., मो. 9413993726
बांदनवाड़ाः गणेश ट्रांसपोर्ट कं., मो. 9460357793
नसीराबादः विशाल गुड्स ट्रांसपोर्ट, मो. 9509933031
अजमेरः सांवरिया ट्रांसपोर्ट कं., मो. 9828409337
ब्यावरः संत कंवर राम ट्रांसपोर्ट, मो. 9413687437
किशनगढ़ः संत कंवराम ट्रांसपोर्ट, मो. 9588221427

कृष्णा रोडलाइन्स हेड ऑफिस लुधियानाः
बी-23-2818, ट्रांसपोर्ट नगर, लुधियाना, फोन- 0161-5053277

पंजाब में बुकिंग ऑफिस:
सुन्दर नगर : 9023626291
इकबाल गंजः 9569406053
जलन्धर : 9317744596
अमृतसर : 9877732933

गुजरात में बुकिंग ऑफिस
217/10, गुजरात गिनिंग मिल कम्पाउंड, प्रेम दरवाजे के बाहर, अहमदाबाद, फोन – 079-22173121, 93284-53277

अन्य नगरों व राज्यों में सेवाएँ

मोहित रोडलाइन्स- नीमच, मंदसौर, रतलाम : , मो. 9351105512
एजेन्सीज :
श्री बालाजी रोड़ कॅरियर
पानीपतः स्वास्तिक रोड़, पीपलीवाली गली,मो. 9996368787मो. 9466456285
बालाजी गोल्डन ट्रांसपोर्ट कं., जयपुर शहरः 57, संसार चन्द्र रोड़, जयपुर, मो. 9829055674
जयपुर VKI एरिया, जयपुर, मो. 9829723199
नूतन राजूमणि ट्रांसपोर्ट (प्रा.) लि., मुम्बई
ढ़ोबले भुवन, 14, एल.टी. मार्ग, (कर्नाक रोड़) मुम्बई-3 फोन- 23435635
अंधेरीः सेठिया नगर, गली नं. 4, भंसाली बिल्डिंग के सामने,90 फीट रोड़, साकीनाका, अंधेरी (पूर्व) फोन- 766608900
भिवण्डीः B.G.T.A कम्पाउण्ड, अंजुर पड़ा,भिवण्डी, जिला- ठाणे फोन- 9665968172
वापीः GDW No. 3 प्लाट नं. 336, II Phase, वापी (गुजरात) फोन- 08758052412, 0260-2423692

Jalore Grani Marmo Pvt. Ltd.

Manufactures of : Grenite Blocks, Tiles & Slabs

Kheema Ram Suthar
Mo. 9982153314, 94141533174

Bagra Road, Bhagli Sindhalan, JALORE- 343001
WWW.Jaloregranimarmo.com

सेवा विशेषांक प्रकाशन व दीपोत्सव की शुभकामनाएं

मास्क लगाएं
कोरोना भगाएं

स्वयं अच्छा बनना और दुनिया को अपने प्रयास से अच्छा बनाना है

– डॉ. मोहन भागवत

शुभेच्छु : ग्राम पंचायत ढारिया, पं.स. रानी, जिला पाली

प्रताप गौरव केन्द्र-राष्ट्रीय तीर्थ, उदयपुर

मुख्य आकर्षण

- विश्व की सबसे बड़ी महाराणा प्रताप की अष्टधातु निर्मित 57 फीट ऊंची प्रतिमा।
- मेवाड़ इतिहास पर रोमांचक डाक्यूमेंट्री फिल्म।
- रोबोटिक शो-लाइट,साउंड एवं मैकेनिज्म द्वारा मेवाड़ इतिहास की जीवन्त घटनाएं।
- हल्दीघाटी विजय युद्ध वीथी- हल्दीघाटी युद्ध का जीवन्त चित्रण।
- भारत दर्शन वीथी- 18 मिनट में सम्पूर्ण भारत का दर्शन।
- महाराणा प्रताप चित्र प्रदर्शनी- सम्पूर्ण जीवन की 80 चित्रों के माध्यम से समस्त जानकारी।
- मेवाड़ रत्न वीथी - मेवाड़ के महापुरुषों की प्रतिमाओं के दर्शन व संक्षिप्त जानकारी।
- राजस्थान गौरव गाथा- 24 महापुरुषों की आवक्ष प्रतिमाओं के माध्यम से जानकारी।
- भारत माता मंदिर व ध्यान कक्ष - भारत माता मंदिर में भारत माता की 12 फीट ऊंची अष्टधातु प्रतिमा के समक्ष दर्शन एवं इससे पूर्व देश के लिए ध्यान।

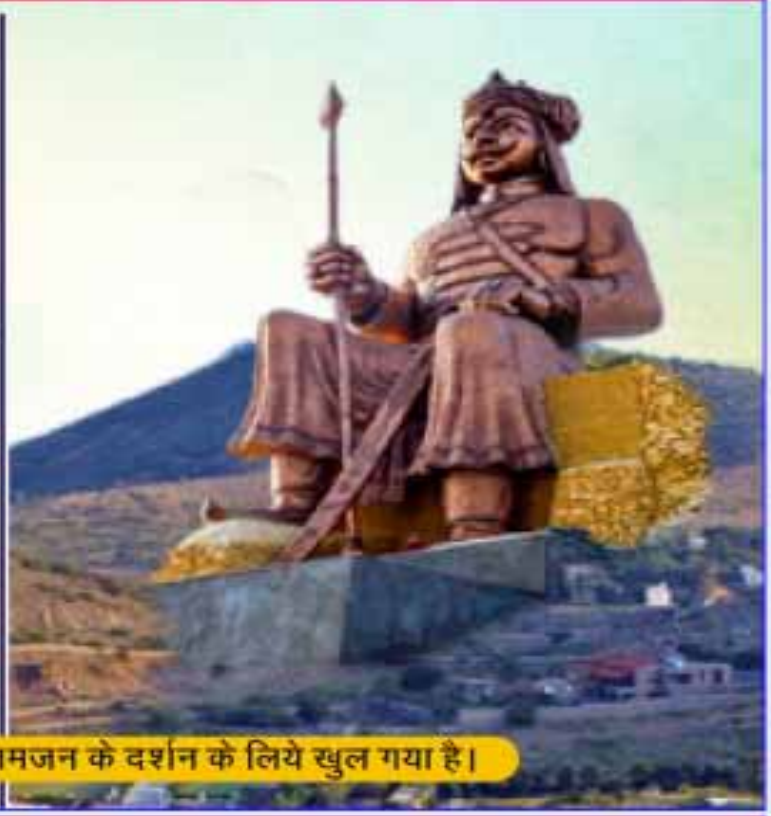

24 अक्टूबर 2020 से पुन: आमजन के दर्शन के लिये खुल गया है।

'सेवा विशेषांक' प्रकाशन एवं दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

हमारी सेवा कार्यों की प्रेरणा स्वार्थ की नहीं है
हमें अपने अहंकार की तृप्ति और अपनी
कीर्ति- प्रसिद्धि के लिए ये सेवा कार्य नहीं करना है।

-डॉ. मोहन भागवत

श्रीमती शोभा चौहान

विधायक, सोजत (पाली)

निवास : विधायक आवास, चौहान गार्डन, रायपुर-मारवाड़
जिला पाली (राज) 306304

www.teitter.com/shobhamlasojat
www.facebook.com/shobhachauhanmlasojat

जीवनदायी पवित्र कार्य–रक्तदान

कोरोना के भय से ग्रसित समाज में नये सिरे से आत्मविश्वास जगाते हुए स्वयंसेवकों ने नगर, गांव, ढाणियों और सेवा बस्तियों में पहुंचकर रक्तदान के कार्यक्रम आयोजित करवाए।

डॉ. ईश्वर बैरागी

कोरोना महामारी ने प्रारंभ में भय और निराशा का वातावरण निर्मित कर दिया था। ऐसे समय में बड़ी संख्या में संघ के स्वयंसेवक समाज के बीच जहां जैसी आवश्यकता है, उसी अनुरुप सेवा कार्य में लगे थे। स्वयंसेवकों ने अपने सामर्थ्य एवं योग्यतानुसार कोरोना पीड़ित और उनके परिजनों का हरसंभव सहयोग किया।

लॉकडाउन के कारण लोगों को रक्त की उपलब्धता कठिन हुई तो इस जीवनदायी पवित्र काम में भी स्वयंसेवक आगे आए। रक्तदान को प्रोत्साहित करने के लिए 'रक्त पेढियों', रक्त बैंकों और अस्पतालों के सहयोग से रक्तदान के शिविरों का क्रम शुरू हुआ जो अब भी निरंतर चल रहा है। बीकानेर, जयपुर, उदयपुर, जोधपुर समेत सुदूर बाड़मेर, जैसलमेर और वनवासी अंचल बांसवाड़ा–डूंगरपुर में भी रक्तदान शिविर आयोजित हुए या स्वयंसेवकों ने स्वप्रेरणा से रक्तदान किया।

नगर, ग्राम, ढाणी और सेवा बस्तियों में दिखा रक्तदान के लिए उत्साह

कोरोना के भय से ग्रसित समाज में नये सिरे से आत्मविश्वास जगाते हुए स्वयंसेवकों ने नगर, गांव, ढाणियों और सेवा बस्तियों में पहुंचकर रक्तदान के कार्यक्रम आयोजित करवाए। पहली बार गांव–ढाणियों में ऐसे शिविर लगे। लोगों ने उत्साह से रक्तदान किया। स्वयंसेवकों ने इस काम में धार्मिक, सामाजिक संस्थाओं व संगठनों को भी प्रेरित कर उनका सहयोग लिया। कई जगह रक्तदान कार्यक्रम एक उत्सव का प्रतीक बने।

जयपुर के मुरलीपुरा क्षेत्र में रक्तदान करने वालों का वंदन

संघ के प्रयासों से राजस्थान में रक्तदान शिविरों का क्रम शुरू हुआ, अब यह कीर्तिमान की ओर है। प्रदेश के 100 स्थानों पर 10 हजार यूनिट से अधिक

प्लाज्मा चेतना की योद्धा

कोरोना के गंभीर मरीजों के उपचार में प्लाज्मा थैरेपी कारगर सिद्ध होने का दावा किया जा रहा है। इसके लिए कोरोना से ठीक हो चुके मरीजों के प्लाज्मा की आवश्यकता होती है। लेकिन प्रारंभ के दिनों में लोगों को प्लाज्मा दान करने के लिए तैयार करना एक चुनौती थी। ऐसे समय में झुंझुनू में प्लाज्मा दान शिविर एक अनूठी पहल थी, जहां एक ही दिन में 48 कोरोना विजेताओं ने प्लाज्मा दान कर एक उदाहरण प्रस्तुत किया। इस पहल की सभी जगह सराहना हुई। प्लाज्मा दान शिविर लगाने की परिकल्पना चूरू मेडिकल कॉलेज की डॉ. उपासना की थी।

जब विश्व स्वास्थ्य संगठन ने प्लाज्मा थैरेपी को कोविड-19 में प्रभावी बताया तब डॉ. उपासना और टीम के साथियों ने प्लाज्मा शिविर लगवाना तय किया।

प्लाज्मा थैरेपी में कोरोना सरवाइवर अर्थात् जो कोरोना के विरूद्ध जंग जीत चुके हैं, उनके रक्त का भाग प्लाज्मा कहलाता है, उसमें कोरोना के विरूद्ध लड़ने वाली एंटीबॉडी विकसित हो जाती हैं। अगर वह एंटीबॉडी रूपी प्लाज्मा किसी कोरोना रोगी को चढ़ाया जाता है तो उसके ठीक होने की संभावना बढ़ जाती है।

लोगों को फोन करके तथा सोशल मीडिया के माध्यम से विभिन्न प्रकार के वीडियो बनाकर समझाया गया। इससे उनके मन में प्लाज्मा को लेकर जो भी भय, मिथ्या, संदेह और अविश्वास था, उसे दूर किया गया।

लोगों की सहायता के लिये महात्मा गांधी स्वास्थ्य संस्थान, झुंझुनु नाम से एक एनजीओ भी बनाया। उसके माध्यम से अभी तक 200 से ज्यादा लोग प्लाज्मा दान कर चुके हैं। बीकानेर, सीकर, चूरू एवं जयपुर में प्लाज्मा शिविर लगाकर अनेक कोरोना पीड़ितों का जीवन बचाया गया है।

प्लाज्मा दान रक्तदान से भी सरल है। इसमें किसी प्रकार का कोई संकट नहीं है। इससे उस व्यक्ति के शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता को नई शक्ति मिलती है।

– रमेश सर्राफ

रक्तदान हुआ। यह आँकड़ा रक्तदान शिविरों में रक्तदान करने वालों का है। इसके साथ ही स्वयंसेवकों ने तत्काल सूचना पर अभावग्रस्त मरीजों के लिए रक्तदान किया। जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल के ब्लड बैंक में 27 मार्च से ही प्रतिदिन 4 से 10 स्वयंसेवक रक्तदान करने पहुंचते थे।

रेनवाल के अचरावाला गांव, भिवाड़ी के तिजारा तथा सांगानेर के मनोरियावाला गांव में रक्तदान शिविर लगाये गये।

चिकित्सक दिवस पर सेवा भारती के रक्तदान शिविर

सेवा भारती समिति ने चिकित्सिक दिवस 1 जुलाई को जयपुर में अपेक्स हॉस्पिटल, स्वास्थ्य कल्याण ब्लड बैंक, सेवा सदन और अचलेश्वर महादेव मंदिर में रक्तदान शिविर आयोजित किये। सेवा बस्तियों में आयोजित शिविरों में भी युवाओं ने बढ़-चढ़कर रक्तदान किया। मानसरोवर नगर की शाखाओं ने अपने स्तर पर रक्तदान शिविर लगाए।

सेवा भारती के संगठन मंत्री इस विषय में बताते हैं कि शिविरों के प्रति लोगों का उत्साह इतना बढ़ा कि गांव और ढाणियों में भी रक्तदान शिविर लगे। फुलेरा की काचरोदा पंचायत की ढाणी नागान, जगन्नाथपुरा पंचायत के कचरावाला गांव और कोटपूतली व फुलेरा में भी रक्तदान शिविर आयोजित किये गये। जयपुर ग्रामीण क्षेत्र में एक हजार यूनिट से अधिक रक्त का संग्रहण हुआ। उदयपुर में भारतीय संस्कृति अभ्युत्थान न्यास द्वारा संचालित 'केशव रक्त पेढ़ी' तीन दर्जन से अधिक रक्तदान शिविर आयोजित कर चुकी है। इसी तरह के प्रयास जोधपुर समेत राज्य के अन्य जिलों में

रक्तदान-हमारी परम्परा

श्रीमहावीर जी में रक्तदान बना उत्सव

कहते हैं सेवा कार्यो में मिलने वाले आनंद की अनुभूति की जा सकती है, उसका वर्णन शब्दातीत है। ऐसे अनेक दृश्य और प्रसंग कोरोना काल में सामने आए हैं। स्वयंसेवकों ने हर कार्य को एक उत्सव मानकर पूरा किया। ऐसा ही एक दृश्य करौली जिले के श्रीमहावीर जी का है।

30 मई को श्रीमहावीर जी में गंभीर नदी के किनारे रजनी पब्लिक स्कूल में प्रातः रक्तदान कार्यक्रम सम्पन्न करना था। सप्ताह भर पहले इसकी योजना बनी। हिण्डौन खण्ड के सभी स्वयंसेवकों ने श्रीमहावीर जी में सघन सम्पर्क किया। रक्तदान के लिये जयपुरिया चिकित्सालय एवं अर्पण ब्लड बैंक से दो चिकित्सकों की टीम बुलाई गई। महावीरजी में विभिन्न संगठनों से सम्पर्क किया गया। इनमें व्यापार संघ के सदस्य, स्वयं सहायता समूह की बहनें तथा भगत सिंह ग्रुप के सदस्य भी सम्मिलित थे। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् एवं विश्व हिन्दू परिषद् के कार्यकर्ताओं को भी जोड़ा गया। सम्पर्क के दौरान अनुभव हुआ कि कोरोना के भय से कुछ लोग रक्तदान नहीं करना चाहते, मगर पूर्व योजना के तहत 101 यूनिट रक्त का लक्ष्य रखा गया।

निराशा एवं भय को समाप्त करने तथा उत्साह व आत्मविश्वास जगाने हेतु एक दिन पहले स्वयंसेवक शिविर स्थल पर पहुंच गये और उन्होंने रक्तवीरों के लिए केले, नींबू पानी एवं कॉफी का प्रबन्ध किया। प्रातः से ही रेखांकन कर बहनों ने रंगोली बनाई। पर्याप्त मात्रा में मास्क, सैनेटाइजर, पीने के पानी की व्यवस्था की गई। 6 बजे देवनारायण मंदिर के महन्त स्वामी ज्ञानदास जी महाराज ने महापुरूषों के चित्रपट पर दीप प्रज्वलित कर शिविर का शुभारम्भ किया। पूरे दिन रक्तवीरों ने उत्साह दिखाया और 3 बजे लक्ष्य से अधिक 124 यूनिट रक्त के साथ कार्यक्रम का सफल समापन हुआ। श्रीमहावीर जी के स्वयंसेवक कार्यक्रम के बाद समाज जनों को धन्यवाद देने उनके घर गये। रक्त की रिपोर्ट आने पर दूरभाष द्वारा प्रत्येक व्यक्ति से सम्पर्क कर उनके ब्लड ग्रुप की जानकारी एवं अन्य रिपोर्ट दी गई।

भी हुए हैं।

समाज को जोड़ने का कार्य करता है रक्तदान

संघ के क्षेत्र सेवा प्रमुख श्री शिवलहरी कहते हैं– सामाजिक दायित्व का निर्वहन करते हुए जीवनदायिनी रक्त की समाज को सहज उपलब्धता हो, इसी उद्देश्य से पूरे प्रदेश में रक्तदान शिविरों का आयोजन किया गया। इन आयोजनों में स्वयंसेवकों ने समाज बंधुओं को साथ लेते हुए सेवा, समर्पण और निष्ठा की भावना के साथ शिविरों में पहुंचकर स्वैच्छिक रक्तदान शिविरों को सफल बनाया। इस पवित्र कार्य में माताएं– बहनें भी पूरे मनोयोग से जुड़ीं। ■

With Best Wishes
Vishwanath Chaudhary (Gotewala)
Deendayal Chaudhary
Mob. 9413587964
9414676418
01562-251064 (R)
250966
Mahesh Vastralaya
Gudari Bazar. Churu-331001 (Raj.)
Resi. : **Gotewala Kunj**, Opp. Bagla Boys Sr. Sec. School, Subhash Chowk, Churu Email : mahesh.vastralaya@gmail.com

सेवा विशेषांक प्रकाशन की हार्दिक शुभकामनाएं

कांतिलाल कुमावत
पूर्व उपाध्यक्ष
नगर पालिका तखतगढ़
निवास : टास्कावा वास,तखतगढ़,
तह. सुमेरपुर जिला–पाली मो. 9414550426

सेवा विशेषांक प्रकाशन की हार्दिक शुभकामनाएं

जयंती जैनम
पूर्व अध्यक्ष
नगर पालिका तखतगढ
मो.99670 66995
पता राजेश्वर कॉम्पलेक्स, पुराना बस स्टैंड तखतगढ़
महावीर ज्वेलर्स साने गुरुजी मार्ग, ताड़देव, मुंबई

With Best wishes... Rajesh Maheshwari
MAHESHWARI CONTRACTORS PVT. LTD.
Regd. Office: Bikaner Road, Nokha, (Bikaner)
E-mail: mceshyam@gmail.com
Branch Office: B-6, Vidhyut Nagar, Ajmer Road, Jaipur
Tel: 91-0141-2372736, Mob. 9414147483
E-mail: mccnokha@yahoo.co.in, mccnokha@gmail.com

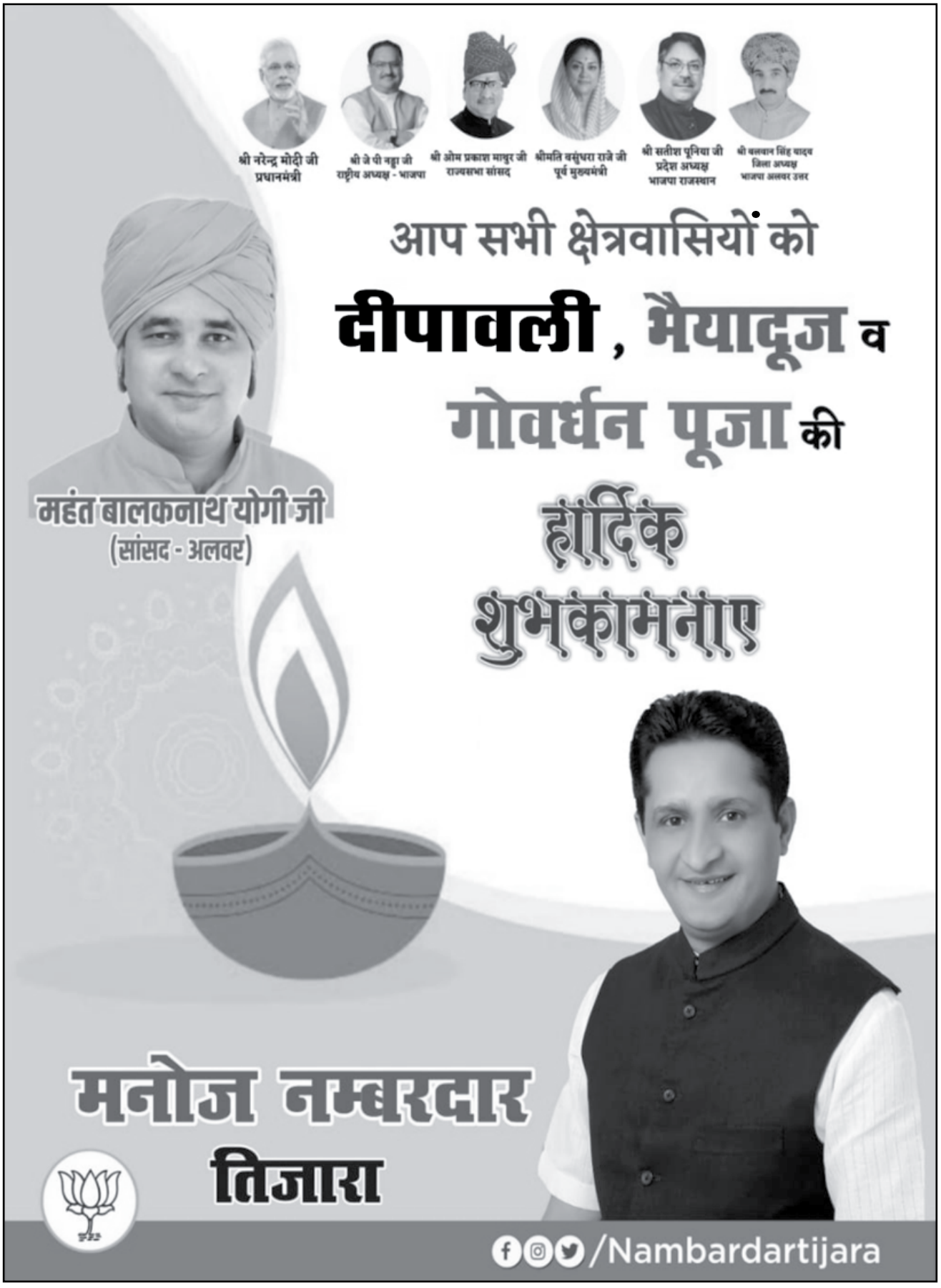
श्री नरेन्द्र मोदी जी
प्रधानमंत्री
श्री जे पी नड्डा जी
राष्ट्रीय अध्यक्ष - भाजपा
श्री ओम प्रकाश माथुर जी
राज्यसभा सांसद
श्रीमति वसुंधरा राजे जी
पूर्व मुख्यमंत्री
श्री सतीश पूनिया जी
प्रदेश अध्यक्ष
भाजपा राजस्थान
श्री बलवान सिंह यादव
जिला अध्यक्ष
भाजपा अलवर उत्तर
आप सभी क्षेत्रवासियों को
दीपावली, भैयादूज व
गोवर्धन पूजा की
हार्दिक
शुभकामनाएं
महंत बालकनाथ योगी जी
(सांसद - अलवर)
मनोज नम्बरदार
तिजारा
/Nambardartijara

बाड़मेर की गोल प्याऊ के पास स्वच्छता कर्मियों का सम्मान तिलक लगा, माला और साफा पहनाकर तथा महिलाओं को साड़ी भेंट कर किया गया।

कर्तव्य को वंदन

कर्म-निष्ठा का अभिनन्दन

प्रदीप शेखावत

कोरोना महामारी से लड़ने के लिए देशभर में लॉकडाउन लगाकर कारखाने, बाजार, स्कूल-कॉलेज, समारोह, सार्वजनिक सभा-सब बंद कर दिए गए। सामाजिक दूरी को ही इस बीमारी का हल बताया गया। लोगों को घरों में ही रहने को कहा गया। परन्तु कुछ ऐसे थे जो अपने घरों से बाहर निकले, क्योंकि उन्हें घर में बंद हो गये लोगों का जीवन बचाना था। डॉक्टर्स व अन्य स्वास्थ्यकर्मी, पुलिस वाले, सफाई-स्वच्छता कर्मचारी, बैंककर्मी व मीडियाकर्मी ही वे लोग थे, सच्चे कोरोना योद्धा। दूसरों को बचाते-बचाते इनमें से हजारों कोरोना से ग्रस्त होकर अपनी जान गंवा बैठे-शहीद हो गये-हम सब के लिए।

सरकार, समाज की विभिन्न संस्थाओं, व्यक्तियों के साथ ही संघ व समाज जीवन के विविध क्षेत्रों द्वारा इन सच्चे योद्धाओं का सम्मान सर्वत्र किया गया।

भावुक क्षण

स्वच्छताकर्मी जिन्होंने अपनी परवाह न करते हुए वातावरण को स्वच्छ रखने में महती भूमिका निभाई, ऐसे 3,100 स्वच्छता सेनानियों का अलवर विभाग में 90 स्थानों पर अभिनन्दन किया गया। स्वयंसेवकों ने स्वच्छता वीरांगनाओं की चरण वंदना की। इस कार्य में विविध संगठनों का भी सहयोग रहा । ऐसे सेनानियों पर पुष्प वर्षा की गई तथा आरती उतारी गई। मातृशक्ति को साड़ी तथा पुरुषों को गमछा भेंट किया गया। यह क्षण जनमानस के लिए अदभुत एवं भावुक करने वाला था।

बाड़मेर की गोल प्याऊ के पास स्वच्छताकर्मियों का सम्मान किया गया। तिलक लगा, माला और साफा पहनाकर तथा महिलाओं को साड़ी भेंट कर सम्मान किया गया।

पाथेय कण संस्थान द्वारा भी स्वच्छताकर्मी बन्धु-भगिनियों का शॉल ओढ़ाकर तथा पुष्प वर्षा कर सम्मान किया गया। जयपुर में ही सेवा भारती के कार्यकर्ताओं ने स्वच्छताकर्मियों का सम्मान किया।

कोरोना काल में पुलिसकर्मियों की भूमिका बढ़ गयी थी। सीकर में जाट बाजार सहित अनेक स्थानों पर संघ के

स्वयंसेवकों ने पुलिसकर्मियों पर पुष्प वर्षा कर सम्मान किया। उन्हें मास्क, तौलिये भेंट किये।

टोंक जिले के निवाई में सरस्वती विद्या मंदिर की ओर से सूती कपड़े के मास्क तैयार कर बैंककर्मियों, पुलिस के जवानों, कृषि मंडी के कर्मचारियों व पल्लेदारों को दिए गए। 'पूर्व सैनिक सेवा परिषद' और 'हमारा भारत' मंच की ओर से पुलिस जवानों को साफा पहनाकर सम्मानित किया गया।

कोटपूतली, जयपुर और अनेक स्थानों पर चिकित्सक, मेडिकल स्टाफ व अन्य कोरोना योद्धाओं का सम्मान किया गया। भरतपुर, पावटा, फुलेरा, दौसा व अनेकानेक स्थानों पर इस तरह के कार्यक्रम हुए। जयपुर, अलवर व अन्य स्थानों न्यूज पेपर हॉकर्स का भी सम्मान किया गया। उपर्युक्त दृष्टांत प्रतिनिधि स्वरूप ही हैं, वरना राजस्थान में सर्वत्र कोरोना योद्धाओं का सम्मान हृदय की गहराइयों से किया गया, इससे जहां कोरोना-सैनानियों को मनोबल बढ़ा, समाज की नजरों में उनके कार्य की महत्ता स्पष्ट हुई, वहीं समाज में सकारात्मक माहौल निर्मित हुआ।

संघ-स्वयंसेवकों ने परम पूजनीय श्रीगुरुजी का यह कथन हमेशा याद रखा कि ''श्रद्धा के साथ, कुछ कष्ट उठाते हुए, स्वार्थों को तिलांजलि देते हुए जो दिया जाता है, वही सच्चा समर्पण है।'' ■

आत्मवत् सर्वभूतेषु

(गर्मी में अमृतपान)

मई की चिलचिलाती धूप, सहन न हो सकने वाली गर्मी। दिन भर सड़क पर ड्यूटी....

धौलपुर की प्रचण्ड गर्मी में कोरोना योद्धा के रूप में कार्य कर रहे पुलिसकर्मियों को प्रशासन ने शहर के चौराहों व तिराहों पर नियुक्त कर दिया था ताकि लॉकडाउन का उल्लंघन कोई न कर सके।

जब लोग अपने घरों में थे तो तपती दोपहरी में खड़े इन पुलिसकर्मियों का दर्द, परेशानी व आवश्यकता को संघ के स्वयंसेवकों ने महसूस किया।

कुछ स्वयंसेवकों ने अपना-अपना अंशदान देकर राशि एकत्र की। काली मिर्च, सौंफ, चीनी, दूध, बादाम खरीद कर लाये। शाम को सौंफ, काली मिर्च व बादाम को भिगो देते। सुबह इनको सिलबट्टे पर पीसा जाता। पीसने का दायित्व आपस में कार्यकर्ताओं में कार्यकर्ताओं ने बांट लिया था। पीसने के बाद इसमें दूध व चीनी मिलाकर टंकियों में भरते।

धौलपुर नगर में दिन में सड़क पर तैनात पुलिसकर्मियों तथा कहीं-कहीं स्वास्थ्यकर्मियों को भी यह ऊर्जा व राहत देने वाला शरबत 15 दिन तक पिलाया गया।

स्वयंसेवकों को घर पर रोज डांट पड़ती कि कोरोना लग गया तो तुम्हारा क्या होगा। फिर हिदायत दी जाती जिसका स्वयंसेवक ध्यान रखते थे।

पुलिसकर्मी, संघ के स्वयंसेवकों के प्रति अभिभूत थे। उन्होंने कहा, हमारे साथ स्वयंसेवकों का ऐसा प्रेम व सम्मान का व्यवहार कभी भुलाया नहीं जा सकेगा।

धौलपुर ↑ नतमस्तक हैं हम ↓ अलवर

लघु कथाएँ–
कोरोना योद्धा

एक

कोरोना वायरस के कारण चिकित्सकों के लिए कई बाध्यताएं लागू हो गयीं। जो चिकित्सक अस्पताल में कोरोना मरीजों का उपचार कर रहे थे, उन्हें एक होटल में ही रहना पड़ रहा था।

उस दिन डॉ. रोहन की नौ वर्ष की बेटी का जन्मदिन था। घर पर जाना तो संभव नहीं था। पर बिटिया ने जिद कर ली कि पापा नहीं आएँगे तो वह बर्थडे नहीं मनाएगी। बेटी का मन रखने के लिए डॉ. रोहन किसी तरह समय निकाल कर देर शाम घर पहुँचे, लेकिन घर के भीतर जा नहीं सकते थे।

घर में बिटिया केक काटकर अपना जन्मदिन मना रही थी और वे दरवाज़े के सामने खड़े होकर बाहर से ही उसे देखकर खुश होते रहे।

दो

कोरोना महामारी के कारण देशभर में लॉकडाउन लग गया। कानून और व्यवस्था की जिम्मेदारी सदैव की भांति पुलिस पर आ गयी। सभी की छुट्टियां रद्द कर दी गयीं। किसी को घर जाने की अनुमति नहीं थी। बड़ी संख्या में पुलिस वाले गलियों और चौराहों पर तैनात हो गए ताकि लोग घरों से बाहर न निकलें और महामारी से सुरक्षित रहें।

सिपाही बलदेव की ड्यूटी नगर के प्रमुख बाजार में लगी थी। तीन दिन से घर पर बात नहीं कर पाया था इसलिए वहीं से घर पर फोन लगाया। पत्नी से बात हुई, माता–पिता का हाल पूछा, इतने में पाँच वर्ष का बेटा आ गया। कहने लगा–''पापा घर कब आओगे?''

बलदेव क्या जवाब देता, टाल गया–''जल्दी ही आऊंगा बेटा।''

बेटे ने अनुनय किया–''अभी आ जाओ ना पापा, मम्मी ने आज छोले–भटूरे बनाए हैं, सूजी का हलवा भी.....।''

पत्नी के हाथ के खाने का स्वाद याद कर बलदेव के मुँह में पानी आ गया। तभी साथी ने पुकारा–''अरे बलदेव जल्दी आ जा, खाने का पैकेट आ गया है।'' और बलदेव वहीं सड़क किनारे बैठकर अखबार में लिपटी चपाती और आलू की सब्जी खाने लगा।

तीन

लॉकडाउन के कारण दिहाड़ी मजदूरों को काम मिलना बन्द हो गया। बड़ी संख्या में मजदूर अपने घरों की ओर पैदल ही निकल पड़े। रास्ते में पुलिस ने रोक लिया और रैन बसेरे में ले जाकर ठहरा दिया।

सभी का कोरोना टेस्ट हुआ, कई मजदूर पॉजिटिव पाए गए, उन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया। कोरोना के डर से रैन बसेरे में ठहरे सभी मजदूर भयभीत थे।

उस रैन बसेरे में सफाई का काम करता था रमजू। वह वहीं रहता और सुबह–शाम सफाई किया करता था। एक प्रौढ़ मजदूर ने उससे पूछा–''क्यूं रे, इहां इत्ते बड़े रैन बसेरे की सफाई खातिर तू अकेला ही है कै?''

रमजू ने बताया–''हैं तो और भी, पर अभी बीमारी के डर से सभी काम छोड़ गए हैं।''

''तो क्या तुझे डर ना लगै इस मुए कोरूना से? भई हमकू तो भोत डर लगै है।'' मजदूर की यह बात सुन रमजू बोला–''डर तो हमको भी बहुत लगता है, घरवाले भी मना करते हैं पर.....।''

''पर पैसान की खातिर काम करत रही, है ना?'' दूसरे मजदूर ने कहा तो रमजू एक क्षण चुप रह गया फिर बोला–''तनख्वाह के लिए तो सभी करते हैं बाबू, पर इस वक्त सफाई की जरूरत ज्यादा है और यही हमारा फर्ज भी है।'' और रमजू फिर से सफाई में जुट गया।

– उमेश कुमार चौरसिया

कोरोना योद्धाओं की जरूरतें पूरी करते स्टार्टअप

जयपुर स्थित एमएनआईटी (मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान) के इन्क्यूबेशन सेंटर से जुड़े हुए 65 स्टार्टअप कोरोना योद्धाओं के लिए उनकी आवश्यकतानुसार वस्तुएं बनाकर दे रहे हैं।

कोरोना काल में पुलिस, प्रशासन और चिकित्सालय अपनी आवश्यकताओं के लिए एमएनआईटी से सम्पर्क करते हैं तो एमएनआईटी द्वारा अपने स्टार्टअप समूह से बातचीत कर रूचि रखने वाले स्टार्टअप को तकनीकी सहायता और इन्क्यूबेशन सेंटर में जगह उपलब्ध करायी जाती है।

अब तक बनाये गये उपकरण

ड्रोन

जयपुर पुलिस की मांग पर ऐसा ड्रोन बनाया गया जो कर्फ्यू और लॉकडाउन वाले क्षेत्रों पर नजर रखने के साथ ही सार्वजनिक सूचनाएं भी प्रसारित करता है। दवा या अन्य जरूरत वाली वस्तुएं भी इसके द्वारा पहुँचायी जाती हैं।

मास्क एवं पीपीई किट

अच्छी गुणवत्ता वाले मास्क तथा पीपीई किट बनाये गये जो बाजार की तुलना में लगभग आधे मूल्य के थे।

सक्षम द्वारा जारी लोगो

कवर्ड सैंपल कलेक्शन सेंटर

शीशे से बना एक कलेक्शन सेंटर बनाया गया। जिसमें बैठा चिकित्साकर्मी हाथ बाहर निकाल कर बिना मरीज के सम्पर्क में आये सैंपल ले सकता है। डॉक्टर्स को सुरक्षा देने वाले फेस शील्ड भी बनाये गये जिनका उपयोग ओपीडी में किया जा सके।

सैनेटाइजर टनल

इस टनल से गुजरने पर व्यक्ति पूरी तरह सैनेटाइज हो जाता है।

सैनेटाइजिंग बॉक्स

मेडिकल उपकरण, मोबाइल, लैपटॉप, स्टेशनरी, तौलिए, मास्क, नोट आदि वस्तुओं को सैनेटाइज करने वाले बॉक्स बनाए गए, जिसमें रखी वस्तुएं 15-20 मिनट में सैनेटाइज हो जाती हैं।

Wish Best Wishes

EVERSHINE
MARBLE & EXPORTERS PVT. LTD.
Corporate Address
MAKRANA ROAD, MADANGANJ - KISHANGARH
DISTT. AJMER - 305801 (RAJASTHAN)
Phone: 91-9799909900, 9799909902
Email - evershinemarbles@ymail.com
info@evershinemarbles.in
website: www.evershinemarbles.in

जनजाति बन्धु भी हमारे अपने हैं

विजय कुमार

जहां जनजाति अंचल की विपन्नता और गरीबी मन को विदीर्ण करने वाली है, वहीं इन क्षेत्रों में राजस्थान वनवासी कल्याण परिषद के कार्यकर्ताओं द्वारा लॉकडाउन में किये गये सेवा कार्य प्रेरणादायक और हृदय को छू लेने वाले हैं।

परिषद के कार्यकर्ता राशन किट वितरण हेतु जनजाति बाहुल्य कोटड़ा के गांव काउचा पहुँचे। वहां **स्वर्गीय रूपाजी की झोपड़ी में पहुँचे तो देखा 70 वर्षीय मां खेतों से लायी तुअर की सफाई कर रही थी। झोपड़ी में खाने के लिए अन्य कुछ भी नहीं था। मां को राशन किट दिया तो उसकी खुशियों का ठिकाना नहीं था। वह बार-बार आशीर्वाद दे रही थी।** कार्यकर्ताओं के साथ तहसीलदार भी थीं। वे भावविभोर होकर बोली, ''सच में आप लोग सही सेवा कर रहे हो। हम तो वास्तविक जरूरतमंदों तक पहुंच ही नहीं पाते।'' ऐसे ही **जोगीवड में रामा कथोड़ी के घर जाना हुआ। वे अपने लिए खाद्य सामग्री देखकर भावविभोर होकर रोने लगे।**

एक ऐसे परिवार में भी पहुँचे जहाँ घर में केवल पांच भाई-बहिन ही थे। पिता की मृत्यु हो चुकी थी और मां अन्यत्र चली गयी थी। सबसे बड़ी 11 वर्षीय निशा अपने भाई-बहिनों को जैसे-तैसे पाल रही थी। उस परिवार

> **तहसीलदार साहिबा भाव-विभोर होकर बोली, ''सच में आप लोग ही सही सेवा कर रहे हो।**

को राशन किट देने के साथ ही भंसाली ट्रस्ट से 800 रुपये प्रति माह देना तय करवाया। विकास अधिकारी को यह बात पता चली तो वे स्वयं वहां गये तथा राशन सामग्री के साथ 2500 रुपये देकर आये। विकास अधिकारी वहां की गरीबी व विपन्नता देखकर सन्न थे। उन्होंने उन जैसे परिवारों का सर्वे करने का आदेश निकाला। पुनः जब विकास अधिकारी जी से मिलना हुआ तो उन्होंने बताया कि वहां के 2 हजार लोगों को पेंशन स्वीकृत करके उनके खातों में जमा करा दी गयी है। उन्होंने इसका श्रेय परिषद को दिया।

दुर्गम रास्तों को पार करते हुए कार्यकर्ता जंगल में स्थित बामणी माता पहुँचे। वहां राशन किट दिये गये। हमीरा गमार जिसका एक पैर एक्सीडेंट में कट गया था, ने राशन किट लेने से मना कर दिया तथा दो अन्य नाम बताते हुए कहा कि वे बहुत गरीब हैं, उन्हें आप यह राशन देवें। हमीरा के अपरिग्रह भाव ने सबका मन जीत लिया था।

सड़ा ग्राम पंचायत के सुदूर जंगल में स्थित बक्सा की नाल गांव के लिए निकले। **कोटड़ा से निकलते ही जंगल शुरू हो गया था। गाड़ी आगे जा नहीं सकती थी। गाड़ी वहीं खड़ी कर राशन सामग्री लेकर पैदल ही पहाड़ों पर चढ़ते-उतरते हम रमेश पारगी के घर पहुँचे।** वह दृष्टिहीन था, बच्चे भी इसी अवस्था में थे। अनेक विधवा बहिनें मिलीं जो मेहनत मजदूरी कर मुश्किल से ही अपने बच्चों को पाल-पोस रही थीं। अनेक ऐसे परिवार थे जिनके पुरूष सदस्य कमाने के लिए गुजरात गये हुए थे, घर में राशन समाप्त हो गया था। ऐसे

राजस्थान वनवासी कल्याण परिषद के सहयोग से संचालित

आइसोलेशन सेंटर : बेड़ा,पिंडवाड़ा,देवला,कोटड़ा

एम्बुलेंस सेवा : कोटड़ा

सभी परिवारों को राशन किट दिये गये।

एक दिन एस.डी.एम. का फोन आया कि वे कार्यकर्ताओं के साथ पैदल चलकर उस क्षेत्र को देखना चाहते हैं। वे कार्यकर्ताओं के साथ संता देवी के घर पहुँचे। उसकी टूटी-फूटी झोंपड़ी देखकर कहा, ''परिषद के कार्यकर्ता सुदूर अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहे हैं। मैं परिषद के काम से बहुत प्रभावित हूँ।''

वनवासी क्षेत्र में 121 ग्राम सुरक्षा समितियों का गठन किया गया। पक्षियों के लिए 121 परिंडे लगाये गये।

प्रारंभ में वनवासी अंचल कोटड़ा के लिए भंसाली ट्रस्ट ने एक ट्रक सब्जी

टापरे-टापरे में सेवा

वितरण हेतु कार्यकर्ताओं को उपलब्ध करायी जो लगभग 2,500 किलो थी। उपखण्ड अधिकारी भूपेन्द्र सिंह एवं ब्लॉक विकास अधिकारी धनपत सिंह के कर कमलों से कंडी में सब्जी वितरण का शुभारम्भ हुआ। थला, निचली सुबरी, ऊपरी सुबरी, बरछा, बड़ला आदि गांवों के लगभग 1100 परिवारों में सब्जी वितरण की गई।

आबू रोड़, पिण्डवाडा, प्रतापगढ़, सलूम्बर, बिच्छीवाड़ा और रावतभाटा के परिषद कार्यकर्ता ऊबड़-खाबड़ रास्ते पार कर कच्चे घरों में बसे जरूरतमंदों तक पहुँचे तथा राशन सामग्री दी।

परिषद द्वारा वनवासी क्षेत्रों में मास्क व सैनेटाइजर का वितरण भी किया गया। परिषद के सेवा कार्य से 141 गांवों के 2 हजार 750 परिवार लाभान्वित हुए। ■

Manaram, Mo : 9829277103
Jagaram , Mo : 9414995839
Jagdish Choudhary , Mo : 9413123103

CHETAK GRANI MARMO JALORE

CHETAK
Grani Marmo

Mfg. & Suppliers
Exporters Quality Granite Slabs & Tiles

Shree Shanti Nath industrial Area,
Kheteshwar Road BHAGLI, JALORE (Raj.)
E-mail : chetakgmjalore@gmail.com

With Best wishes...

R.G. AGARWAL
Chairman Dhanuka Group

dhanuka

Dhanuka Agritech Limited

working for the growth of the Nation by working for the food, nutrition, health, wealth, environment and education security of the Nation.

DHANUKA AGRITECH LIMITED
14th Floor, Building 5A, Cyber City,
DLF Phose, Gurgaon, Harayana-122002

।। जय श्रीराम ।।

।। ॐ नमः शिवाय ।।

भारती बाल निकेतन समिति (B.B.N.) द्वारा संचालित

कला भारती गर्ल्स पी.जी. कॉलेज

बी.ए.- 30 सीट, बी.एस.सी.- 60 सीट, एम.ए. भूगोल- 40 सीट

भारती शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय,
नदबई (200 सीट)

प्रबंधक
गोविन्द सिंह चौधरी

दीपोत्सव व पाथेय कण **सेवा विशेषांक**
की हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

SURESH BHAGERIA
CHAIRMAN

BHAGERIA INDUSTRIES LIMITED

MANUFACTURERS OF
DYE INTERMEDIATES

Regd.: Office No. 1002, 10th Floor,
Topiwala Centre, Off S.V. Road,
Goregaon (West), Mumbai-400062.
Tel. : 91-22-4043 6666
(D): 40436631 Mobile : 98213 12677
Fax: 91-22-40436662/63
Email: suresh@bhageriagroup.com
Website: www.bhageriagroup.com

दीपोत्सव व पाथेय कण **सेवा विशेषांक**
की हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

सनवारिया पीकू सेन्टर

पाली मारवाड़

गणपत लाल बावरी
गुरु नगर, पाली

मो. 9784727773

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

जन-जन का यही नारा
साफ सुथरा हो प्रदेश हमारा
ग्राम पंचायत घोडावड़

विधानसभा क्षेत्र जैतारण (पाली)

दीपोत्सव
के पावन पर्व पर
प्रकाशित
पाथेय कण के
सेवा विशेषांक
पर सभी पाठकों व
प्रदेशवासियों
को हार्दिक
शुभकामनाएं

अविनाश गहलोत
विधायक, जैतारण

सरपंच छगनी देवी
ग्राम पंचायत घोड़ावड़

गांव स्वच्छ तो देश स्वच्छ

समस्त ग्रामवासी व ग्राम पंचायत घोडावड़, जैतारण पाली (राज.)

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

जन-जन का यही नारा
साफ सुथरा हो प्रदेश हमारा
ग्राम पंचायत देवरिया

विधानसभा क्षेत्र जैतारण (पाली)

दीपोत्सव
के पावन पर्व पर
प्रकाशित
पाथेय कण के
सेवा विशेषांक
पर सभी पाठकों व
प्रदेशवासियों
को हार्दिक
शुभकामनाएं

अविनाश गहलोत
विधायक, जैतारण

सरपंच संगीता चेतन चौहान
ग्राम पंचायत देवरिया

गांव स्वच्छ तो देश स्वच्छ

समस्त ग्रामवासी व ग्राम पंचायत देवरिया, जैतारण पाली (राज.)

MC-3464
NABL - Accreditation
For Molecular Lab

अनन्ता हॉस्पिटल
अत्याधुनिक सुपरस्पेशियलिटी चिकित्सा सुविधाएं
एक ही छत के नीचे

दक्षिणी राजस्थान में एक मात्र
PET CT Scan की सुविधा
अनन्ता कैंसर सेन्टर में उपलब्ध

न्यूरोलोजी एवं न्यूरोसर्जरी | हृदय रोग | कैंसर रोग | मूत्र रोग | किडनी रोग
जॉइन्ट रिप्लेसमेंट व हैंड एवं माईक्रोवैस्कुलर सर्जरी | आपातकालीन व गहन चिकित्सा

अनन्ता अस्पताल अधिकृत है
- आयुष्मान भारत महात्मा गांधी राजस्थान स्वास्थ्य बीमा योजना
- राजस्थान सरकार के सेवारत कर्मचारी एवं पेंशनर्स
- ईएसआईसी (ESIC)
- प्रमुख टीपीए व इंश्योरेन्स (TPA & Insurance)

Available Emergency Services
24x7

अनन्ता हिल्स, नेशनल हाईवे 8, तह. नाथद्वारा, जिला-राजसमन्द - 02953 288000 Mob. 02953 288000

दीपोत्सव व 'सेवा विशेषांक' के प्रकाशन की हार्दिक शुभकामनाएं
अविनाश गहलोत
विधायक, जैतारण पाली
सुनील प्रजापति एडवोकेट,
भाजपा मंडल अध्यक्ष, जैतारण
नवीन छावा फालका
भाजपा मंडल अध्यक्ष, बुलन्दा

नीरजा हॉस्पिटल
सुपर स्पेशियलिटी एवं IVF सेन्टर
प्रेगनेंसी, डिलीवरी, IVF, NICU
सोनोग्राफी, डायलिसिस, IAB, ICU
01572-252020 | 9549876276
नीरजा

दीपोत्सव व 'सेवा विशेषांक' के प्रकाशन की हार्दिक शुभकामनाएं
रावाराम माली
छांग सिंह खींची
भंवर सिंह राठोड
फर्म : डायमंड ग्रेनाईट माइंस, कवला, जालौर (राज.)

DSR
GROUP
RS
DEVELOPERS
RD
CONSTRUCTION
कोरोना से बचें ...
हाथ धोएं बार बार
सही से मास्क पहनें
निभाएं दो गज की दूरी
राजेन्द्र धीरजपुरा
गांव- धीरजपुरा, पो. दुधवा वाया- कोछोर
तहसील- दांतारामगढ़, (सीकर) मो. 9688880888

किसानो की तरक्की और खुशहाली के लिए
संसद के दोनो सदनों मे कृषि विधेयक पारित करने के लिए
माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी,
माननीय कृषि मंत्री जी
व हमारे लोकप्रिय सांसद देवजी पटेल का
सभी किसान भाईयो की तरफ से हार्दिक आभार।
सौजन्य :
सर्जनसिंह राठौर जिला महामंत्री भाजयुमो जालोर
बाबूनाथ गुंदाऊ जिला महामंत्री ओबीसी मोर्चा जालोर

निहालचंद मेघवाल
सांसद, श्रीगंगानगर व
पूर्व केन्द्रीय राज्यमंत्री
सेवा विशेषांक प्रकाशन व दीपोत्सव
के पावन पर्व की सभी देशवासियों को
हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

'सेवा विशेषांक' प्रकाशन एवं दीपावली की

हार्दिक शुभकामनाएं

हमें सातत्य अपने प्रयासों
में चलना चाहिए,
ऊबना नहीं चाहिए, थकना
नहीं चाहिए, करते रहना चाहिए।

– डॉ. मोहन भागवत

जोराराम कुमावत
विधायक सुमेरपुर

श्रीमती उषा कंवर
पत्नी अनोपसिंह राठौड़
अध्यक्ष –नगरपालिका सुमेरपुर

निवारु पावर हाउस के सामने, सुमेरपुर जिला पाली मो.9829145701

सेवा, संगठन और कर्म का पर्याय बना रामलाल सूरजदेवी रांका चैरिटेबल ट्रस्ट

दैनिक भास्कर 07-Jun-2020 बीकानेर Page 6

सेवा के सिपाही... लॉकडाउन से अनलॉक तक जिन्होंने हर दिन की पहुंचाया भोजन और राशन

दैनिक भास्कर 17-May-2020 बीकानेर Page 6

दैनिक भास्कर 01-Apr-2020 बीकानेर Page 9

पूरे शहर में होगा छिड़काव, चार ट्रैक्टर जुटे हैं छिड़काव में

रांका ट्रस्ट ने जरूरतमंदों को वितरित की 100 राशन किट

दो हजार किट करेंगे वितरित

पूर्व चेयरमैन महावीर रांका व रामलाल सूरजदेवी रांका चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से

पीएम मोदी के जन्म दिन पर एक लाख मास्क वितरण का हुआ शुभारम्भ

सटीक निर्णय और विकास के भाव से पीएम मोदी लोकप्रिय : महावीर रांका

उत्साही महावीर हमेशा रहते हैं अग्रणी

दैनिक भास्कर बीकानेर 23-09-2020

1 हजार सैनेटाइजर बोतल व स्टैंड बांटेंगे

दैनिक भास्कर 07-Jun-2020 बीकानेर Page 6

रांका ट्रस्ट : भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा को सौंपी 200 किट, जरूरतमंदों में होगी वितरित

700 हेयर सैलून को किया जाएगा सैनेटाइज, सौंपी 50 मशीन

रांका का कोरोना योद्धा के रूप में किया सम्मान

रांका ने फिर मास्क वितरित, जनता कर्फ्यू की अपील की

रांका ट्रस्ट : मास्क-सैनेटाइजर व छत पंखे वितरित, छिड़काव जारी

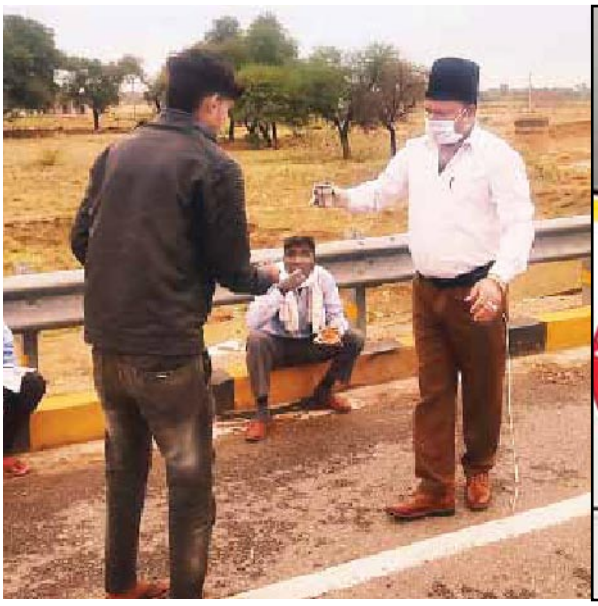

प्रवासी श्रम साधकों की सेवा

राघवेंद्र सिंह

कोरोना के बढ़ते संक्रमण के कारण सरकार द्वारा लॉकडाउन की अवधि बढ़ा दी गई थी। गर्मी व प्रचंड धूप के बीच अनेक प्रवासी श्रमिकों के समूह सैकड़ों/हजारों किमी. दूर अपने गांव जाने के लिए राजमार्गों पर पैदल ही निकल पड़े थे। श्रमिकों के साथ छोटे बच्चे भी थे। कुछ दूरी चलने पर वृक्षों की छांव में विश्राम करते और फिर अपने गंतव्य के लिए निकल पड़ते। न इनके पास भोजन की कोई व्यवस्था थी और न ही पीने के पानी की। लॉकडाउन के कारण वाहनों का आवागमन बंद होने से सैकड़ों किलोमीटर पैदल चलते हुए इनके चप्पल-जूते भी टूटने लगे।

पग-पग पर सेवा में स्वयंसेवक

ऐसे में इन प्रवासी श्रमिकों का सहारा बने संघ के स्वयंसेवक, जिन्होंने राजमार्ग स्थित प्रमुख चौराहों पर श्रमिकों के लिए भोजन-पानी की व्यवस्था कर विकट परिस्थितियों में उन्हें संबल दिया। सभी जगह श्रम साधकों की सेवा इस प्रकार की गई जैसे किसी तीर्थ क्षेत्र या मेले में पदयात्रियों की होती है।

स्टे होम

पैदल जा रहे श्रम साधकों को समझा-बुझाकर ठहराव की व्यवस्था की गई। स्वयंसेवकों द्वारा श्रमिकों को आग्रहपूर्वक रोका गया। 300 से अधिक श्रमिकों के एक जत्थे को नेशनल हाईवे 8 पर जाते देख स्वयंसेवकों ने उनसे बात की तो पता चला कि बस या ट्रेन से जाने के लिए उन्हें रजिस्ट्रेशन कराये 15-20 दिन हो गए थे प्रशासन से बुलावा नहीं आया, वे अब रुकना नहीं चाहते, इसलिए पैदल ही चल दिए। ऐसे लोगों को प्रागपुरा विद्यालय में स्वयंसेवकों ने समझा-बुझाकर ठहराया। पावटा कस्बे में भी बिहार जा रहे मजदूर भाइयों को ठहराया गया। कोरोना हॉटस्पॉट से आए श्रमिकों के लिए अलग अस्थाई आवास बनाया गया। ऐसे आवास कई जगह बनाये गये।

दवा से लेकर दूध तक सारी व्यवस्थायें

प्रवासी श्रमिकों को भोजन पैकेट, अल्पाहार, पेयजल, शरबत, गुड़-चने के पैकेट, बच्चों का दूध पाउडर, जूते-चप्पल, दवाईयाँ आदि उपलब्ध करवाया गया। स्वयंसेवकों द्वारा बड़ी संख्या में बालक, बड़े, गोद में बालक को लेकर चलने वाली माताओं, पैदल व साइकिल से जा रहे श्रम साधकों की सहायता की गई।

भोजन भण्डारा

भरतपुर से आगरा की ओर प्रतिदिन जाने वाले 2-3 हजार श्रमिकों के भोजन व अल्पाहार का प्रबन्ध किया गया। ग्वालियर जा रहे ट्रकों में बैठे श्रमिकों को महुवा के पास स्वयंसेवकों ने भोजन व पानी पहुंचाने का कार्य किया। भरतपुर की अन्नपूर्णा समिति के कार्यकर्ता प्रवासी श्रमिकों के लिए उद्योग नगर सीमा पर 10 दिनों तक भोजन व्यवस्था में जुटे रहे। यहां प्रवासी श्रमिकों के लिए 17,538 भोजन पैकेट, 5

अनुकरणीय गाथा

बैलगाड़ी पर परिवार

प्रवासी मजदूरों की सहायता के लिए संघ द्वारा भरतपुर के सेवर तिराहे पर एक शिविर स्थापित किया गया था। एक प्रवासी मजदूर परिवार बैलगाड़ी पर अपनी गृहस्थी का सामान लाद कर आ रहा था। उन्हें भोजन-अल्पाहार करवाया। बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि वे पश्चिमी राजस्थान से आ रहे हैं और अब तक 500 किमी चल चुके हैं। घर जाने के लिए इस परिवार ने अपना सामान व मोटरसाइकिल बेच कर बैलगाड़ी खरीदी थी। अब इस पर उत्तर प्रदेश में अपने गांव शमशाबाद जाने के लिए निकल पड़ा था।

उनकी बातों से लगा था कि वे पूरे रास्ते भोजन के लिए परेशान रहे थे। जो खाद्य सामग्री वे साथ लेकर चले थे वह थोड़े समय बाद ही खत्म हो गई थी। कार्यकर्ताओं ने उनके साथ आगे तक के सफर के हिसाब से भोजन सामग्री रख दी।

इतनी मदद पाकर इस परिवार ने अत्यधिक भावुक होते हुए कहा कि आप सब हमारे लिए ईश्वर के समान हो। हम काफी दिनों से परेशान थे, लेकिन आपने हमारे आगे के रास्ते की समस्या भी हल कर दी है। अब हम आराम से अपने घर पहुंच जाएंगे।

उस परिवार के यह उद्‌गार सुन कर वहाँ उपस्थित सेवाव्रती कार्यकर्ताओं को आत्मिक सन्तोष का अनुभव हुआ।

चाह को राह

हजार पानी के पाउच व 1605 बिस्किट पैकेटों का वितरण किया गया।

चाकसू शाखा द्वारा मध्यप्रदेश की ओर जा रहे श्रमिकों के जत्थे को भोजन कराया गया। सवाईमाधोपुर होते हुए मध्यप्रदेश के श्योपुर, सतना, शिवपुरी आदि स्थानों पर जा रहे श्रमिकों को करीब 20 हजार भोजन पैकेट वितरित किए गए। सांगानेर में जयपुर से कोटा मार्ग पर प्रतिदिन 500 श्रमिकों के लिए भोजन पैकेट व शीतल जल की बोतल की व्यवस्था की गई। फुलेरा में रेलवे कॉरिडोर में 41 दिन तक भोजन की व्यवस्था की गई। जयपुर की तेजाजी शाखा द्वारा सड़क मार्ग से गोपालपुरा बाईपास होकर अपने घरों की ओर लौट रहे प्रवासी श्रमिकों को प्रतिदिन चाय-नाश्ता दिया गया। रिद्धि-सिद्धि चौराहे से कई दिनों से निरंतर पैदल जाने वाले श्रमिकों को मूंगफली के पैकेट, अल्पाहार, भोजन, सूखा आटा आदि के वितरण की व्यवस्था स्वयंसेवकों ने की। समाज के लोगों ने भी हाथ बंटाया।

इसी प्रकार भीलवाड़ा में चित्रकूट व झांसी के लिए जा रहे श्रमिक पेड़ के नीचे बैठे दिखे तो स्वयंसेवकों ने उनके लिए भोजन की व्यवस्था की। बारां जिले के अंता, शाहाबाद में भी राजमार्ग संख्या 27 स्थित टोल प्लाजा पर भोजन पैकेट उपलब्ध कराये गये।

उदयपुर सब्जी मण्डी में काम करने वाले मजदूर पैदल मुज़फ्फरनगर के लिए जा रहे थे। उनको स्वयंसेवकों ने मार्ग के लिये भोजन पैकेट देकर विदा किया तो उन्हें अपार प्रसन्नता हुई। अचरोल के चिपाली मोड़ पर भी भोजन पैकेट दिए गए। अहमदाबाद से जयपुर-अजमेर रोड से झाँसी, गोरखपुर आदि स्थानों की ओर जाने वाले लगभग 400 श्रमिकों के लिए प्रतिदिन दोनों समय के भोजन का प्रबंध किया गया।

श्रम साधकों को विशेष भोजन

प्रवासी श्रमिकों के लिये अलवर के लॉईस विश्वविद्यालय में ठहरे 266 श्रमिकों की भोजन व्यवस्था नहीं थी। जैसे ही स्वयंसेवकों को पता चला तो उन्होंने तुरंत व्यवस्था की और सभी को मनुहारपूर्वक सब्जी, पूड़ी के साथ खीर भी खिलाई।

गाँव पहुंचाने की व्यवस्था

जयपुर के स्वयंसेवकों द्वारा प्रवासी श्रमिकों को प्रशासन से समन्वय कर बस की व्यवस्था करके उनके गाँव पहुँचाने की व्यवस्था की गई। फुलेरा के रेलवे कॉरिडोर में कार्यरत लोगों को ठेकेदार

अनुकरणीय गाथा

आंसू बने संकल्प

एक दिन प्रागपुरा (जयपुर) के स्वयंसेवक रात्रि 9 बजे पूरे दिन के सेवा कार्य की चर्चा कर रहे थे। उसी समय एक स्वयंसेवक के मोबाइल पर एक अनजान नम्बर से कॉल आई। कॉल करने वाले ने कहा कि हम आपके गांव के बस अड्डे पर खड़े हैं और तीन दिन से हमने कुछ खाया नहीं है। इसलिए आपको फोन किया है। कुछ खाने को मिल जाए तो आभारी रहेंगे।

बात सुनते ही उसका मन परेशान हो गया। वह अन्य दो स्वयंसेवकों के साथ भोजन लेकर बस अड्डे पहुंचा। उस व्यक्ति से बात की तो **सुन कर आश्चर्य हुआ कि वह साइकिल पर पत्नी और बच्चों को लेकर मुम्बई से आ रहा है और उसे लखनऊ जाना है।** उसने बताया कि वह मुम्बई में टाइल लगाने का काम करता था। कुछ दिनों तक मकान मालिक ने भोजन करवाया लेकिन कुछ आमदनी नहीं होते देख मकान मालिक से दो दिन का भोजन लेकर परिवार सहित साइकिल पर निकल पड़ा। लॉकडाउन के कारण रास्ते में पुलिस परेशान ना करे इसलिए यह पूरा परिवार मुख्य मार्गों से बचता हुआ प्रागपुरा तक आ गया था। इस यात्रा में अजमेर तक तो परिवार को कुछ न कुछ खाने को मिलता रहा, लेकिन अजमेर से जयपुर और फिर प्रागपुरा तक के लगभग

राष्ट्रीय राजमार्ग 8 पर लगा बैनर

250 किलोमीटर के सफर में इन्होंने कुछ नहीं खाया था। बच्चे भी भूखे थे तथा आगे का सफर बहुत लम्बा था।

इस परिवार की कहानी सुन कर स्वयंसेवकों की आंखें नम हो गईं। उन्होंने इस परिवार को भोजन कराया, साथ में दो दिन का भोजन और कुछ राशि भी दी।

उस व्यक्ति के आंसुओं ने ऐसे लोगों की सेवा आगे भी करते रहने का संकल्प मन में उत्पन्न किया। बाद में वहां प्रवासी परिवारों की सेवा का कार्य आरंभ हो गया।

नारायण भाव से चप्पल पहनाते हुए (चाकसू, जयपुर)

ने निराश्रित छोड़ दिया था तथा अपना दूरभाष बंद कर लिया। स्वयंसेवकों ने ठेकेदार से सम्पर्क कर सभी को घर पहुंचाने की व्यवस्था की। मेड़ता से जैसलमेर जा रहे 60 मुस्लिम श्रमिकों को स्वयंसेवकों ने बस करके उनके घर तक पहुंचाया।

पदवेश पहनाकर लिया आशीर्वाद

सैकड़ों किलोमीटर पैदल चलने के बाद श्रमिकों के पैरों में सूजन व छाले पड़ गए। इनकी जमा पूंजी भी समाप्त हो गई। भरतपुर के स्वयंसेवकों तथा साइकिल क्लब के सदस्यों द्वारा प्रवासियों को 1438 जोड़ी पदवेश पहनाये गये। **चाकसू में स्वयंसेवकों ने झारखंड जा रहे श्रमिकों को पदवेश पहनाने का कार्य तो किया ही, साथ ही श्रमिकों के पैरों में मेंहदी भी लगाई, जिससे उन्हें शीतलता का अनुभव हो सके। इस दृश्य को**

अनुकरणीय गाथा

देशराज की प्याऊ

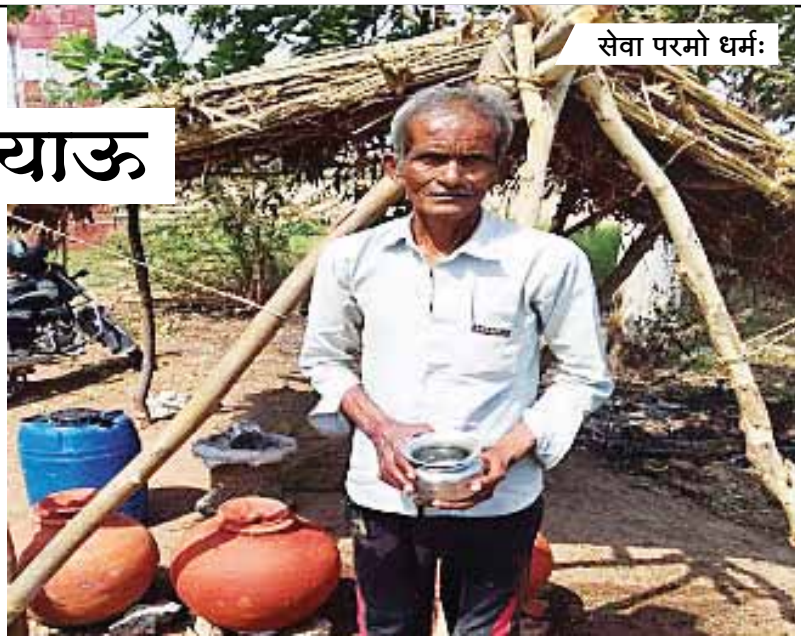

भरतपुर से लगते राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक गांव है, जिसका नाम है चिचाणा। देशराज चिचाणा गांव का ही रहने वाला है। वह अत्यन्त निर्धन व्यक्ति है और कोरोना के कारण उनकी आजीविका पर संकट आ गया था फिर भी मन में विचार आया कि संभवतया मुझे भगवान ने इसलिये समय दिया होगा कि दूर-दूर से आ रहे श्रमिकों की सेवा कर सकूं।

अगले ही दिन देशराज ने स्वयं पानी के दो घड़े खरीदकर मुख्य मार्ग पर पानी पिलाने का कार्य प्रारम्भ कर दिया। इसके साथ-साथ प्याऊ (झोपड़ी) भी देशराज ने अपने पैसों से ही तैयार की। देशराज अपनी साइकिल से आर.ओ. प्लांट से पानी लाता व प्रवासी श्रमिकों को प्रेम से पिलाता।

देशराज के इस प्रयास से सभी ग्रामवासी भी प्रभावित हुए। उन्होंने देशराज के कार्य में हाथ बंटाते हुए उसकी आर्थिक सहायता भी की।

इस प्रकार मुख्य मार्ग पर जा रहे प्रवासी श्रमिकों के लिए पूरे 20 दिन तक पानी व भोजन की व्यवस्था की गई।

देखकर एक महिला श्रमिक बहुत भावुक हो गई। उन्होंने कहा कि राजस्थान में इतनी आवभगत, इतना प्रेम है, ऐसा कभी उन्होंने सोचा नहीं था। स्वयंसेवकों से सहायता पाकर श्रमिकों के चेहरे पर स्पष्ट रूप से प्रसन्नता देखने को मिलती और फिर वे अपने गंतव्य के लिए निकल पड़ते।

भावानुभूति

स्वयंसेवक खेमचंद बताते हैं, समाज का प्रत्येक वर्ग हमारा अपना हैं, इसी भाव के साथ कोरोना काल में पैदल जा रहे श्रमिकों की सहायता की गई। श्रम साधकों की सेवा हमारा कर्तव्य है। वहीं एक अन्य स्वयंसेवक गौरव ने बताया, पैदल जा रहे प्रवासी श्रमिकों की सहायता करना हमारी दिनचर्या का अंग बन चुका था।

जो वामविचारी सदैव संघ की आलोचना करते हुए नहीं थकते थे, वे पूरे कोरोना काल में कहीं नहीं दिखे। इन आरोप लगाने वालों ने स्वयं किसी को भी भोजन नहीं कराया, बल्कि प्रवासियों के कष्टों को बड़ा दिखाकर समाज में नकारात्मकता फैलाते रहे। ■

पूजन का मैं पुष्प मात्र हूँ
सेवा ही अधिकार

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

जन-जन का यही नारा
साफ सुथरा हो प्रदेश हमारा
ग्राम पंचायत रामावास

विधानसभा क्षेत्र जैतारण (पाली)

पाथेय कण
दीपोत्सव
के पावन पर्व पर
प्रकाशित
सेवा विशेषांक
पर सभी पाठकों व
प्रदेशवासियों को
हार्दिक
शुभकामनाएं

अविनाश गहलोत
विधायक, जैतारण

सरपंच समदुडी देवी
ग्राम पंचायत रामावास

गांव स्वच्छ तो देश स्वच्छ

समस्त ग्रामवासी व ग्राम पंचायत रामावास, जैतारण पाली (राज.)

अनुकरणीय गाथा

मिल गई मंजिल की राह

जेठ माह की तपती दुपहरी में धरती जैसे आग उगल रही थी, पेड़-पौधे तक झुलसकर दम तोड़ रहे थे। राजसमंद स्थित ईंट भट्टे के मजदूर सिर पर सामान की गठरी बांधे, गमछे व कपड़े को मास्क की तरह मुँह पर लपेटे, अपने स्त्री-बच्चों व परिवार को लेकर पैदल ही चल पड़े। तपती गर्म सड़कों पर झुलसाती तेज हवाओं को चुनौती देते, अपनी मंजिल की ओर, अपने घर के सुकून की चाह मन में संजोए।

मार्ग के अनेक कष्टों को सहते हुए अपने छोटे-छोटे बच्चों और महिलाओं के साथ ये मजदूर परिवार भीलवाड़ा पहुँचे।

भीलवाड़ा में संघ के अनेक कार्यकर्ता जब मजदूर बस्ती में भोजन पैकेटों का वितरण करने के उपरान्त लौट रहे थे तो उनकी नजर राजसमंद से पैदल आ रहे इन मजदूर परिवारों पर पड़ी।

स्वयंसेवक उनके पास पहुँचे और पूछा-''कहाँ जा रहे हो भाई।''

गंगाधर बोला -''अपने गाँव जा रहे हैं झांसी और चित्रकूट।'' यह सुनकर स्वयंसेवकों को आश्चर्य हुआ। इतनी दूर ये लोग पैदल जाने के लिए निकले हैं। उन्होंने मजदूरों से पूछा,''आपका गाँव तो बहुत दूर है, आप लोग पैदल कैसे जा सकेंगे?''

उदास स्वर में उमाशंकर कहने लगा-''अब का दूर भईया, अपने घर तो जानो ही है, पहुँच जावेंगे पैदल चलते-चलते।''

स्वयंसेवकों ने उनसे आग्रहपूर्वक निवेदन किया,''भाइयों, आप लोग यहाँ रूक कर कुछ विश्राम कर लीजिए, कुछ खा-पी लीजिए, तब तक हम कुछ व्यवस्था पर विचार करते हैं।''

कार्यकर्ता उनको पास के आश्रय स्थल ले गये। भोजन-पानी इत्यादि का प्रबंध किया और प्रेमपूर्वक उन्हें परोसा। कुछ मजदूरों के पैरों में पैदल चलने के कारण छाले पड़ गए थे तो उनका भी यथोचित उपचार कर उनके विश्राम की व्यवस्था की गई। मजदूर परिवार के सभी लोग अब राहत महसूस करने लगे थे। लेटे तो थकान के कारण उन्हें नींद भी आ गयी।

अब कार्यकर्ता आगे की योजना बनाने लगे कि इन सभी मजदूरों को झांसी भेजने का प्रबंध कैसे किया जाए। भीलवाड़ा जिला परिषद् के मुख्य कार्यकारी अधिकारी से संपर्क किया गया। सारी स्थिति समझाकर उनके लिए आवश्यक अनुमति आदि की व्यवस्था की गयी। स्वयंसेवकों को पता चला कि अगले दिन एक विशेष रेल श्रमिकों के लिए चलेगी जो झांसी भी जाने वाली है।

दूसरे दिन मजदूर परिवारों को लेकर कार्यकर्ता स्टेशन पहुँचे। रेल में जगह मिल गयी थी। कार्यकर्ताओं ने सभी को यथास्थान व्यवस्थित बिठाया। साथ में भोजन के पैकेट भी दिये। रेल का सायरन बजा, रेल चलने लगी, सभी मजदूर रेल की खिड़कियों से झांकते हुए अत्यंत प्रसन्न दिख रहे थे। उनकी आँखों में कृतज्ञता के भाव थे।

हाथ हिलाकर विदा कर रहे कार्यकर्ताओं का मन विपदाग्रस्त प्रवासी मजदूरों को घर भिजवाने की सेवा के अहसास से द्रवित और हर्षित हो रहा था। दोनों ओर ही भावधारा बह रही थी, और रेल छुक-छुक करती चल पड़ी, मंजिल की ओर।

अनुकरणीय गाथा

हम भी तो कुछ देना सीखें

गांव से अपने परिवार का पेट पालने आये ताराचंद को मजदूरी नहीं मिलने से खाने के लाले पड़ने लगे। ताराचंद अपने प्राणों को संकट में डालकर 12 सौ किलोमीटर दूर पटना के लिए पैदल ही निकल पड़ा। वह लगातार चलता रहा। इस उम्मीद में कि एक दिन वह अपने घर पहुंच ही जाएगा। बड़े स्तर पर हो रहे श्रमिकों के पलायन को देखकर प्रशासन उन्हें जगह-जगह क्वारंटाइन सेंटर बना कर रोक रहा था।

ताराचंद को भी प्रशासन ने सीकर के निकट पलसाना के राजकीय कन्हैयालाल तांबी स्कूल में क्वारंटाइन कर दिया।

पैदल चलने से मजदूरों के पैरों में छाले पड़ चुके थे, भूख भी लग रही थी। भूखे-प्यासे मजदूरों के प्राण मानों निकलने ही वाले थे।

क्वारंटाइन सेंटर में मजदूरों की सेवा-सुश्रुषा में संघ के कार्यकर्ता जुटे हुए थे। कार्यकर्ताओं ने उन्हें चिकित्सा व्यवस्था उपलब्ध करवाई एवं अपने घरों से भोजन लाकर स्नेहपूर्वक ग्रहण करवाया।

ताराचंद भी उनमें एक था। वह सोच कर ही स्तब्ध था कि जिस समय

मनुष्य को सामने वाले मनुष्य में साक्षात मौत दिख रही थी तब ये कार्यकर्ता क्वारंटाइन सेंटर में रह रहे श्रमिकों की इस प्रकार सेवा कर रहे थे जैसे वे कोई अपने ही हों।

स्वादिष्ट भोजन दोनों समय, बीच में अल्पाहार, रहने का समुचित सुंदर प्रबंध। ताराचंद नहा-धोकर भोजन की पंगत में बैठा। वाह! आज भोजन में मिठाई भी बनी थी, ताराचंद चाव से भोजन करने लगा, भोजन में तल्लीन ताराचंद का ध्यान एक कार्यकर्ता की आवाज ने भंग कर दिया। ''अरे भाई साहब! मिठाई लो। '' ताराचंद ने विनम्र भाव से मना कर दिया।

''नहीं, साहब मेरा पेट भर गया है। अब और नहीं, बस-बस हो गया।'' 'एक पीस तो लेना ही पड़ेगा आपको', यह कहते हुए कार्यकर्ता ने थाली में मिठाई परोस दी। ताराचंद एकटक उस कार्यकर्ता को देख रहा था। कौन लोग हैं ये? मैं क्या लगता हूँ इनका? क्या संबंध है मेरा इनसे? कितना स्नेह है मुझसे, भाव विभोर ताराचंद मिठाई खाने लगा।

उसका भोजन हो गया, थाली धोने नल के पास गया, बर्तन धो कर सामने बनी सीढ़ियों पर बैठ गया।

कभी भोजन कर रहे श्रमिकों को, तो कभी उनको भोजन करा रहे कार्यकर्ताओं को टकटकी बांधकर देख रहा था। उसी समय एक श्रमिक ने आकर कहा,''भाई तारे, कहां खो गए तुम!''

''अरे भाई खोया नहीं। मैं देख रहा हूँ कौन लोग हैं ये और हमारे क्या लगते हैं? अपने प्राणों को संकट में डाल कर क्यों चिंता कर रहे हैं हमारी?''

इन शब्दों ने साथ खड़े श्रमिकों को सोचने पर विवश कर दिया। ''हां तारे ये बात तो है...'' इसी बीच 4-5 श्रमिक और वहाँ आ गए।

''हां यार तारे, ये लोग इतना कुछ कर रहे हैं हमारे लिए और हम कुछ नहीं... हम भी कर सकते हैं क्या कुछ इनके लिए... ''

''हां यार, क्यों नहीं कर सकते हम, कर सकते हैं ना। दिन में हम कुछ काम कर सकते हैं। वैसे भी हम मेहनतकश लोग हैं, ठाले रहना अच्छा भी कहां लगता है?'' पास खड़े शंकर ने कहा।

ताराचंद की बात की चर्चा क्वारंटाइन सेंटर में रह रहे सभी श्रमिकों के बीच होने लगी। सबका अन्तर्मन जागृत हुआ।

क्वारंटाइन सेंटर अर्थात् विद्यालय का भवन जो काफी बड़ा था, उस पर लम्बे समय से किसी प्रकार का रंग-रोगन भी नहीं हुआ था।

विद्यालय भवन पर रंगाई-पुताई करने की सब श्रमिकों ने ठान ली। बस देर क्या थी, सेवा-सुश्रुषा में लगे प्रमुख कार्यकर्ताओं को बताया गया। ग्राम पंचायत के सरपंच तथा विद्यालय के शिक्षकों ने रंगाई-पुताई का सामान उपलब्ध करा दिया।

देखते ही देखते श्रमिकों ने कुछ ही दिनों में विद्यालय भवन को शानदार रंगाई-पुताई करके चमका दिया। कार्यकर्ता एवं गांव के लोग अभिभूत थे श्रमिकों का भाव देखकर। ताराचंद भी बहुत खुश था। संघ के कार्यकर्ताओं के साथ गा रहा था। **देश हमें देता है सबकुछ, हम भी तो कुछ देना सीखें...** ■

सीकर के पलसाना में विद्यालय भवन की सफेदी करते श्रमिक

जन-जन का यही नारा
साफ सुथरा हो प्रदेश हमारा
ग्राम पंचायत बेड कलां

विधानसभा क्षेत्र जैतारण (पाली)

दीपोत्सव
के पावन पर्व पर
पाथेय कण के
सेवा विशेषांक
प्रकाशन पर
सभी पाठकों व
प्रदेशवासियों
को हार्दिक
शुभकामनाएं

अविनाश गहलोत
विधायक, जैतारण

सरपंच गुड्डी देवी
ग्राम पंचायत बेड कलां

गांव स्वच्छ तो देश स्वच्छ

समस्त ग्रामवासी व ग्राम पंचायत बेड कलां, जैतारण पाली (राज.)

जन-जन का यही नारा
साफ सुथरा हो प्रदेश हमारा
ग्राम पंचायत रास

विधानसभा क्षेत्र जैतारण (पाली)

दीपोत्सव
के पावन पर्व पर
पाथेय कण के
सेवा विशेषांक
प्रकाशन पर
सभी पाठकों व
प्रदेशवासियों
को हार्दिक
शुभकामनाएं

अविनाश गहलोत
विधायक, जैतारण

सरपंच ज्योति महावर
ग्राम पंचायत रास

गांव स्वच्छ तो देश स्वच्छ

समस्त ग्रामवासी व ग्राम पंचायत रास, जैतारण पाली (राज.)

जन-जन का यही नारा
साफ सुथरा हो प्रदेश हमारा
ग्राम पंचायत बलाडा

विधानसभा क्षेत्र जैतारण (पाली)

दीपोत्सव
के पावन पर्व पर
पाथेय कण के
सेवा विशेषांक
प्रकाशन पर सभी
पाठकों व प्रदेशवासियों
को हार्दिक
शुभकामनाएं

अविनाश गहलोत
विधायक, जैतारण

ओम प्रकाश गुर्जर
सरपंच बलाडा

गांव स्वच्छ तो देश स्वच्छ

समस्त ग्रामवासी व ग्राम पंचायत बलाडा, जैतारण पाली (राज.)

जन-जन का यही नारा
साफ सुथरा हो प्रदेश हमारा
ग्राम पंचायत मोहराई

विधानसभा क्षेत्र जैतारण (पाली)

दीपोत्सव
के पावन पर्व पर
पाथेय कण के
सेवा विशेषांक
प्रकाशन पर सभी
पाठकों व प्रदेशवासियों
को हार्दिक
शुभकामनाएं

अविनाश गहलोत
विधायक, जैतारण

देवी सिंह राजपुरोहित
सरपंच ग्राम मोहराई

गांव स्वच्छ तो देश स्वच्छ

समस्त ग्रामवासी व ग्राम पंचायत मोहराई, जैतारण पाली (राज.)

सब समाज को लिए साथ में आगे है बढ़ते जाना

संघ सभी देशवासियों को अपना मानता है। जात-पात, पंथ-मजहब, प्रांत, भाषा, व्यवसाय कुछ भी हो सब भारत माता की संतानें हैं। सेवा कार्य करते समय भी स्वयंसेवकों का यही व्यवहार रहता है। इससे भिन्न विचार रखने वालों को जब निकट से स्वयंसेवकों का व्यवहार देखने का अवसर प्राप्त होता है तो उन्हें सत्य का आभास होता है। प्रस्तुत है ऐसी ही दो घटनाएं :

मेरा सोचना गलत था

बाँसवाड़ा जिले में विद्या भारती की जनजाति समिति द्वारा संचालित 'कोठारा परियोजना' के माध्यम से 120 परिवारों में राशन किट वितरित किये गये तथा घर-घर जाकर लोगों को भय मुक्त करने हेतु हवन (छोटे रूप में) का आयोजन भी किया गया। धीरे-धीरे वे सामान्य स्थिति में लौटने लगे।

थोड़ी स्थिति सामान्य होने पर एक स्वयंसेवक परिवारों से सम्पर्क हेतु गया। ईसाई पंथ में मतान्तरित बहिन शीला डिंडोर से चर्चा हुई तो उनके हृदय से स्वाभाविक उद्‌गार प्रकट हुये कि वर्षों से ईसाई बने हुये हैं, परन्तु इस संकट काल में कोठारा परियोजना के कार्यकर्ता सतत हमारे परिवार से सम्पर्क में ही नहीं रहे, अपितु हमारी आर्थिक स्थिति को ध्यान में रखकर हमारे लिए लगभग एक माह के भोजन की व्यवस्था भी की।

उन्होंने चर्चा में यह भी कहा कि मैं एक ईसाई होने के कारण संघ तथा परियोजना को विरोधी मान रही थी, लेकिन अब पता चला कि आप लोग तो सबके साथ समान व्यवहार करते हैं तथा बिना भेद-भाव के सेवा में भी लगे हुए हैं। मैं अभिभूत हूँ, मेरा विचार गलत था, आज मुझे वास्तविकता की जानकारी हुई। मुझे भविष्य में कोई भी सेवा का अवसर प्राप्त हुआ तो मैं अपने को सौभाग्यशाली मानूँगी, मैं सदैव विद्या भारती की ऋणी रहूँगी।

बांसवाड़ा के त्रिपुरा सुन्दरी क्षेत्र में जनजाति समाज की सेवा में रत विद्या भारती कार्यकर्ता

सीकर के रूकनसर ने दर्शाया समरसता का व्यवहार

अनुसूचित वर्ग के किसान के खेत में ग्रामीणों ने कटवाई फसल

कोरोना वायरस संक्रमण में किसानों के लिये सबसे बड़ी समस्या फसल कटवाने के लिए श्रमिकों की व्यवस्था करना था। अनेक कृषकों की फसल श्रमिक नहीं मिलने के कारण खराब हो सकती थी। ऐसे में फतेहपुर खण्ड के गांव रूकनसर के ग्रामीणें ने एक कृषक के खेत में सामूहिक योगदान से फसल कटवाने में परिश्रमपूर्वक सहयोग किया। फसल कटवाई के समय भौतिक दूरी का पूरा ध्यान भी रखा।

भाजपा नेता गोरधन सिंह रूकनसर ने बताया कि गांव के किसान भाई सुभाष मेघवाल ने अपने 50 बीघा खेत में गेहूँ की फसल बो रखी थी, लेकिन लॉकडाउन के चलते फसल की कटाई के लिये श्रमिक नहीं मिल रहे थे, तो सभी ग्रामवासी एक साथ मिलकर समस्या का समाधान करने में जुट गये। देखते ही देखते उपज उनके घर पहुंचा दी। काश! विभिन्न राजनैतिक दल, नक्सलवादी नेता, जातीय नेता जातीय संघर्ष के बजाय ऐसे समरसता युक्त मार्ग को बढ़ावा देते।

बस्तियों में सांझी रसोई

तालाबंदी के दौरान जयपुर के जवाहर नगर टीलों में माधव सेवा न्यास द्वारा सांझी रसोई का संचालन किया गया। सांझी रसोई का अर्थ है दोनों पक्षों का सांझा सहयोग। जिनके पास खाद्य सामग्री थी, वे लेकर आए और यदि सामग्री नहीं थी तो उन्होंने पकाने के काम में अपना समय व श्रम लगाया। बस्ती के सब स्त्री पुरुष एक साथ आकर मिलकर भोजन बनाते थे। जो लोग वहां भोजन करना चाहते थे, उन्हें वहीं सोशल डिस्टेंसिंग (तन-दूरी) की पालना करते हुए भोजन करवाया जाता था। बच्चों एवं बुजुर्गो के लिए भोजन घर पहुंचाया जाता था। भारत में सदियों तक सामूहिकता व सहकारिता का संस्कार देने वाली सांझा चूल्हे की परंपरा कोरोना काल के दौरान माधव सेवा न्यास के प्रयास से जवाहर नगर की सभी सेवा बस्तियों में फिर से जीवंत हो गई।

संघ स्वार्थ, प्रसिद्धि या अपना डंका बजाने के लिए सेवाकार्य नहीं करता। 130 करोड़ का समाज है यह अपना देश है, इसके लिए हम कार्य करते हैं। जो पीड़ित-वो अपने। सबके लिए कार्य करना है। कोई छूटे नहीं। यही हमारा संकल्प है।

– डॉ. मोहन भागवत

टोंक की आजाद शाखा द्वारा काली पलटन क्षेत्र में सेवा

ज़ोहरा बीबी की दुआएं

जयपुर से लगभग सौ किलोमीटर की दूरी पर स्थित टोंक कस्बे में कोरोना काल के दौरान अनेक परिवार खाद्य सामग्री का अभाव झेल रहे थे। सभी को प्रतीक्षा थी सरकारी या गैर सरकारी संगठनों की ओर से दी जाने वाली मदद की। संघ के कार्यकर्ताओं तक जब ये समाचार पहुंचने लगे तो राहत भिजवाने का प्रबंध किया गया।

टोंक में बड़ी संख्या में मुस्लिम आबादी भी निवास करती है। टोंक में संघ की आजाद शाखा के कार्यकर्ताओं ने इन मोहल्लों तक सहयोग पहुंचाने का संकल्प लिया। शहर के काली पलटन क्षेत्र में मुस्लिम भाई-बहनों ने जब संघ की ओर से लायी जा रही खाद्य सामग्री को देखा तो वे इसी संकोच में रहे कि यह मदद तो सिर्फ हिंदुओं के लिये ही होगी। एक बूढ़ी माता जी-ज़ोहरा बीबी भी सहायता की प्रतीक्षा में थी और लकड़ी के सहारे से संघ कार्यकर्ताओं के पास आकर खड़ी हो गयीं। उनके यहां कई दिनों से राशन सामग्री समाप्त थी और आस-पड़ोस की मदद से वे गुज़ारा कर रहीं थी। जब उनके घर आटे का कट्टा और अन्य सामान रखवाया गया तो उन्हें यकीन ही नहीं हुआ, वे आंखों में आंसू भरकर दुआएं देने लगीं। ज़ोहरा बीबी को कार्यकर्ताओं ने विश्वास दिलवाया कि वे सामग्री समाप्त होने से पहले पुन: आ जायेंगे।

ज़ोहरा बीबी की सहायता का दृश्य देख मोहल्ले के अन्य परिवार भी इकट्ठा होने लगे। उन्होंने बताया कि वे तो यही समझ रहे थे कि यह तो आर.एस.एस. वाले हैं और हिंदुओं की मदद करने हेतु आए हैं; तब कार्यकर्ताओं ने उनको समझाया कि संघ किसी से भेदभाव नहीं करता, जिसको भी अभाव है या जो पीड़ित हैं, उन सभी की मानवता के आधार पर बिना पक्षपात किए सहायता करना ही हमारा उद्देश्य है। यह सुनकर लोगों ने सहायता वितरण में हाथ बंटाना शुरू किया और देखते ही देखते आपसी भाईचारे और सद्भाव का वातावरण आस-पास फैल गया।

अब जब भी कार्यकर्ता टोंक के इन मोहल्लों में जाते हैं तो लोग तुरंत आकर अपनी परेशानियां बताने लगते हैं और उनके अभाव दूर करने का भरसक प्रयास किया जाता है। जब भी ज़ोहरा बीबी के मोहल्ले में जाना होता है, वे आग्रहपूर्वक अपने घर ले जाती हैं और चाय पिलाये बिना नहीं आने देतीं। ■

जन-जन का यही नारा
साफ सुथरा हो प्रदेश हमारा
ग्राम पंचायत आगेवा

एक कदम स्वच्छता की ओर

विधानसभा क्षेत्र जैतारण (पाली)

दीपोत्सव

के पावन पर्व पर

पाथेय कण के

सेवा विशेषांक

प्रकाशन पर सभी

अविनाश गहलोत
विधायक, जैतारण

गौभक्त राकेश सरगरा
सरपंच आगेवा

पाठकों व प्रदेशवासियों

को हार्दिक

शुभकामनाएं

गांव स्वच्छ तो देश स्वच्छ

समस्त ग्रामवासी व ग्राम पंचायत आगेवा, जैतारण पाली (राज.)

जन-जन का यही नारा
साफ सुथरा हो प्रदेश हमारा
ग्राम पंचायत पाटवा

एक कदम स्वच्छता की ओर

विधानसभा क्षेत्र जैतारण (पाली)

दीपोत्सव

के पावन पर्व पर

पाथेय कण के

सेवा विशेषांक

प्रकाशन पर सभी

अविनाश गहलोत
विधायक, जैतारण

ललित जैन
सरपंच पाटवा

पाठकों व प्रदेशवासियों

को हार्दिक

शुभकामनाएं

गांव स्वच्छ तो देश स्वच्छ

समस्त ग्रामवासी व ग्राम पंचायत पाटवा, जैतारण पाली (राज.)

आप सभी देशवासियों को
सेवा विशेषांक प्रकाशन व
दीपावली की

हार्दिक शुभकामनाएं

जोराराम कुमावत
विधायक सुमेरपुर

अशोक कुमार
पुत्र लालाराम जी राठौड़

निवास - गलथनी, तहसील-सुमेरपुर जिला पाली
मो.9602414441

सेवा विशेषांक प्रकाशन एवं दीपोत्सव की सभी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

सुजाराम प्रजापत
सरपंच-आहोर

एक कदम स्वच्छता की ओर

पुराराम मेघवाल
ग्राम विकास
अधिकारी-आहोर

लालचंद जैन
उप सरपंच-आहोर

- कोरोना महामारी से बचाव के लिए मास्क व सामाजिक दूरी का पालन करें।
- गांव को स्वच्छ और सुन्दर बनाए।
- पंचायत भूमि पर अतिक्रमण नहीं करें।
- घर-घर शिक्षा की अलख जगाएं।
- पेड़ लगाए गांव को हरा-भरा बनाए।

कार्यालय ग्राम पंचायत आहोर, पं.सं. आहोर

व्यापक जागरण एवं परामर्श

तुलसी नारायण

विचित्र बीमारी है कोरोना। न इसके इलाज की कोई निश्चित दवा है, न ही अभी तक कोई वैक्सीन बना है। आधे से ज्यादा बीमारों में कोई लक्षण भी प्रकट नहीं होते, परन्तु उनसे बीमारी का संक्रमण अवश्य होता है। इस बीमारी से बचाव का अभी तो एक ही उपाय है– जन–जागरण। जन–जागरण ताकि लोग मास्क पहनें, दो गज दूरी रखें और इस बात का भी जागरण कि अपनी रोग–प्रतिरोध क्षमता बढ़ाइये, काढ़ा पीजिये, होम्योपैथी दवा लीजिये ताकि अपना बचाव हो सके।

संघ के स्वयंसेवकों ने कोरोना काल में विभिन्न प्रकार के सेवा कार्यों के साथ–साथ भरपूर जन–जागरण भी किया। जागरण में घर–घर जाकर पत्रक वितरण, स्लोगन लिखना एवं रंगोली बनाने जैसे काम किए गए। डॉक्टर्स, पुलिस, सफाईकर्मी जैसे कोरोना–योद्धाओं का सर्वत्र सम्मान करने से भी आमजन में व्याप्त भय कम होकर बीमारी से लड़ने के भाव में दृढ़ता आयी।

मां का आशीर्वाद

अजमेर में राशन किट बांटने का दायित्व आया अंकुर के पास। किट लेकर कार्यकर्ता पर्वतपुरा सेवा बस्ती में गए। भौतिक दूरी का ध्यान रख किट बांट रहे थे। अंकुर सबके साथ अनौपचारिक बातें भी कर रहे थे।

अब लगभग सारे किट बांटे जो चुके थे, कुछ ही बचे थे। इतने मैं एक माताजी, जिन्हें किट मिला था और हमारी बातें भी सुन रही थी, वे अंकुर को बोलकर गईं कि मैं आती हूं तब तक जाना मत।

टीम के सदस्य एक दूसरे को देखने लगे। कुछ समय बाद माताजी लौंटी। उन्होंने एक थैला अंकुर को दिया और कहा, आप लोग राशन किट बांट रहे है, अनेक स्थानों पर आना–जाना होता ही होगा। सेवा कार्य करते समय आप लोगों को स्वयं का ध्यान भी रखना चाहिए। इसमें कुछ मास्क हैं, जो मैंने अपने हाथों से सिले हैं। ये तुम लोगों के लिए हैं।

अंकुर की आंखें नम हो गईं। उसने उस थैले को मां का आशीर्वाद समझ स्वीकार किया।

– विवेकानन्द केन्द्र, अजमेर

परामर्श केन्द्र

बस स्टैण्ड एवं रेलवे स्टेशनों पर भी परामर्श केन्द्र खोले गये। इनके माध्यम से प्रवासी मजदूरों को सब प्रकार की सलाह और सहायता दी गई।

कोरोना काल में घोषित सरकारी योजनाओं की जानकारी लोगों तक पहुँचाना जरूरी था। खाद्य सुरक्षा जैसी योजनाओं में कैसे नाम जुड़वाया जाता है, सरकारी आर्थिक सहायता कैसे प्राप्त की जा सकती है, यह सब भी स्वयंसेवकों ने लोगों को बताया। जयपुर सहित अनेक स्थानों पर खोले गये परामर्श केन्द्रों पर स्वयंसेवकों ने लोगों तक सहायता पहुंचाने, उनकी विभिन्न समस्याओं का निदान ढूंढने एवं लोगों में सकारात्मकता

कोरोना काल के दौरान प्रतापगढ़ में स्वयंसेवकों ने सेवित बंधुओं के लिये कई स्थानों पर गोले अंकित किये जिससे भौतिक दूरी एवं व्यवस्था बनी रहती थी।

विकसित करने का कार्य किया। परामर्श कार्य के लिए परामर्श डॉट इंफो नामक एक वेबसाइट बनाई गयी है जिसके माध्यम से आर्थिक, मानसिक एवं पारिवारिक विषयों के लिए परामर्श दिलाने की व्यवस्था की गई।

हेल्प लाइन

संघ से जुड़ी मातृशक्ति ने दिल्ली में एक हेल्प लाइन सेवा शुरू की है। यह सेवा लॉकडाउन के दौरान घरेलू हिंसा की शिकार महिलाओं के लिए है।

इस हेल्प लाइन सेवा के साथ दिल्ली की महिला अधिवक्ता, डॉक्टर, कारोबारी, प्रोफेसर, शिक्षाविद, सामाजिक कार्यकर्ता और दूसरे क्षेत्रों में काम करने वाली वे महिलाएं बड़ी संख्या में जुड़ी हैं जो संघ के स्वयंसेवकों के परिवारों से हैं। संघ की तरफ से शुरू की गई हेल्प लाइन के माध्यम से महिलाओं की समस्या का निदान किया जाता है और उनकी टेलीफोन के माध्यम से ही काउंसलिंग भी की जा रही है। इस हेल्प लाइन के लिए एक नंबर जारी किया गया है। इस हेल्प लाइन पर महिलाएं अपनी समस्याओं के बारे में फोन कर सुझाव और निदान मांग सकती हैं।

तेलंगाना में मेडिकल हेल्प लाइन कॉल सेंटर

छोटी-मोटी बीमारियों या कम लक्षणों वाले रोगियों के लिए घर बैठे फोन के द्वारा निःशुल्क चिकित्सकीय सलाह संभव करने के लिए तेलंगाना में सेवा भारती द्वारा एक कॉल सेंटर-मेडिकल हेल्प लाइन डेस्क का आरंभ किया गया है। संघ से जुड़े 100 से ज्यादा डॉक्टर इस हेतु अपनी सेवाएँ दे रहे हैं। प्रवासी श्रमिकों, घुमन्तु समुदाय, ग्रामीण आबादी आदि को लगातार सेवा देना इस सेंटर की पहली प्राथमिकता में रहता है। ■

सीमा जनकल्याण समिति द्वारा वितरित स्टीकर

सीमा पर जागरण कार्य

कोरोना काल में सीमाजन कल्याण समिति ने समाज सेवा के अनेक कार्य किये। पाक विस्थापित परिवार जोधपुर से जैसलमेर जिले के बॉर्डर क्षेत्र पर मजदूरी करने आये हुए थे। लॉकडाउन के कारण उनका जोधपुर जाना संभव नहीं था। उनके लिये लम्बे समय तक जैसलमेर में ही भोजन व ठहरने की समुचित व्यवस्था की गई। सीमा सुरक्षा बल की 119वीं बटालियन के जवानों, जो छुट्टियों पर अपने घर गये हुए थे, वापस ड्यूटी पर आने पर क्वारंटाइन के लिये सीमाजन के छात्रावास का भवन 18 दिन के लिये उपलब्ध करवाया गया। सीमाजन कल्याण समिति, बीकानेर द्वारा कोरोना से बचाव के लिए सीमावर्ती गांवों में जाकर जन-जागरण अभियान चलाया जा रहा है। इस हेतु 7 हजार स्टीकर्स बनाये गये। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय बौद्धिक शिक्षण प्रमुख श्री स्वांतरंजन, क्षेत्र प्रचारक श्री निम्बाराम व विभाग संघचालक श्री टेकचंद ने इन स्टीकरों का विमोचन किया।

सांसद सुखबीर सिंह जौनापुरिया

द्वारा अपने संसदीय क्षेत्र (टोंक व सवाई माधोपुर) हेतु करवाएं गए विकास कार्य

- भारत माला परियोजना के तहत् 90 हजार करोड़ की लागत से 1250 कि.मी. लम्बें देहली-मुम्बई एक्सप्रेसवे वाया सवाई माधोपुर का निर्माण कार्य
- 40 हजार करोड़ की लागत से राजस्थान ईस्टर्न कैनाल प्रोजेक्ट से टोंक व सवाई माधोपुर सहित राजस्थान के 13 जिलें होंगे लाभांवित, सिंचाई के साथ-साथ हर घर को होगा नल से पेयजल उपलब्ध
- सडक/राजमार्ग निर्माण कार्य-
  टोंक (एनएच116 (टोंक-सवाई माधोपुर), दूदू-पचेवर-मालपुरा -छाण,
  उनियारा-गुलाबपुरा-उज्जैन, सोहेला-डिग्गी रोड)
  सवाई माधोपुर (सवाई माधोपुर से बोदल - खण्डार रोड लालसोंट से गंगापुर सिटी सवाई माधोपुर से शिवाड, पीपलदा से मित्रपुरा, बौली से जस्टाना, गंगवाडा से जोलन्दा,औलवाडा से मलारना स्टेशन)
- 1856 करोड़ की लागत से ईसरदा बांध परियोजना से टोंक - सवाई माधोपुर को मिलेगा जल
- टोंक व सवाई माधोपुर जिले हेतु मेडिकल कॉलेज स्वीकृत (बजट 650 करोड़)
- वित्त वर्ष 2020-21 में सीआरआईएफ योजना के तहत टोंक जिलें हेतु 100 कि.मी. लम्बी, 6 सडकें स्वीकृत
- केन्द्रीय विद्यालय टोंक व कृषि ऑडिटोरियम बनकर तैयार (बजट 25 करोड़)
- केन्द्र सरकार के चौदहवें व पंद्रहवें वित्त आयोग द्वारा ग्राम पंचायतों के विकास के लिए जारी राशि
- प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत् 40,000 आवास निर्मित (बजट 560 करोड़)
- बीसलपुर पेयजल परियोजना से टोंक जिले को पानी उपलब्ध कराने के कार्य (बजट 846 करोड़)
- किसान सम्मान निधि के तहत लाभांवित किसानों की संख्या
- टोंक, सवाई माधोपुर व गंगापुर सिटी में सीवरेज व पेयजल कार्य (बजट 700 करोड़)
- सांसद निवास, टोंक पर संचालित, सांसद रसोई से विगत कुछ वर्षो से 5,000 भोजन पैकेट्स तैयार और संसदीय क्षेत्र (के मातृ एवं शिशु चिकित्सालय व सआदत चिकित्सालय सहित) की जनता में निजी खर्च से व्यक्तिगत व नियमित रूप से वितरित
- कोरोना काल से लेकर अभी तक भोजन सामग्री, नकद राशि, कपडे व मास्क, सेनेटाइजर्स आदि जरूरतमंदों को निजी खर्च से व्यक्तिगत रूप से वितरित किये गए

पढ़ो जागरूक। बनो जागरूक।

जागरूक टाइम्स

नारायण पब्लिकेशन प्रा. लि.

मुम्बई कार्यालय

श्रीनाथकृपा बिल्डिंग ।।, दूसरा माला, कस्तुरबा क्रॉस रोड नं. 5,
बोरीवाली (पूर्व)-मुंबई-66 फोन: 022-28070025/26
e-mail : jagruktimes@gmail.com

जयपुर कार्यालय

कोरल स्टूडियो-1, प्लॉट नं. बी-64/65 , फ्लैट नं. 106, सहकार
मार्ग, इमली फाटक, जयपुर। फोन: 0141-2743001
e-mail : Jtjaipur@gmail.com

सिरोही कार्यालय

ई, 3 सारणेश्वर रीको औद्योगिक
क्षेत्र सिरोही 307001 फोन: 02972-221920
e-mail : jtsirohi@gmail.com

आयु को मात देता उत्साह

नारी तू नारायणी

> अपने कार्य का आधार है अपनत्व की भावना। स्नेह और प्रेम अपने व्यवहार में दिखना चाहिए।
>
> – डॉ. मोहन भागवत

डॉ. शुचि चौहान

किसने सोचा था कभी ऐसे दिन भी देखने पड़ेंगे। कोविड महामारी ने जिंदगी के अकल्पनीय पहलू भी सामने ला दिए। न जाने कितने लोगों ने स्वजनों को कोविड पीड़ित होने पर एम्बुलेंस में अस्पताल जाते तो देखा लेकिन ठीक होकर घर आते नहीं देख पाए।

इस दौर में ऐसे न जाने कितने दृश्य सामने आए जिन्होंने मनुष्य को बार–बार यह सोचने पर विवश कर दिया कि शरीर तो नश्वर ही है पता नहीं कब बुलावा आ जाए। साथ में केवल सत्कर्म ही जाने हैं। मनुष्य के होने या न होने के बीच बस एक सांस की दूरी होती है। उस सांस के पूरा होते ही मनुष्य मात्र एक शव बनकर रह जाता है।

ऐसे समय में गरीबों पर तो जैसे संकट का पहाड़ टूट पड़ा। काम छूट जाने से आर्थिक अनिश्चितता तो हुई ही, संक्रमण के डर के साये ने भी मंडराना शुरू कर दिया। लेकिन इसी दौर में भारत की मूल आत्मा के भी बार–बार दर्शन हुए। महामारी आने की आशंका मानव को मानव के और निकट ले आई।

केरल की धनम्मा ने अपनी एक माह की पेंशन सेवा कार्यो के लिए दान में दे दी। वहां सेवा कार्यों में लगे संघ के स्वयंसेवक बताते हैं कि जब वे लाइन में खड़े लोगों को राशन किट बांट

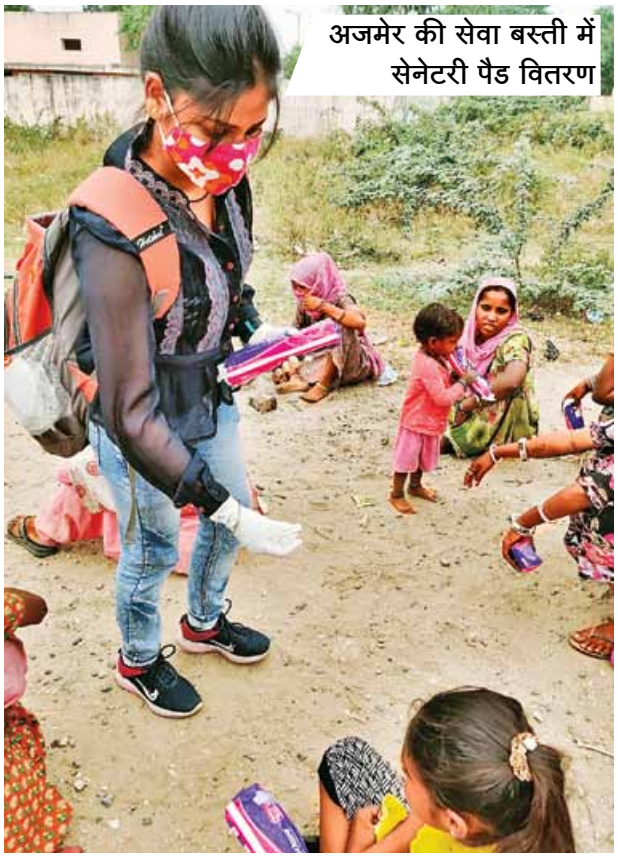

अजमेर की सेवा बस्ती में सेनेटरी पैड वितरण

रहे थे तो पास ही खड़ी धनम्मा को भी उन्होंने राशन किट देनी चाही लेकिन उन्होंने मना कर दिया। वे कई दिनों से स्वयंसेवकों को सेवाकार्य करते देख रही थीं। वे निस्वार्थ भाव से सेवा कार्य करते स्वयंसेवकों को देखकर इतना प्रभावित हुईं कि उन्होंने अपना यह योगदान दिया। लोगों की सहायता के लिए अनेक महिलाओं ने घर खर्च से बचाए पैसे दान धर्म में लगा दिए।

जयपुर की माया शर्मा ने एक दिन किसी समाचार पत्र में पढ़ा कि एक डॉक्टर दिनभर ड्यूटी करने के बाद अपने घर जाकर, जिनको आवश्यकता है उनके लिए मास्क भी सिलते हैं तो बस, यही समाचार उनके लिए प्रेरणा बन गया। अस्सी वर्ष की आयु में जब अधिक समय तक खड़ा रहना भी उनके लिए संभव नहीं था, ऐसी स्थिति में भी उन्होंने घंटों बैठकर 800 से अधिक मास्क सिल दिए। गंगापुर (भीलवाड़ा) की विमला देवी गोखरू ने स्वयं 3 हजार मास्क सिलकर आसपास के गांवों में वितरित किये।

जयपुर की ही कृष्णा ने जब पढ़ा कि भारत सरकार ने कोई मैन्युअल जारी किया है जिसमें कहा गया है कि यदि 50 प्रतिशत आबादी मास्क पहनती है तो केवल 50 प्रतिशत आबादी ही वायरस से संक्रमित होगी, लेकिन यदि 80 प्रतिशत आबादी मास्क का उपयोग करे तो इस महामारी के प्रभाव को तुरंत रोका जा सकता है। इस समाचार का उन पर इतना प्रभाव पड़ा कि उन्होंने महिला मंडल की महिलाओं से बात कर बड़ी संख्या में मास्क सिलने की तैयारी कर ली। यह संगठन की शक्ति ही थी कि मंडल कार्यकर्ताओं ने अपने अथक प्रयासों से जयपुर में कोरोनाकाल में दो लाख मास्क सिलकर बांट दिए। यहाँ के एक सरकारी अस्पताल में मास्क की कमी पड़ी तो अस्पताल ने सेवा भारती से सम्पर्क किया। संगठन की महिलाओं ने दो दिनों में बीस हजार मास्क सिलकर अस्पताल को दे दिए।

सेवा भारती से ही जुड़ी आदर्श नगर की एक महिला क्वारंटाइन सेंटर के 17 स्वास्थ्यकर्मियों के लिये अपने घर से 20 दिन तक दोनों समय भोजन बनाकर ले जाती थी और उनको गरम-गरम भोजन करवाती।

सेवा भारती महिला मंडल ने कोरोना काल में गरीब बस्तियों के लोगों की आवश्यकताओं को देखते हुए उन्हें मास्क, राशन, साबुन, सैनेटाइजर, बिस्किट, पेयजल, काढ़ा पाउडर तो दिया ही, महिलाओं व किशोरियों के लिए सैनिटरी पैड्स आदि उपलब्ध कराने का समुचित प्रबंध भी किया। इसके लिए आपस में भी फंड जुटाया और लोगों को भी अपनी अपनी सुविधानुसार उपर्युक्त चीजें या सहायता राशि देने का अनुरोध किया तो अनेक लोगों ने खुले मन से सहयोग भी किया।

यदि हम अपने समाज को ध्यान से देखें तो पाएंगे कि कुछ लोगों को सेवा कार्य करने का भी विशेष उत्साह होता है और यदि वे ऐसे संगठन से जुड़े हों जहां बौद्धिक खुराक ही राष्ट्रभक्ति, समाजसेवा, सामाजिक समरसता और निस्वार्थ सेवा की मिलती हो तो यह उमंग और बढ़ जाती है। ऐसे ही संगठन राष्ट्र सेविका समिति से जुड़ी धौलपुर की रेणु को जब वहाँ के दो ऐसे परिवारों का पता चला जिनमें परिवार के मुखिया की असामयिक मृत्यु हो गई थी तो उन्होंने न केवल उन परिवारों के लिए व्यक्तिगत स्तर पर दो

अनुकरणीय गाथा

मासूमों के दर्द का अहसास

भीलवाड़ा की श्रुति को एक महिला ने जानकारी दी कि कावा खेड़ा के अन्दर राशन सामग्री तो आ रही है लेकिन नन्हे-मुन्ने बच्चों, जिनके दांत नहीं है, के लिए दूध नहीं है, बगैर दूध के उन बच्चों की हालत खराब है। श्रुति ने यह बात अपने पिता को बतायी जो भारत विकास परिषद के प्रांतीय मंत्री भी हैं, तथा अपने मित्रों से भी चर्चा की। उसने विचार किया कि कुछ करना चाहिए। अतः व्हाट्स एप पर एक ग्रुप 'doing our bit' नाम से बनाया। नौकरी पेशा

मित्रों ने सहायता आरंभ की। लगभग रु. 27,000 एकत्रित हुए। उन से ढ़ाई सौ ग्राम के 300 पैकेट दूध पाउडर के बनवा वितरण करना तय हुआ।

संघ के कार्यकर्ताओं की मदद से यह दूध पाउडर पैक किया गया। फिर अक्षत, सिद्धि और ऐश्वर्या के साथ श्रुति ने बस्ती में जाकर पाउडर पैकेट्स का वितरण किया।

श्रुति ने बताया कि उनकी अगली योजना कच्ची बस्ती एवं माइग्रेंट मजदूरों का सर्वे कर उन्हें नौकरी-व्यवसाय आदि में सहयोग करना है। उन्होंने और राशि एकत्र कर 6 हजार रु. की दवाईयां एवं बांटा बीमार गायों के लिए दिया।

सिद्धि एवं ऐश्वर्या ने भी अपनी बचत के पैसों से 110 राशन किट बनवाकर वितरित किए।

माह तक राशन की व्यवस्था की, बल्कि उनका मानसिक सम्बल भी बनीं। ऐसे समय में रेणु ने अपनी साथी महिलाओं के साथ वृद्धाश्रम में न सिर्फ वृद्धों के साथ समय बिताया अपितु उन्हें घर पर बना भोजन भी उपलब्ध कराया। उन्होंने डॉ. श्वेता के सहयोग से वहाँ चिकित्सा कैम्प लगवाया, दवाइयां बांटी और बदले में उन बुजुर्गों की न जाने कितनी दुआएं और आशीर्वाद अपने साथ ले गईं।

सीकर में सेविका समिति की बहिनों ने 400 मास्क बनाकर सब्जी बेचने वालों, ऑटो चलाने वालों और झुग्गी-झोंपड़ी में रहने वालों में वितरित किये। फतेहपुर शेखावाटी की बहिनों ने हजारों परिवारों में होम्योपैथी दवाई पहुंचाई।

कोटपूतली में मातृ-शक्ति की संयोजिका रेणु ने हजारों मास्क वितरित किये। दुर्गावाहिनी से जुड़ी सजना कुमावत का कहना है कि अभावग्रस्तों की सेवा करना ही मानवता है।

घर-परिवार की ढेर सारी जिम्मेदारियों के बीच यह सब कर पाना इतना आसान नहीं होता। लेकिन जिसने कुछ करने का ठान ही लिया हो उसे कोई रोक भी नहीं सकता।

सुनयना का घर आगरा हाईवे पर है। वे वहां पति के साथ मिलकर एक ढाबा चलाती हैं। लॉकडाउन में उनके ढाबे के द्वार सभी जरूरतमंदों के लिए खुले थे। बरेली की कंचन के घर के पास एक ऐसी बस्ती है जहाँ के कई परिवार फिरोजाबाद के चूड़ी उद्योग में कामगार हैं, इनमें से कई श्वासरोगी हैं। कंचन ने इन सभी के लिए दवाइयों और रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाले काढ़ा पाउडर की व्यवस्था की। आज हम गौर करेंगे तो हमें अपने आस पास लॉकडाउन के दौर की ऐसी न जाने कितनी कहानियां सुनने को मिलेंगी जो किसी के लिए भी प्रेरणा बन सकती हैं। ऐसे लोग व उनके कार्य ही धर्म की आत्मा हैं। धर्म जो सर्वे भवन्तु सुखिन: की कामना करता है।

सनातन परम्परा में श्रेष्ठ नारियों जैसे अहिल्या, चनम्मा, दुर्गावती ने समाज के प्रति सेवा संवेदनशीलता का कर्तव्य निभाया वह आज भी प्रेरणा देता है।

आज पूरे भारतवर्ष में ऐसी न जाने कितनी धनम्मा, माया, कृष्णा, रेणु, अनीता और सुनयना हैं जो अपने-अपने स्थानों पर समाज सेवा के अगणित काम कर रही हैं। उन्हें कोई नहीं जानता लेकिन वे पूरे मनोयोग से घर - परिवार को संभालने के साथ ही समाजोत्थान में भी सनातन धर्म के मूल स्वभाव के अनुसार अपने पूर्वजों के पदचिन्हों पर चलते हुए अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। नारी तू नारायणी यूं ही नहीं कहा जाता। ■

देशव्यापी सर्वेक्षण

कोरोना महामारी तथा लॉकडाउन के कारण देश की आधी आबादी को हुई परेशानियों को जानने व निदान ढूँढने हेतु राष्ट्र सेविका समिति द्वारा एक देशव्यापी सर्वेक्षण किया गया।

सर्वेक्षण में देश के 7 राज्यों के 567 जिलों की 17 हजार माता-बहिनों से परोक्ष रूप से मिलकर या दूरभाष द्वारा आत्मीयतापूर्ण संवाद स्थापित करते हुए जानकारी जुटाई गई। कोरोना व लॉकडाउन के कारण क्या समस्या हुई, समाधान व सुझाव क्या हो सकते हैं आदि बिन्दुओं पर जानकारी जुटाकर गूगल फार्म भरवाए गये। सर्वेक्षण में युवतियों, गृहणियों, नौकरी-पेशा, ग्रामीण, सेवा बस्ती, जनजातीय सहित सभी वर्गों की महिलाओं को शामिल किया गया। इस सर्वेक्षण कार्य में 1220 तरुणियों ने कार्य किया। आगामी दिनों में इन समस्याओं के निदान हेतु समाज में कार्य किया जावेगा।

हज की राशि सेवा के लिए दी

खलीदा बेगम कोरोना वायरस के कारण लगे लॉकडाउन में जम्मू-कश्मीर में सेवा भारती द्वारा किए गए कल्याणकारी कार्यों से प्रभावित थीं और **पांच लाख रुपये** दान करने का फैसला लिया। वह चाहती हैं कि इस पैसे का इस्तेमाल सेवा भारती द्वारा जम्मू और कश्मीर में गरीबों और जरूरतमदों के लिए किया जाए। उन्होंने हज करने के लिए यह रकम बचाई थी, लेकिन वर्तमान परिस्थितियों में हज के लिए जाना उनके लिए संभव नही था।

।। श्री गणेशाय नमः ।।

सेवा विशेषांक प्रकाशन व दीपावली
हार्दिक शुभकानाएं

ठाकुरजी ग्रेनाईट्स

सभी प्रकार के भारतीय ग्रेनाईट्स एवं
टाईल्स उपलब्ध

विशेष : रोजी, पी. वाईट

शान्ति इण्डस्ट्रिज एरिया, फतेह ग्रेनाईट्स के पीछे,
भागली सिन्धलान्, जालौर 343001 (राज.)

प्रो. : गटू देवी व
सावित्री देवी
मो. 7727008854,
9414834885

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

जन-जन का यही नारा
साफ सुथरा हो प्रदेश हमारा
ग्राम पंचायत लौटोती

विधानसभा क्षेत्र जैतारण (पाली)

दीपोत्सव
के पावन पर्व पर
पाथेय कण के
सेवा विशेषांक
प्रकाशन
पर सभी पाठकों व
प्रदेशवासियों
को हार्दिक
शुभकामनाएं

अविनाश गहलोत
विधायक, जैतारण

सीता देवी ढ़ाडिया
सरपंच ग्रा.पं. लौटोती

गांव स्वच्छ तो देश स्वच्छ

समस्त ग्रामवासी व ग्राम पंचायत लौटोती, जैतारण पाली (राज.)

सेवा विशेषांक प्रकाशन की
हार्दिक मंगलकामनाएं

नाकोडा मार्बल उद्योग

मार्बल, ग्रेनाईट, कोटा,
धोलपुर, पींक स्टोन,
सीरामिक, सैनेट्री,
विट्रीफाइड फ्लोर टाईल्स
के विक्रेता

मैन रोड़, पैट्रोल पम्प के पास,
सियाण, जिला- जालौर (राज.)

चेताराम माली
प्रान्त अध्यक्ष,
हिन्दू जागरण मंच जोधपुर प्रांत

चेताराम माली मो. 9414398307, 8290869999
शान्तिलाल माली मो. 8290746666, 9413855813

आप सभी देशवासियों को दीपावली व
पाथेय कण के **सेवा विशेषांक**
प्रकाशन की

हार्दिक शुभकामनाएं

श्रीमती मधु कुमावत

प्रदेश मंत्री, भाजपा (राज.)

बच्चे भी योगदान में पीछे नहीं

कोरोना काल में समाज के सभी आयु वर्ग के लोगों ने जैसा भी जिससे बन पड़ा, वंचित–जरूरतमंदों की सहायता–सेवा करने में अपना योगदान दिया। बच्चे कहां पीछे रहने वाले थे। सर्वत्र अनुभव आया कि बच्चों ने भी भोजन पैकेट तैयार करवाने में, वितरण में और अन्य प्रकार से भी बड़ों का सहयोग किया। अनेक स्थानों पर बच्चों ने अपना गुल्लक तोड़ कर उसमें अपनी जमा पूंजी या तो 'पीएम केयर्स फंड' में जमा करवा दी या फिर सेवा कार्य में लगे स्वयंसेवकों को सौंप दी। प्रस्तुत है एक प्रतिनिधि गाथा

गुल्लक तोड़ा

मदनगंज–किशनगढ़ नगर के मझेला रोड़ स्थित दीपक नगर में अपने नाना–नानी रमेशचंद और मानकंवर के घर आए हुए बच्चे कनक और केशव ने अपनी गुल्लक तोड़कर उसमें से निकले 548 रुपये प्रधानमंत्री केयर फंड में जमा करवाए। कनक 12 वर्ष की है और कक्षा 7 में पढ़ती है और केशव 6 वर्ष का है और दूसरी कक्षा में पढ़ता है तथा स्वयंसेवक भी है। दोनों ने बताया कि आज पूरा विश्व कोरोना महामारी से जूझ रहा है, जितनी जिम्मेदारी प्रधानमंत्री जी की है इस देश को बचाने की, उतनी ही जिम्मेदारी हम सब की भी है। यह देश हम सबका है। हमें पापा–मम्मी, दादी, चाचा,नाना–नानी, मामा, मौसी की ओर से जो भी जेब–खर्च मिलता है, उसे हम अपनी गुल्लक में जमा करते हैं। इसे प्रधानमंत्री केयर्स फंड में सहयोग करने के लिए फोड़ा है। हमें यह प्रेरणा अपने माता–पिता से मिली है।

इदं न मम

भारतीय चिंतन का एक सिद्धान्त है–अपरिग्रह। न जाने किन–किन वस्तुओं का हम संग्रह करते रहते हैं जिनकी हमें आवश्यकता भी नहीं है। गांधी जी कहते थे– यदि प्रत्येक व्यक्ति सिर्फ उतना रखे जितने की उसे जरूरत है तो कोई अभावग्रस्त नहीं रहेगा और सब संतोष का जीवन जिएंगे।

'इदं न मम' अर्थात् यह मेरा नहीं, यह भारतीय दर्शन का घोष वाक्य है। 'इदं राष्ट्राय' अर्थात् यह राष्ट्र का है।

कोरोना काल में जरूरतमंदों की सेवा करते समय स्वयंसेवकों ने 'अपरिग्रह' और 'इदं न मम' के भाव को सामान्यजन के व्यवहार में फलित होते देखा– प्रस्तुत है ऐसे ही चार अनुभव –

मात्र चाय की व्यवस्था कर दें

सांगानेर के राम मंदिर क्षेत्र होटल लाई ब्ल्यू के पास नाथ–जोगी समाज के 3 परिवारों के सदस्य बांस की टोकरियाँ बनाकर अपना गुजर–बसर करते हैं। रहने को उनके पास मात्र झुग्गी–झोपड़ी का ही आवास था।

संघ के कार्यकर्ताओं को उनकी परिस्थिति ध्यान में थी। अत: तालाबंदी की अवधि में उनके पास भोजन सामग्री तथा अंगूर, संतरा, अनानास आदि फल लेकर पहुंचे। जैसे ही उनको बताया कि यह हम आपके लिए लाए हैं, उन्होंने तुरंत हाथ जोड़कर कहा,''नहीं बाबूजी, यह हमें नहीं चाहिए।'' कार्यकर्ताओं को इस उत्तर की अपेक्षा नहीं थी। वह भी हमारे चेहरे के भाव समझ गए थे। खड़े होकर उन्होंने हाथ जोड़कर कहा, ''आप अन्यथा नहीं सोचें, हम आपको मना इसलिए कर रहे हैं कि हमें भोजन प्रतिदिन मिल रहा है। यह फल हमने कभी खाए नहीं।''

उस व्यक्ति की 80 वर्षीय वृद्ध माता ने कहा, ''हम से अधिक जिनको आवश्यकता है, उनको देंगे तो उचित रहेगा, हां, थोड़े से फल बच्चों के लिए दे दो। परन्तु आप हमारी एक आवश्यकता पूरी कर देंगे तो अच्छा रहेगा, हमने लंबे समय से चाय नहीं पी, अत: थोड़ी चाय की व्यवस्था कर दें।''

कार्यकर्ताओं की टोली में सबसे वरिष्ठ, क्षेत्र सेवा प्रमुख बिना किसी को कहे बाइक लेकर बंद बाजार में चाय खोजने निकल पड़े। घर पर सामग्री बेचने वालों से उन्होंने चाय–शक्कर खरीदी। चार डेयरी बूथों पर जाने के बाद दूध की व्यवस्था हो पाई।

सामग्री लाकर जोगी नाथ परिवार को दी तथा उनके साथ बैठकर चाय पी। उनके चेहरे पर प्रसन्नता और उससे कहीं अधिक संतोष का भाव प्रकट हो रहा था।

कार्यकर्ता भी सोच रहे थे, इस परिवार की प्रकृति मेघ की तरह है, जितनी आवश्यकता हो उतना ही लेता है। हिन्दू चिंतन झुग्गी–झोंपड़ी वालों के व्यवहार में प्रकट हो रहा था।

पहला अधिकार

बबीता के पति एक निजी कंपनी में सामान्य कर्मचारी हैं। तालाबंदी में कंपनी बंद होने के कारण काम छूट गया। परिवार की आर्थिक स्थिति सामान्य थी। राशन की व्यवस्था कैसे हो, यह चिंता सता रही थी। सोच रही थी, कोई सरकारी सहायता मिल जाए।

उसी समय दरवाजे पर खटखटाने की आवाज हुई, सोचा चैत्र की दोपहर में कौन होगा। दरवाजा खोलकर देखा तो बाहर कुछ लोग खाद्य सामग्री आटा,

गरीबी में भी खुद्दारी

सोजत नगर में स्थित विद्या भारती से संबद्ध मोतीचन्द सेठिया आदर्श विद्या मंदिर के अध्यापक एवं छात्र एक सेवा बस्ती में सूखा राशन वितरण करने गये थे। वहाँ कई लोग पुराने कपड़े खरीदकर बेचने का कार्य करने वाले थे। गरीब थे, परन्तु राशन–किट लेने से मना कर दिया। कहने लगे, आप हमें कुछ काम करने को दें, तभी हम ये सामग्री लेंगे। उनको समझाया कि अभी आप राशन ले लें, लॉकडाउन समाप्ति पर विद्यालय में कोई कार्य आपसे करा लेंगे। इस आश्वासन पर ही उन भाईयों ने राशन किट लिए। लॉकडाउन समाप्त होने पर वे लोग विद्यालय आये और कहा, हमें अब कुछ काम दें ताकि आपसे लिया राशन हमारे फल आये। विद्यालय में चल रहे मरम्मत कार्य में 2–3 दिनों तक उन्होंने बिना पैसे लिए मजदूरी की। विपरीत परिस्थितियों में भी ऐसा स्वाभिमान देखकर नतमस्तक थे विद्यालय के अध्यापकगण एवं विद्यार्थी।

चावल, आलू, दाल आदि देने आए हैं।

टोली के एक सदस्य राजेश ने कहा *''हम लक्ष्मी नगर में रहने वाले सभी अभावग्रस्त लोगों, चाहे कहीं के भी हो, बिहार, बंगाल आदि प्रांतों के, जिनका काम छूट गया है, उनके बारे में जानकारी करके उनको सहायता पहुंचाने आये हैं। हमारा यह क्रम कई दिनों से चल रहा है।''*

बबीता सुनकर प्रसन्न हो गई क्योंकि वह तो राहत सामग्री का इंतजार ही कर रही थी। परन्तु अचानक सामग्री लेने से पहले बबीता ने पूछा, किसकी तरफ से आए हैं?

आज टोली में डॉ. शैलेन्द्र भी साथ आए थे, उन्होंने कहा, *''सामग्री संघ द्वारा इकट्ठा करके जिनको आवश्यकता है उनको दी जा रही है।''* यह सुनते ही वह पीछे हट गई और बोली कि यह सामग्री मैं नहीं ले सकती। सभी कार्यकर्ता मौन, सूझा नहीं क्या कहें।

बबीता बोली, *''अगर यह सामग्री सरकार की तरफ से होती तो मैं ले लेती परन्तु मैं संघ को जानती हूँ, आप लोग बहुत कठिनाई से परिश्रमपूर्वक सामग्री जुटाते हैं। आप इस सामग्री को उन्हें दें जो हमसे भी अधिक निर्धन हैं। मैं हमारे मकान मालिक के बेटे को देखती हूँ, वह शाखा जाता है। मुझे विश्वास है कि आप लोग बिना भेदभाव के उचित स्थान पर सहायता करते हैं। आप चिंता न करें, मैं सरकारी सहायता ले लूंगी।''*

उस दिन हमने नारी के उस रूप के दर्शन किये जो भारतीय संस्कृति को जी कर दिखाती है। स्वयं अभावग्रस्त रहने पर भी जो अपने से अधिक अभावग्रस्त है, सहायता पर पहला अधिकार उनका है ऐसा सोचती है।

खुद अभाव में थे, पर जुटे रहे दूसरों की सेवा में

घटना अलवर के सूर्य नगर की दुर्गा कॉलोनी में राशन वितरण के समय की है।

एक कार्यकर्ता ने पूर्व में ही ऐसे परिवारों की जानकारी कर ली थी, जो जरूरतमंद थे। चार दिनों तक राशन वितरण चलता रहा। वह कार्यकर्ता चारों दिन सुबह से सायं तक हमारे साथ लगातार सेवा कार्य में जुटा रहा।

कार्यक्रम के अंतिम दिन जब उस कार्यकर्ता से पूछा कि परिवार में सब ठीक तो चल रहा है? वह धीरे से बोला, हां ठीक-ठाक ही है। परन्तु बातचीत से पता चला कि उसका परिवार भी नित्य धन अर्जन से चलता था और वह धन अर्जन अब कोरोना के कारण बंद था। कार्यकर्ता ने अपने जैसे ही लोगों को राशन वितरण में पूरा सहयोग दिया था, परन्तु एक बार भी अपने परिवार के बारे में नहीं बताया। पूछने पर कहने लगा, मैं अपने बारे में क्या बताता, जिनको राशन दिया वे सब भी तो जरूरतमंद अपने ही थे।

उस कार्यकर्ता के व्यवहार में संघ प्रकट हो रहा था।

मन की विशालता

भीलवाड़ा जिले के आटून ग्राम में विवेकानन्द केन्द्र से राशन किट लेकर सत्यम और रवि गाँव पहुँचे। रवि ने ग्राम स्थान के अन्य कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर जिनको राशन की आवश्यकता है ऐसे लोगों की सूची पहले से बनाई थी।

निर्धारित समय पर सारे लोग एक के बाद एक आ रहे थे। आटा, दाल, चावल, मिर्च, मसाला, नमक, तेल आदि सामान था। 5 लोगों के परिवार के लिए 10 दिन चल सके इतना सामान था। किट बाँटना पूरा हुआ और टीम लौटने लगी।

पीछे से कोई रवि का नाम पुकार रहा था, उनके हाथ में झोला था। टीम के सदस्य सोचने लगे कदाचित कोई परिवार छूट गया। लेकिन देखा जो व्यक्ति दौड़कर पास आ रहा है उन्हें तो वे किट दे चुके थे। सब लोग अपना तर्क लगाने लगे, कोई कुछ कह रहा था तो कोई कुछ। किन्तु जब वह सज्जन पास आए तो उन्होंने अपने झोले से दाल का वह पैकेट जो किट में था निकाला और लौटा दिया। आश्चर्यचकित रवि ने पूछा, *''क्या हुआ ? कुछ गड़बड़ है क्या ?''*

उस सज्जन ने कहा, *''नहीं नहीं, गड़बड़ नहीं है, किन्तु मेरे घर में 10 दिन के लिए पर्याप्त दाल है। आप इस दाल को किसी अन्य परिवार को दे सकते हैं। मेरे पास इतना तो नहीं है कि मैं किसी को दे सकूँ किन्तु जिसकी मुझे आवश्यकता नहीं वह मैं क्यों रखूं ?''*

उनकी यह बात सुनकर सत्यम के आँखों में आँसू आ गए। उन्होंने यह अनुभव बताते हुए कहा, *''देने के लिए क्षमता से अधिक मन की सहृदयता की आवश्यकता होती है यह आज मुझे समझ में आया।''* ■

– विवेकानन्द केन्द्र, अजमेर

स्वयंसेवकों ने बदला

क्वारंटाइन सेंटर का माहौल

सेवा का काम किसी पर उपकार तो नहीं है। हम अपने लोगों का काम कर रहे हैं, इसलिए वह उत्तम होना चाहिए तथा प्रेमपूर्वक होना चाहिए। – डॉ. मोहन भागवत

एक दिन मुझे हल्के बदन दर्द के साथ बुखार व जुकाम का अनुभव हुआ। चिकित्सक की सलाह से कोरोना की जांच करवाई तो रिपोर्ट पॉजिटिव आ गई। मुझे केकड़ी के अजमेर रोड़ स्थित कटारिया ग्रीन में बने कोविड केयर सेंटर में क्वारंटाइन किया गया।

वहां पहले से 20-25 कोरोना मरीज रह रहे थे। मैंने महसूस किया कि सब लोग कोरोना महामारी को लेकर काफी चिंतित और भयग्रस्त थे। सभी मरीज निर्धारित समय पर सिर्फ भोजन और पानी के लिए ही अपने कमरों से बाहर निकलते थे।

कुछ व्यक्ति तो दिन भर परिवारजनों को याद करते हुए रोते रहते थे और साथ ही भविष्य में होने वाली संभावित परिस्थितियों के बारे में सोच-सोचकर परेशान रहते थे। इस प्रकार के वातावरण को महसूस कर एक बार तो मैं भी डर गया। मैंने निश्चय किया कि इस वातावरण में कुछ बदलाव लाना चाहिए।

अगले दिन प्रातःकाल मैंने कोविड केयर सेंटर के बगीचे में कुछ योग गतिविधियां प्रारम्भ की। शुरुआत में मैंने अकेले ही योग किया। कुछ देर बाद मरीज जलपान के लिए नीचे आये। यही समय मुझे सभी से बातचीत के लिए उपयुक्त लगा। मैंने उपस्थित सभी मरीजों से परिचय करने की कोशिश की और बातों ही बातों में उन्हें मानसिक दबाव से बाहर निकालने का एक प्रयास किया।

> दो-चार दिनों में हमने महसूस किया कि सुबह-सुबह योग और व्यायाम गतिविधियों में उपस्थित रहने वाले साथी पहले की तुलना में काफी सकारात्मक और बेहतर महसूस कर रहे थे।

प्रतिदिन विभिन्न क्षेत्रों से नए कोरोना मरीज कोविड केयर सेंटर में भर्ती हेतु आते। मुझे एक टीम की तरह काम करने का अवसर मिल गया।

उनके सहयोग से सुबह-शाम टहलने के साथ-साथ हल्के-फुल्के व्यायाम के माध्यम से अन्य लोगों को भी जोड़ने का प्रयास किया। दो-चार दिनों में हमने महसूस किया कि सुबह-सुबह योग और व्यायाम गतिविधियों में उपस्थित रहने वाले साथी पहले की तुलना में काफी सकारात्मक और बेहतर महसूस कर रहे थे। फिर तो हमने व्यायाम को प्रतिदिन का हिस्सा बना लिया। धीरे-धीरे सभी लोग उसमें आकर जुड़ते चले गए।

अब हम सब प्रातःकाल से लेकर रात्रि तक की एक कार्ययोजना बनाकर

क्वारंटाइन केन्द्र पर भोजन के साथ आत्मीयता

सांगानेर के बीलवा ग्राम में राज्य सरकार ने राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय को क्वारंटाइन सेंटर बनाया था। वहां पर अनेक प्रांतों के 150 श्रमिक कई दिनों तक एक ही प्रकार की सब्जी खाकर परेशान हो गए थे। उन्होंने अपनी व्यथा गांव वालों को बताई।

तब संघ के स्वयंसेवकों ने अपने घरों से भोजन के पैकेट प्रतिदिन बनवा कर उन श्रमिकों को दिए तथा शाम के भोजन की व्यवस्था गांव के सहयोग से करवाई जिससे श्रमिकों को अत्यन्त हर्ष हुआ। एक माह तक स्वयंसेवकों ने यह व्यवस्था की।

रहने लगे। प्रातःकाल योग-व्यायाम, टहलना, फिर जलपान, स्नान-ध्यान के बाद भोजन। दोपहर में विश्राम के बाद थोड़ी देर इस महामारी को लेकर विचार मंथन भी किया करते थे।

पहले जो लोग भोजन पैकेट अपने-अपने कमरों में ले जाकर अकेले ही भोजन किया करते थे, वे अब सभी के साथ बैठकर शारीरिक दूरी रखते हुए भोजन मंत्र के उपरांत एक साथ भोजन करने लगे। उपस्थित लोगों का अनुभव था कि पहले कमरे में दिए गए भोजन का कुछ भाग ही खा पा रहे थे, लेकिन इस प्रकार की व्यवस्था के पश्चात् सभी आनन्द के साथ पूरा भोजन करने लगे थे।

5-6 दिनों में एक अच्छी टोली तैयार हो गई और सभी ने मिलकर अन्य मरीजों से कोरोना का डर निकालने की मुहिम शुरू की। सभी एक-दूसरे का हौंसला बढ़ाने लगे। जब भी कोविड सेंटर के बाहर एम्बुलेंस की आवाज आती, सभी अपने कमरों से बाहर निकलकर एकत्रित हो जाते और आने वाले नए व्यक्तियों से बातचीत कर उन्हें इस महामारी से नहीं डरने के लिए प्रोत्साहित करते। साथ ही सभी को चिकित्सकों की सलाह अनुसार दवाई लेने, आपसी दूरी बनाए रखने और मास्क लगाने के लिए भी प्रेरित करते।

धीरे-धीरे पूरे क्वारंटाइन केयर सेंटर का वातावरण सकारात्मक होता गया। हमने सभी साथियों के साथ 'हिन्दी दिवस' भी मनाया।

इसे ईश्वरीय कृपा कहें या इस वातावरण की देन, उस अवधि में रहे सभी मरीज 14 दिन बाद स्वस्थ होकर अपने-अपने घरों को लौटे। संघ की शाखाओं में जो कुछ सीखा, वह सब क्वारंटाइन सेंटर पर काम आया। क्वारंटाइन सेंटर से लौटते समय ऐसा महसूस हो रहा था जैसे संघ के ही किसी शिविर का समापन हुआ हो। ■

– अजमेर जिले का एक स्वयंसेवक

योगाभ्यास से सकारात्मक बदलाव

आबू रोड़ के एक वरिष्ठ कार्यकर्ता कोरोना संक्रमित हुए तो उन्हें क्वारंटाइन सेंटर में रहना पड़ा। वहां उन्होंने आवश्यक दूरी के निर्देश का पालन करते हुए सेंटर में रह रहे सभी संक्रमितों को खुले में योगाभ्यास करवाया। उनके इस कार्य से सेंटर के वातावरण में सकारात्मक परिवर्तन दिखायी दिया। सभी कोरोना मरीजों में भी निराशा एवं भय का अंत होकर उत्साह एवं ऊर्जा का संचार हुआ।

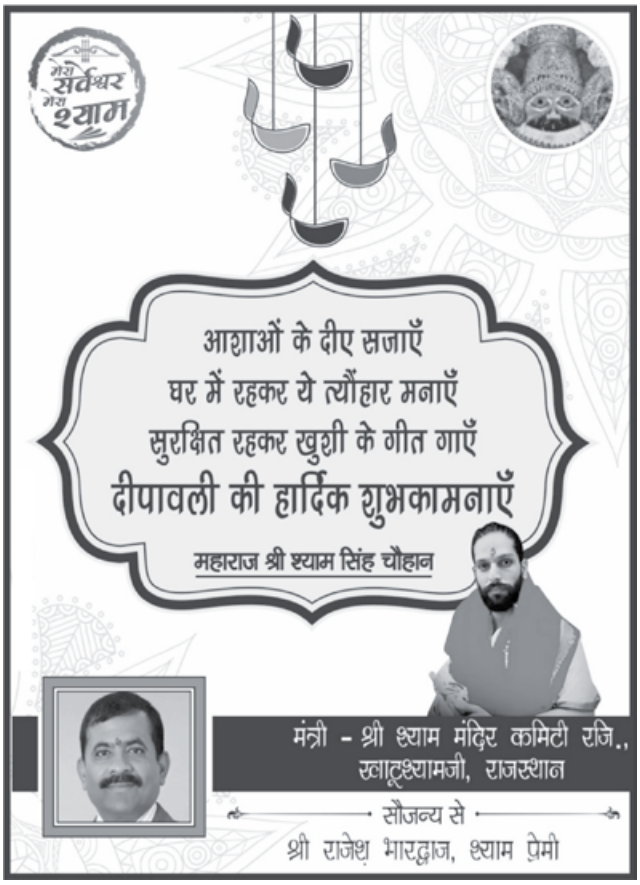

कृषक–श्रमिक संगठन भी सेवारत

भारतीय मजदूर संघ

यह मजदूर क्षेत्र में मजदूरों के क्षेम–कल्याण के लिए विश्व का सबसे बड़ा मजदूर संगठन है। भारतीय मजदूर संघ भारतीय संस्कृति को आधार मानकर कार्य करने वाला संगठन, अपने ही बन्धुओं को कोरोना काल में आपदा की स्थिति में देखकर कैसे शांत बैठ सकता था। इसलिए मजदूर संघ के कार्यकर्ता 'नर सेवा–नारायण सेवा' को आदर्श मानकर जुट गये प्राणी मात्र की सेवा में तथा राजस्थान प्रदेश के 25 जिलों के 35 स्थानों पर सेवा कार्य किया।

भारतीय किसान संघ

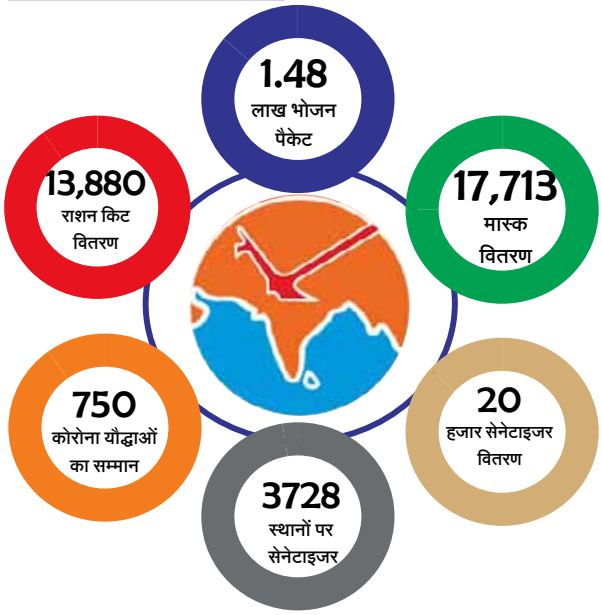

किसानों के कल्याण हेतु संघर्षरत भारतीय किसान संघ लॉकडाउन की अवधि में विपन्न और पिछड़े समाज बन्धुओं की सेवा में कैसे पीछे रहता। किसान संघ ने अपने किसान भाइयों से 18 हजार 6 सौ किलो अन्न संग्रहित कर जरूरतमंदों को वितरित किया। बड़ी संख्या में भोजन पैकेट्स तथा सूखा राशन उपलब्ध करवाया। मास्क भी बांटे गये।

किसान संघ में कार्यरत बहिनों ने भी आगे बढ़–चढ़ कर सेवा कार्य किये। बहिनों ने स्वयं 800 मास्क बनाये। जहां किसान संघ ने प्रधानमंत्री सहायता कोष व अन्य कार्यों के लिए 57 लाख 7 हजार की राशि एकत्र की, बहिनों ने भी 1 लाख 17 हजार की ऐसी राशि एकत्र की। बहिनों द्वारा जोधपुर के स्थानीय चैनल से किसानों के लिए कोरोना संबंधी जागरण कार्य भी किया गया।

यह अवसर है कि हम अपने देश की आवश्यकताएं अपने देश में पूरी करें। हर प्रांत में एक बड़ा उद्योग विकसित हो सकता है। साथ ही उस प्रांत की, उस जिले की आवश्यकताएं वहीं पर पूरी हों, इस दिशा में हमको पहल करनी पड़ेगी।

–सुरेश भय्याजी
सरकार्यवाह

शिक्षा के साथ सेवा कार्य

मोहल्ला कक्षाएं

अध्ययन की निरन्तरता बनी रहे इसके लिए अनेक स्थानों पर मोहल्ला कक्षाएं चलायी गईं। डूंगरपुर-बाँसवाड़ा के जनजातीय क्षेत्र में भारतीय जनसेवा प्रतिष्ठान द्वारा लगभग 100 स्थानों पर ऐसी कक्षाएं चलाई गईं, जिनमें 500 से अधिक विद्यार्थी प्रतिदिन दो घंटे पढ़ने आते थे।

नागौर जिले के खींवसर व सवाईमाधोपुर के रवासा में स्वयसेवकों द्वारा भी इसी प्रकार शिक्षण सेवा दी गई। दक्षिणी पूर्वी राजस्थान के कई जिलों में महाविद्यालय विद्यार्थियों द्वारा 250 स्थानों पर पाठदान के लिये मोहल्ला कक्षायें लगायी गईं।

सम्पूर्ण राजस्थान में शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत संस्थान विद्या भारती द्वारा अभ्यास कक्षायें लगाई गईं। विद्या भारती का जनजाति अंचल का कार्य देखने वाले मानिंग पटेल का कहना है कि हमने इस कालावधि में मोटिवेशनल कक्षाएं भी संचालित कीं।

विद्याभारती

इसके तत्वावधान में राजस्थान में विद्यालयों की प्रबन्ध समितियों, आचार्यों एवं छात्रों द्वारा कोरोना-संकट के समय 38 हजार 460 व्यक्तियों की सहायता व सहयोग का कार्य किया गया।

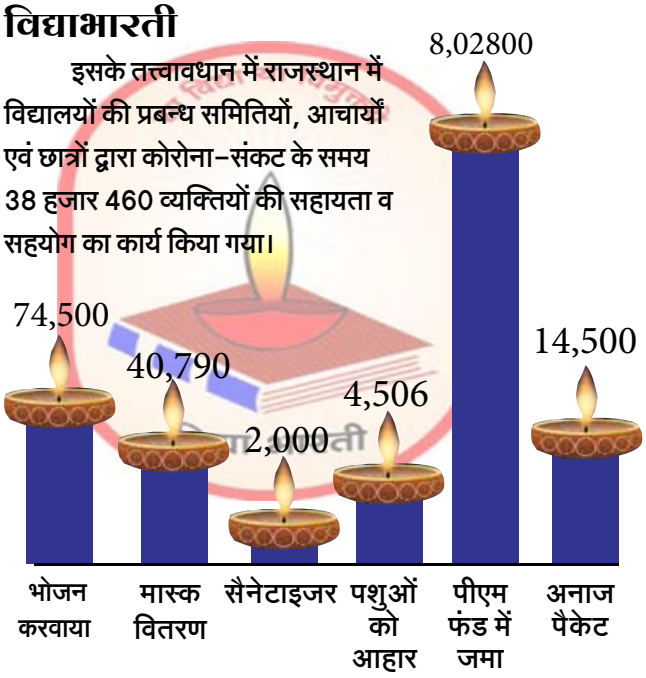

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद

छात्रा सदस्यों की सहभागिता सहित विद्यार्थी परिषद के सैंकड़ों कार्यकर्ता प्रतिदिन सेवा कार्यों में जुटते थे।

जयपुर में फंसे तमिलनाडु के 200 से अधिक विद्यार्थियों की 20 दिन तक सभी प्रकार की व्यवस्था के साथ ही कॉलेज व जिला प्रशासन से समन्वय करते हुए उनके घरों तक पहुँचाने के लिऐ बसों की व्यवस्था करवाई।

गंगापुर सिटी में सड़कों पर पेटिंग बनाकर जागरुकता लाने का कार्य किया। परिषद् के मेडिविज आयाम द्वारा चिकित्सकों की सूची जारी की गई। बुजुर्गों को दवाई, स्वच्छताकर्मियों को भोजन, कच्ची बस्ती में स्वच्छता व सुरक्षा की सामग्री भी वितरित की।

सेवा कार्य में साथ रहे एक कार्यकर्ता दिनेश गरेड के अकस्मात् निधन होने पर उनकी स्मृति में आयोजित रक्तदान शिविर में 470 यूनिट रक्त एकत्र हुआ।

राजस्थान विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय शिक्षक संघ (राष्ट्रीय)

उच्च शिक्षा क्षेत्र का प्रतिनिधि शिक्षक संघ जो रूक्टा (रा.) के नाम से ज्यादा जाना जाता है, ने आगे बढ़कर राजस्थान की राज्य सरकार को कोरोना संकट से निपटने के लिए एक दिन के वेतन कटौती का प्रस्ताव दिया था। सरकार ने इसे 5 दिन किया जिसे संगठन ने सहर्ष स्वीकार किया। इस वेतन कटौती के अलावा भी संगठन के कार्यकर्ताओं ने 19 लाख 26 हजार 890 रुपयों का सहयोग प्रधानमंत्री केयर फंड में दिया। रूक्टा (रा.) के कार्यकर्ताओं ने अपने स्तर पर 6259 राशन किट निर्धन परिवारों को दिये। कार्यकर्ताओं ने हजारों तैयार भोजन पैकेट, परिंडे, मास्क व काढ़ा वितरण पशुओं को चारा, पीने के लिए पानी, पक्षियों के लिए दाने व घोंसले की व्यवस्था आदि का कार्य भी किया।

सेवा विशेषांक प्रकाशन की
हार्दिक शुभकामनाएं
श्याम सुन्दर जी शर्मा
ग्राम पोस्ट- तीतरड़ी, तहसील-गिर्वा
जिला-उदयपुर (राज.) 313001
मो. 9928371131, 7665456269

सेवा विशेषांक प्रकाशन व दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं
फूल सिंह मीणा
विधायक
उदयपुर ग्रामीण विधान सभा क्षेत्र
मो. 94141 65195

सेवा से स्वावलम्बन की ओर

टीना शर्मा

सेवा के साथ अगर स्वावलंबन भी जुड़ जाए तो ना सिर्फ देश में क्रांतिकारी परिवर्तन हो सकते हैं, बल्कि रोजगार की समस्या को बहुत सीमा तक नियंत्रित किया जा सकता हैं। कुछ ऐसा ही प्रयास पिछले समय से कर रही है सेवा भारती। सेवा के साथ स्वावलंबन का उद्देश्य लेकर सेवा भारती लगातार अपने काम में जुटी हुई है। सेवा भारती ने कोरोना काल में हजारों स्त्री–पुरूषों को विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण देकर या अन्य सहयोग देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनने में मदद की है।

कौशल विकास केंद्र

रोजगारपरक शिक्षा के लिए नि:शुल्क कम्प्यूटर कोर्स हैं जिसमें बेसिक, टेली, जीएसटी, डीटीपी के कोर्स कराए जा रहे हैं। इलेक्ट्रोनिक्स एवं इलेक्ट्रिकल का प्रशिक्षण दिया जा रहा है जिससे अपना स्वयं का रोजगार शुरू किया जा सकता है। व्यक्तित्व विकास के लिए इंग्लिश स्पोकन का कोर्स करवाया जा रहा है। महिलाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए फैशन डिजाइनिंग और सिलाई का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

स्वदेशी दीपमालिका

सेवा भारती के जयपुर केंद्र पर कच्ची बस्तियों के बेरोजगार युवक–युवतियों को स्वदेशी दीपमालिका बनाने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसके बाद उनको घर के लिए कच्चा माल दे दिया जाता है, जहां वे परिवार के अन्य सदस्यों को भी प्रशिक्षण देकर रोजगार उपलब्ध करवा रहे हैं। वर्तमान में जयपुर में लगभग 50 से भी अधिक परिवार इस सेवा का लाभ ले रहे हैं। इसके अलावा यहां से प्रशिक्षण लेकर प्रदेश के अलवर, भरतपुर, सीकर, चूरू, सवाईमाधोपुर कोटा और सांगानेर में इस तरह का काम शुरू हो गया है।

लाभार्थी रेखा झालर बनाने वाले कार्य के बारे में बताती है कि सेवा भारती की ओर से संचालित कौशल विकास केंद्र के माध्यम से हमारी बस्ती में दीपावली हेतु लड़ियां बनाने का काम शुरू हुआ था। इस शिविर में हमारी बस्ती से कई परिवारों ने प्रशिक्षण लिया। प्रशिक्षण पूरा होने के बाद ना सिर्फ हमारे परिवार बल्कि बस्ती के अधिकांश परिवारों को रोजगार मिलने लगा है। सेवा भारती का जैसा नाम है वैसा ही उसका काम भी है।

सेवा भारती, भिवाड़ी ने स्वावलंबन योजना के अन्तर्गत, बेरोजगारों को पाँच हाथ ठेले दिये। आत्मनिर्भर भारत बनाने के लिए यह उपक्रम है। हाथ ठेले उन व्यक्तियों को दिऐ गए जिनके लिये यह जीविकोपार्जन का साधन बन सके। समाज के ऐसे अंतिम व्यक्ति जो अपने परिवार का पालन पोषण कर सके उनकी पहचान कर उन्हें नि:शुल्क हाथ ठेलों का वितरण किया गया। ऐसा ही कार्य सांगानेर में किया गया।

सेवा भारती ने 11 हाथ ठेले अजमेर व बीकानेर में गाड़िया लौहार परिवारों को उपलब्ध करवाए। प्रतापगढ़ में घुमन्तु समाज के लिये सिलाई प्रशिक्षण की व्यवस्था की गई।

भारतीय मजदूर संघ ने आजीविका बचाओ दिवस मना कर श्रमिकों को उनका लंबित भुगतान दिलाया। **स्वदेशी जागरण मंच** ने आत्मनिर्भर भारत अभियान के लिए डिजिटल हस्ताक्षर अभियान चलाया और स्वदेशी रोजगार सृजकों के सम्मान का कार्यक्रम भी आयोजित

किया।

स्वयं सहायता समूह

'वैभव श्री'– एक समूह में 10 से 20 महिलायें हैं, जो अपनी मासिक बचत को इनमें जमा करती हैं। इससे समूह की किसी महिला को ऋण सहज में उपलब्ध हो जाता है। समूह से ऋण लेकर अजमेर सेवा बस्ती की बहनों ने सब्जी विक्रय का कार्य प्रारम्भ किया।

समूह की साप्ताहिक या पाक्षिक बैठक में सत्संग, चर्चा व परिवार प्रबोधन पर विचार विमर्श होता है। जयपुर, बस्सी, चूरू, अलवर, दौसा, बोराज, भरतपुर, इन स्थानों पर 35 से अधिक स्वयं सहायता समूह कोरोना काल में बने हैं जो सफलता के साथ चल रहे हैं। इनके माध्यम से महिलाओं का आर्थिक उन्नयन हुआ है।

सीकर व अनूपगढ़ की सेवा बस्ती में व्यवसायिक पद्धति से मेंहदी लगाना सिखाया गया एवं ब्यूटीशियन का कोर्स कराया गया। उन्हें उत्सवों, मांगलिक अवसरों पर काम भी दिलाया जाता है ताकि आर्थिक लाभ प्राप्त

आपणी दुकान

हिंदू जागरण मंच ने आर्थिक स्वावलंबन आयाम के अंतर्गत सैकड़ों युवाओं को स्वरोजगार के लिए प्रेरित कर 'आपणी दुकान' के नाम से उन्हें ठेले प्रदान किए। ऐसी योजना उन्होंने जयपुर, सीकर, झुंझुनू, टोंक, भरतपुर, अलवर, व जोधपुर आदि अनेक स्थानों पर प्रारंभ की है।

पाक विस्थापितों को भी जागरण मंच ने 'आपणी दुकान' उपलब्ध कराई है। क्षेत्र प्रचारक श्री निम्बाराम ने योजना के उद्घाटन अवसर पर कहा कि समाज जागरण का कार्य करते समय जब हम हिंदू से संबोधित करते हैं तो इसका अर्थ है राष्ट्रीय नेतृत्व न कि धर्म, पंथ, संप्रदाय। उन्होंने कहा, हमारे देश में पारंपरिक स्वरोजगार के अनेक विकल्प हैं, हम उन्हें आधुनिक तकनीक के आधार पर वर्तमान की आवश्यकता के अनुरूप स्वरूप प्रदान करें। अपनी पारंपरिक सहकार की भावना से समाज का उत्थान कर सकते हैं। युवा अच्छी शिक्षा प्राप्त कर राजकीय सेवाओं में जाने का प्रयास तो करें ही, परंतु स्वरोजगार कर स्वयं के साथ समाज को सबल बनाने का कार्य भी करें। हम सेवा प्रदाता बन सकते हैं क्या? इस दिशा में भी विचार करना चाहिए।

हिंदू जागरण मंच की स्वावलंबन आयाम की टीम से जुड़े प्रताप भानु का कहना है हम संगठन के माध्यम से स्वरोजगार के प्रति लोगों का आत्मविश्वास जागृत करने का कार्य कर रहे हैं।

मंच के संगठन मंत्री श्री मुरली मनोहर का कहना है कि हम एक दुकान और पांच ठेले – इस प्रकार की योजना और ऑनलाइन बिक्री की भी एक व्यापक श्रृंखला तैयार करेंगे। ■

केशवपुरा ने बढ़ाया आत्मनिर्भरता की तरफ कदम

केशवपुरा आदर्श ग्राम ने आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ाया है। गांव की प्रशिक्षित महिलाओं ने सृजनात्मकता का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए गौ–वंश के गोबर से विभिन्न प्रकार के सामान तैयार किये हैं। गोबर के दीये, स्वास्तिक आदि सामान बनाने का काम जारी है। इस कार्य में पुरूष और बच्चे भी इनका सहयोग करते हैं। इन उत्पादों पर रंग–रोगन करने और इनकी आकर्षक पैकिंग करने का काम भी गांव में ही कुशलता पूर्वक किया जा रहा है। इस कार्य के अलावा गांव में सिलाई केंद्र भी चल रहा है। गांव की करीब दस महिलाओं द्वारा ग्रामीणों के पहने जाने वाले कपड़े तथा घरों पर लगने वाली ॐ पताकाएं सिलने का कार्य किया जा रहा है। कोरोना काल में बेरोजगार हो चुके लोगों के लिए केशवपुरा आदर्श ग्राम की यह महिलाएं प्रेरणा स्रोत बनी हुई हैं। परिवार स्वावलम्बी हो रहे हैं।

केशवपुरा ग्राम में गोबर से बने उत्पादों का प्रशिक्षण व उत्पादन को देखने वाले संजय छाबड़ा का कहना है, *'हम गोबर व गौमूत्र के उत्पादों का बड़े पैमाने पर उत्पादन कर गौशालाओं को आत्मनिर्भर बना सकते हैं।'*

गोबर के दीपक

श्रमिकों व उद्योगों के बीच सेतु
(लघु उद्योग भारती की अभिनव सेवा)

सेवा सदन, जयपुर में पोर्टल लॉंचिंग

मई अंत तक प्रवासी श्रमिक अपने गृह राज्यों में लौट चुके थे लेकिन अब उनके सामने आजीविका का संकट खड़ा हो गया था, क्या करें? क्या घर के आस–पास कोई काम मिल सकेगा? दूसरी ओर उद्यमियों के सामने भी एक समस्या थी कि उनको अपनी आवश्यकता के अनुसार कारीगर, हैल्पर, मशीन ऑपरेटर, फॉरमेन, केटर्स, ड्राइवर, कंप्यूटर ऑपरेटर, अकाउंटेंट इस तरह की श्रेणी के लोगों की आवश्यकता थी। लघु उद्योग भारती ने दोनों की आवश्यकता समझकर 'एलयूबी नेशनल डॉट कॉम' नाम से एक पोर्टल लांच किया जो दोनों वर्गों के बीच सेतु का कार्य कर सके। स्वयंसेवकों ने श्रमिकों का सहयोग कर उनका पंजीयन पोर्टल पर करवाया। इस पोर्टल पर राजस्थान से पंजीकृत 4000 से अधिक श्रमिकों की छंटनी कर बनायी गयी सूची संबंधित उद्योगों जिनको कार्मिकों की आवश्यकता थी, तक पहुंचाई गई। इसके लिए हर जिले एवं औद्योगिक क्षेत्र में एक टोली का गठन किया गया।

लघु उद्योग भारती के प्रदेशाध्यक्ष घनश्याम ओझा का कहना है कि इस मोबाइल ऐप व पोर्टल पर हुए पंजीयन केवल नौकरी लेने देने के लिए ही नहीं है, बल्कि स्वरोजगार हेतु स्टार्टअप के लिए सहायता चाहने वाले 179 का मार्गदर्शन एवं सहयोग भी किया गया।

भरतपुर में किसानों का उत्पादक संगठन बनाने का कार्य भी चल रहा है जिससे कृषकों की आय बढ़ सके। स्वरोजगार योजना के बारे में बताते हुए डॉ. रमेश अग्रवाल कहते हैं, आजीविका के अभाव में बहुत से परिवारों के लिए परेशानी हो गई थी, ऐसे में हमारा कर्तव्य है कि हम सब मिलकर सेवाभाव से इन सभी को रोजगार युक्त करने का हर संभव प्रयत्न करें।

समाज को स्व का अवलम्बन करना पड़ेगा। यहां की बनी हुई वस्तुएं, जहां तक संभव है, उन्हीं का उपयोग करेंगे। समाज को स्वदेशी पर दृढ़ होना पड़ेगा। विदेशों के ऊपर अवलम्बन नहीं होना चाहिए। ऐसा हमको सामर्थ्य बनाना पड़ेगा।

– डा.मोहनराव भागवत

स्वावलम्बन हेतु परिषद् के कार्यकर्ताओं ने निःशुल्क साइकिल उपलब्ध कराई।

हो सके। सिलाई प्रशिक्षण लेकर अब बहिनें स्वयं के व परिवार के लोगों के वस्त्र सिल रही हैं। आस–पड़ोस से भी सिलाई का कार्य मिल जाता है जिसके कारण आर्थिक सम्बल मिला है। सूती कपड़े की बनियान (बण्डी) व कच्छे सिलने का काम चल रहा है। कपड़े के थैले भी बन रहे हैं जिसके माध्यम से अभावग्रस्त बहिनों को रोजगार मिला है। अजमेर, भरतपुर व जनजाति क्षेत्रों में राखी निर्माण एवं गौमय दीपक बनाने का कार्य भी हो रहा है।

अनूपगढ़ सेवा भारती ने गाड़िया लोहारों को बाजार में बैठने हेतु प्रशासन से अनुमति दिलाई तथा सेवा बस्ती स्वावलम्बन हेतु राशन कार्ड व पेन कार्ड आदि भी बनवाए हैं।

सेवा भारती के प्रदेश मंत्री गिरधारी लाल का कहना है, सेवा भारती अपने समाज के अभावग्रस्त, निर्धन, वंचित, उपेक्षित, पीड़ित बंधुओं की सेवार्थ इनका आर्थिक विकास कर रही है ताकि वे स्वाभिमान व सम्मान युक्त जीवन जी सकें। कार्यकर्ताओं द्वारा बस्तियों के घरों में जाकर स्वरोजगार के लिए पंजीयन कराया जा रहा है। ■

With Best Compliments From
A Product Of

GOOOWILL SUITINGS & SHIRTINGS
A PRODUCT OF SONA TEXTILE PVT. LTD GOOOWILL SUITINGS & SHIRTINGS

&

Swastika SUITINGS & SHIRTINGS

SONA TEXTILES PVT.LTD

Corporate Office

Swastika Chambers Ganesh Mandir Road,
Gandhi Nagar, Tel. (0) 01482-246301, 247021

Bhilwara 31001

Works

Unit- I
Village- Badesara Thehsil Shahpura,
Distt.- Bhilwara (Raj.)

Unit- II
F-85]86,87 A. Ricco Industrial Area, Bhilwara (Raj.)

Unit- III
G-62, Ricco Industrial Area Bhilwara (Raj.)
Tel. (F) : 01482-260368, 260080

E-Mail : sonatexitle123@gmail.com

दीपावली और सेवा विशेषांक
प्रकाशन की
हार्दिक शुभकामनाएं

श्रीमती कीर्ति तंवर
जिला उपाध्यक्ष, भाजपा, पाली
पूर्व पार्षद, सोजत

राजेश तंवर
पार्षद, सोजत

प्रतिष्ठान
राजेश मशीनरी, प्रकाश सेनेट्री, जसोदा इण्डस्ट्रीज

GA INFRA PVT. LTD.

ESCO Projects
Water Quality Control Project
Water Infrastructure Project

HeadOffice: 402, Fourth Floor, Man Upasana,
Sardar Patel Marg, C-Scheme, Jaipur 302001
Site Office : Opp. S. P. Residence, Sirohi, Rajasthan
Phone No. 0141-4034072 • **Website:** www.gainfra.com

कोरोना से बचाव का एक ही विकल्प जागरुकता का लें संकल्प
1
बार-बार हाथ धोयें
2
दो गज की दूरी बनाये रखें
3
बिना मास्क बाहर न जायें
4
सार्वजनिक स्थानों पर नहीं थूकें
नो मास्क-नो एंट्री
मास्क ही वैक्सीन है
सौजन्य
रेखा राकेश भाटी
एवं समस्त भाजपा पार्षदगण, पाली

PAN Card : AACAR7950D
वन्दनीय गौमाताओं के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु एक प्रयास
राधाविशन गौशाला
स्थान ग्राम पंवालिया
तह.सांगानेर, जयपुर
Bank A/c Details :
RADHA VISAN GAO SAVARDHAN SEWA SAMITI
A/c : 24590200000982 • IFSC : BARBOMANJAI
नरेन्द्र कुमार हर्ष
मीडिया सम्पर्क विभाग प्रमुख, जयपुर शहर
मो. 9928085900

क्षेत्रवासीयों को

दीपोत्सव पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं

शुभं करोति कल्याणमारोग्यं धनसंपदा ।
शत्रुबुद्धिविनाशाय दीपज्योतिर्नमोस्तुते ।

कोरोना महामारी के तहत
सोशल डिस्टेंसिंग के नियमो की
पालना अवश्य करे।
"मास्क पहने सुरक्षित रहे"

दीपोत्सव का यह पावन पर्व
आप सभी
के जीवन में नई खुशियाँ लेकर
आए।

अमृतलाल मीणा

विधायक: विधानसभा क्षेत्र सलूम्बर

सेवा है धर्म हमारा

कोरोना महामारी तथा लॉकडाउन से हुए पीड़ित, वंचित लोगों की सेवा-सहायता हेतु विभिन्न धार्मिक व सामाजिक संगठन स्वप्रेरणा से आगे आये। प्रतिनिधि स्वरूप कुछ ऐसे कार्यों का विवरण यहाँ दिया जा रहा है :

महामण्डलेश्वर स्वामी हंसराम उदासी, अध्यक्ष हरी शेवा संस्थान, भीलवाड़ा

हरी शेवा संस्थान के अध्यक्ष पूज्य महामण्डलेश्वर स्वामी हंसराम उदासी महाराज ने कोरोना संकट की स्थिति में लॉकडाउन की घोषणा से पूर्व ही हरी शेवा (सद्गुरु बाबा शेवाराम के नाम पर हरी शेवा) उदासीन आश्रम, सनातन मंदिर तथा हरी शेवा धर्मशाला को आमजन के लिये 17 मार्च 2020 से ही बंद करने का निर्णय ले लिया था। परिसर में संचालित हरी-शेवा संस्कृत शिक्षक प्रशिक्षण विद्यालय के सभी विद्यार्थियों व शिक्षकों को भी इसके प्रति जागरूक किया। इन्हें अन्य दो परिवारों को जागरूक करने का संकल्प दिला कर सभी को मास्क दिये गये। पूज्य स्वामीजी ने संघ और सेवा भारती के कार्यकर्ताओं के साथ बैठ कर तय किया कि हमारे शहर में कोई भी भूखा नहीं सोयेगा। शहर में कर्फ्यू का माहौल था, तब महाराजश्री ने निर्णय किया कि अन्नपूर्णा रथ जब तक अपनी रसोई का प्रथम कौर किसी निराश्रित को नहीं दे देगा, तब तक वह स्वयं अन्न का दाना भी ग्रहण नहीं करेगें। ''सुख चाहो तो सेवा करो, सुख चाहो तो सुमिरन करो'' के मूल मंत्र का पालन करते हुए कोरोना से बचाव के लिये हरसंभव सामग्री जैसे मास्क, सैनेटाईजर, साबुन, नैपकिन, रूमाल, दस्ताने, टोपियां, फेस शील्ड, डिटॉल, बच्चों के लिये मिल्क पाउडर, बिस्कुट, आदि निरन्तर वितरित किये गये। ये सामग्री न केवल नागरिकों अपितु डॉक्टर व अन्य मेडिकल स्टॉफ, मीडियाकर्मी, पुलिसकर्मी, सफाईकर्मी, प्रशासनिक कर्मचारियों आदि को भी उपलब्ध करवाई। इन कोरोना योद्धाओं का बार-बार सम्मान भी किया गया। जो सेवादार मरीजों व कच्ची बस्तियों में सेवा कार्य के लिये जाते थे, उन्हें भी पीपीई किट स्वयं की सुरक्षा हेतु उपलब्ध कराये गये। निराश्रितों के पास सूखी रसद सामग्री भी पहुँचाई जाने लगी। 5 जून, 2020 तक यह सेवा निरन्तर चलती रही। उक्त सभी सामग्रियों के अतिरिक्त कोरोना से लड़ने के लिये प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने हेतु आयुर्वेदिक चूर्ण, होम्योपैथिक दवाईयां, विटामिन सी की गोलियां आदि का भी समय-समय पर शहर के विभिन्न स्थानों पर वितरण किया गया। सेवा के इसी क्रम में गायों, श्वानों, पक्षियों, मछलियों, बंदरों व अन्य जीवों के लिये सूखा व हरा चारा, रोटी, दाना इत्यादि की व्यवस्था भी की गई।

जब गाड़ोलिया लौहार समाज ने राशन सामग्री लेने से मना करते हुए स्वयं अपने समाज से 51 हजार रूपये का योगदान दिया तो महाराजश्री अपने स्वास्थ्य की चिन्ता किये बगैर उस समाज के अभिनन्दन व स्वागत-सत्कार के लिये एवं उनका मनोबल बढ़ाने के लिये उनकी बस्ती में पहुंचे। जिला कलेक्टर श्री राजेन्द्र भट्ट का भी शॉल व रूद्राक्ष से सम्मान किया गया। सद्गुरु बाबा शेवाराम साहब की पुण्यतिथि पर पुलिसकर्मियों को 4 हजार मास्क एवं 2 हजार सैनेटाइजर दिये गये। कच्ची बस्तियों में हलवा प्रसाद का वितरण किया गया।

सम्पूर्ण लॉकडाउन के दौरान आश्रम में कोरोना एवं अन्य आपदाओं से बचाव के लिये ईश्वर आराधना, यज्ञ-हवन, अनुष्ठान इत्यादि किये गये जो अनवरत जारी हैं। **महामण्डलेश्वर स्वामी जी का कहना है कि जब भी कोई आपदा आती है तो धरती और धर्म अपना संतुलन स्वयं बनाते हैं। उन्होंने देवभूमि भारत सहित सम्पूर्ण विश्व से कोरोना महामारी का विनाश होने, अंधेरे से उजाले की ओर अग्रसर होने, सबका दुःख दूर होने एवं मानव जाति व प्राणी मात्र के सुखी रहने की मंगलकामना की है।**

हरी शेवा संस्थान बना सेवा का सागर

गुरूद्वारों की लंगर सेवा

तालाबन्दी के समय जयपुर के सभी 21 गुरूद्वारों में दो महीने तक प्रतिदिन 14200 भोजन पैकेट प्रशासन व समाज के माध्यम से वितरित किये जाते थे। यह कार्य राजस्थान के समस्त गुरूद्वारों में हुआ। यह जानकारी सिख समाज राजस्थान प्रदेश के अध्यक्ष सरदार अजयपाल सिंह ने दी है।

भोमियाजी महाराज सेवा समिति, मुरलीपुरी आश्रम से भोजन सामग्री

मेंहदीपुर बालाजी न्यास द्वारा सेवा

मेंहदीपुर बालाजी न्यास द्वारा सैकड़ों श्रद्धालु, जो लॉकडाउन के कारण आवागमन बन्द होने से यहां फंस गये, उन्हें एक माह तक नियमित रूप से दोनों समय का भोजन उपलब्ध कराया। ट्रस्ट अध्यक्ष किशोरपुरीजी महाराज के सानिध्य में अभावग्रस्त व प्रवासी श्रमिकों के लिये दौसा, भरतपुर, करौली जिले में एवं इनके साथ ही विभिन्न क्वारंटाइन केन्द्रों पर भी तीन माह तक भोजन वितरित किया गया।

अमरापुर प्रेम प्रकाश ट्रस्ट के सेवा कार्य

जयपुर में एम आई रोड स्थित अमरापुर प्रेम प्रकाश मंडल ट्रस्ट द्वारा सम्पूर्ण लॉकडाउन की अवधि तक जरूरतमंद व्यक्तियों के लिए भोजन प्रबंधन का कार्य किया गया। संस्था द्वारा रोटी, सब्जी, पुलाव बना कर जिला प्रशासन को वितरण के लिए दिया गया। संस्थान ने अपनी गाड़ियां लगाकर शहर में अलग-अलग स्थानों पर लाखों की संख्या में भोजन के पैकेट व राशन पहुंचाया। सवाई मानसिंह अस्पताल के स्टाफ के लिए भी भोजन तैयार करवा कर प्रतिदिन भिजवाया गया। प्रेम प्रकाश विश्राम गृह जयपुर क्वारंटाइन सेंटर बनाने के लिए प्रशासन को दिया गया, जिसमें लगभग 100 कमरों की व्यवस्था थी। संस्था कई वर्षो से प्रत्येक माह के दूसरे रविवार को लगभग 600 गरीब एवं असहाय परिवारों को राशन वितरण का कार्य निःशुल्क करती है एवं प्रतिदिन श्री अमरापुर दरबार के बाहर राहगीरों के लिए तथा जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल में निशुल्क पुलाव वितरण करती है।

दौसा रसोई

जयपुर–आगरा राजमार्ग पर भूखे–प्यासे राहगीरों को पैदल चलते देखा तो आदर्श विद्या मंदिर में शिक्षा के दौरान पड़े संस्कारों ने मनोज राघव को शांत नहीं बैठने दिया। मित्रों से चर्चा की और उनके साथ मिलकर राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित एक मैरिज गार्डन में राहगीरों के लिए भोजन पानी की व्यवस्था शुरू कर दी। अभियान का नाम रख दिया–दौसा रसोई। दौसा रसोई द्वारा 3 लाख से अधिक राहगीरों को भोजन कराया जा चुका है। यह जानकारी भी आने लगी कि आस–पास के इलाकों में विवाह पहले से तय थे जो टाले नहीं जा सकते। काम–धंधे बंद होने से वधु पक्ष परेशान हैं, कमाई नहीं है। इनकी सहायता का भी निर्णय लिया गया। दौसा रसोई से जरूरतमंद परिवारों की बेटियों के विवाह में भी नि:शुल्क भोजन उपलब्ध करवाया गया, जिसमें दो मिठाई, दो सब्जी,

मेवात क्षेत्र में समिति ने कोरोनाकाल में निर्धन कन्याओं के विवाह कराए

रायता, चावल, नमकीन एवं पूरी आदि उपलब्ध कराया गया। अभी तक 53 बेटियों के विवाह में नि:शुल्क भोजन उपलब्ध करवाया जा चुका है। जिन परिवारों ने दहेज नहीं लेने एवं देने का वचन दिया ऐसे परिवारों को भोजन के साथ 11 हजार रूपये की सहयोग राशि भी प्रदान की गई। आगे भी इस मुहिम को जारी रखने हेतु सरकार से पंजीयन कराया जायेगा।

अन्य संस्थाएं – निम्नांकित में से कुछ संस्थाओं के कई सेवा कार्यों का उल्लेख या चित्र इस अंक में हैं, फिर भी सबके सेवा कार्यों का विवरण स्थानाभाव के कारण देना संभव नहीं हो पाया है :– विवेकानन्द केन्द्र, महावीर इंटरनेशनल, जगदम्बा नवयुवक मण्डल, गायत्री जन सेवा संस्थान, मां चामुंडा सेवा संस्थान, गीता मंदिर न्यास, मानव सेवा संस्थान, मां भारती सेवा संस्थान, अन्नपूर्णा सेवा समिति, पदमावती सेवा संस्थान, श्री माधव स्मृति सेवा प्रन्यास, वन्देमातरम फाउन्डेशन, चित्तौड़ आठम महोत्सव समिति। ■

बोधकथा

सबसे बड़ा धर्मात्मा

एक राजा के चार पुत्र थे। एक दिन राजा ने चारों पुत्रों को बुलाया और कहा, ''जाओ ! किसी धर्मात्मा को खोज कर लाओ। जो सबसे बड़े धर्मात्मा को लाएगा उसी को यह सब राज–पाट सौंप दिया जायेगा।'' चारों लड़के धर्मात्मा की खोज में चले गये।

कुछ दिनों बाद सबसे बड़ा लड़का आया। वह अपने साथ एक सेठ को लाया और बताया, ''सेठजी ने मंदिर बनवाये, तालाब खुदवाये और साधु–संतों को भोजन भी कराते हैं।'' राजा ने सेठजी को उचित सम्मान देकर विदा किया।

दूसरा लड़का आया। वह अपने साथ दुबले पतले ब्राह्मण को लाया और बोला, ''इसने चार धाम की यात्रा की है।'' राजा ने ब्राह्मण को उचित सम्मान व दक्षिणा देकर विदा किया।

तीसरा लड़का आया, एक साधु को साथ लेकर। उसकी प्रशंसा करते हुए बोला, ''यह बड़े तपस्वी हैं। सात दिन में एक दिन आहार (भोजन) लेते हैं और अधिकांश समय ईश्वर भक्ति में लगाते हैं।''

चौथा लड़का लौटा तो अपने साथ मैले कुचैले कपड़े पहने एक ग्रामीण को लाया और राजा से बोला, ''यह एक कुत्ते के घाव को गुनगुने पानी से धोकर उस पर मरहम पट्टी कर रहा था। मैं इन्हें नहीं जानता, आप ही इनसे पूछें, ये धर्मात्मा हैं या नहीं ?''

ग्रामीण बोला, ''महाराज ! मैं तो अनपढ़ हूँ। ये धर्म क्या होता है, इसकी कोई जानकारी नहीं है। कोई बीमार हो तो सेवा कर देता हूँ, भूखा हो तो भोजन करा देता हूँ।''

सुनकर राजा बोला, ''बिना किसी स्वार्थ के पीड़ित प्राणी की सेवा करना और भूखे को भोजन कराना ही सबसे बड़ी सेवा है।'' इसलिये यह ग्रामीण ही सबसे बड़ा धर्मात्मा है। राजा ने चौथे पुत्र को राजपाट सौंपकर गद्दी पर बैठा दिया।

– रोशनलाल गोखरु

Best Wishes From

Sri. Chokharam Suthar
Dinesh C Suthar (Son)
Naveen Kumar (Son)

Nikita Marketing

MONICA
Beauty Centre

Wholesaler, Retailer & Distributor
of Cosmetics, Beauty Products,
Salon Furniture & Asseccories
No.43/22, NSC Bose Road, SV Plaza
Opp. Govindapa Naicken Street,
Sowcarpet, Chennai-600079
Ph.No:044-25354526
Email Id: monicabeautycentre@gmail.com

आप सभी देशवासियों को **सेवा विशेषांक**
प्रकाशन व **दीपावली** की
हार्दिक शुभकामनाएं

नरेश कुमार कनोजिया
सभापति नगर परिषद, व्यावर
पूर्व भाजपा मंडल मंत्री,
पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष 2004 (अभाविप)
पार्षद 2004-2009, 2014-2019
मोबाइल नं. 9352411950

आप सभी देशवासियों को
सेवा विशेषांक प्रकाशन व
दीपावली की
हार्दिक शुभकामनाएं

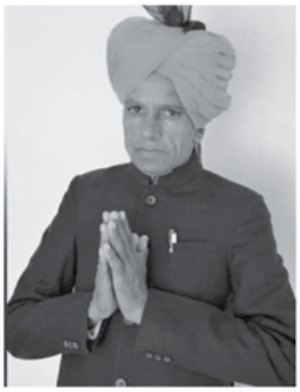

शंकर सिंह रावत
विधायक, ब्यावर (अजमेर)

इन्टीग्रल अरबन को-ऑपरेटिव बैंक लि.
सबसे तेज बढता बैंक

50 लाख तक के ऋण | मात्र **3** दिन में स्वीकृत

मोर्टगेज लोन

- लोन मात्र 3 दिन में स्वीकृत
- न्यूनतम कागजी कार्यवाही
- सोसायटी पट्टे/कृषि भूमि पर भी ऋण उपलब्ध

जमाएं	ब्याज दरें*
15 दिन से 45 दिन	3.30%
46 दिन से 180 दिन	4.80%
181 दिन से 1 वर्ष	5.30%
1 वर्ष से अधिक	6.90%

50%अतिरिक्त वरिष्ठ नागरिकों के लिए

कृषि भूमि व सोसायटी पट्टे पर भी लोन

लॉकर सुविधा | पूर्णतया: कम्प्यूटरिकृत बैंक

प्रशासन के साथ समन्वय

संघ के स्वयंसेवकों द्वारा कई सरकारी व अन्य सेवाओं में सहयोग किया गया। उदाहरण के लिए जयपुर के निम्न संस्मरण उल्लेखनीय हैं :

1. कोरोना मरीजों सहित गंभीर हालात वाले मरीजों को अस्पताल पहुंचाने के लिए प्रारंभ की गई 108 एम्बुलेंस सेवा में कॉल अटेंड करने के लिए 13 स्वयंसेवकों ने अपनी सेवा दी।

2. जयपुर में सब जगह दूध के पैकेट सरकारी डेयरी द्वारा पहुंचाये जाते हैं। जयपुर डेयरी को जब भी आवश्यकता हुई, स्वयंसेवकों ने सहयोग दिया।

3. अक्षय पात्र के द्वारा बड़े पैमाने पर खाना तैयार कर प्रतिदिन जरूरतमंदों को पहुंचाया जाता है। 15 स्वयंसेवकों ने उन्हें कई दिनों तक भोजन बनाने में सहयोग किया।

मुंबई की सेवा बस्ती में जाने को तैयार स्वयंसेवक

विश्व की सबसे बड़ी झुग्गी 'धारावी' में सेवा कार्य

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने 'वालंटियर फॉर कोरोना मुक्त मुंबई' अभियान शुरू किया। संघ की मुंबई इकाई ने एक ऑनलाइन फार्म जारी कर महामारी की रोकथाम के लिए काम करने वालों से साथ जुड़ने की अपील की थी।

संघ ने स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर मुंबई में विश्व की सबसे बड़ी झुग्गी धारावी में कोविड – 19 स्क्रीनिंग का सामाजिक अभियान चलाया। संघ ने लोगों से 'वन वीक फॉर द नेशन' अभियान में जुड़ने की अपील की। विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में इस काम के लिए आवश्यक प्रशिक्षण की योजना बनाई गई। सभी वालंटियरों के लिए पीपीई किट की भी व्यवस्था थी। चिकित्सा सेवा देने वाले इस अभियान में 121 पुरूष एवं 28 महिलाएं सेवा देने आईं।

इस अभियान से केवल उन्हीं लोगों को जुड़ने के लिए कहा गया, जिनकी उम्र 20 से 45 साल की हो। साथ ही जिन्हें शुगर, हाई ब्लड प्रेशर, अस्थमा जैसी कोई बीमारी नहीं हो, ऐसे सभी लोगों को बुलाया गया। इन सभी के लिए रहने और भोजन की व्यवस्था भी संघ की तरफ से की गई, जिससे वे निश्चिंत होकर कम से कम 7 दिनों के लिए घर से दूर रहकर कोरोना से लड़ने में लोगों की मदद कर सकें।

मिशन विश्वास

कोरोना से लड़ने के लिए नागपुर महानगरपालिका के साथ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, लोक कल्याण समिति, नागपुर व सेवांकुर ने कार्य प्रारम्भ किया, उसको नाम दिया 'मिशन विश्वास'।

मिशन–विश्वास में कोरोना संक्रमितों के संपर्क में आए संदिग्धों की सूची तैयार की गयी। इसके बाद संदिग्धों को जल्द से जल्द परीक्षण करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता था।

कोरोना पीड़ित और उनके परिवारों का मनोबल बढ़ाने हेतु परामर्श भी प्रदान किया जाता था। महानगर पालिका के सभी 10 क्षेत्रों में 500 से अधिक स्वयंसेवक मिशन विश्वास में स्वयं के जोखिम पर जुड़े और उन्होंने 15 हजार से अधिक कोरोना रोगियों से संपर्क किया। रोगियों के परिवारों को उनकी प्रतिदिन की आवश्यकतायें जैसे दवाईयाँ आदि की पूर्ति के लिए भी स्वयंसेवक सहायता प्रदान करते थे। ■

संबल और सुरक्षा कवच बनी

ग्राम सुरक्षा समितियाँ

राजस्थान के हजारों गांवों में सुरक्षा समितियों का गठन कर एक अभिनव प्रयोग किया गया। इन सुरक्षा समितियों का लक्ष्य था– अपना गांव सुरक्षित रहे और स्वस्थ रहे।

गांव को सुरक्षित रखने के लिए तय हुआ कि इस कोरोना महामारी से गांव को बचाना है तो बाहर से आने वाले लोगों पर नियंत्रण रखना होगा। गांव में कोई अवांछित व्यक्ति प्रवेश न करे। अनेक गांवों में किसी ग्रामीण का कोई परिवार–जन भी लम्बे समय तक बाहर रह कर लौटा तो, उसे गांव के बाहर ही 14 दिनों तक क्वारंटाइन में रखा गया। जिस गांव में 'ग्राम सुरक्षा समिति' का गठन किया गया और ठीक से कार्य हुआ, वहां कोरोना के प्रकोप से गांव वाले बचे रहे।

गांव की सुरक्षा के लिए दिन और रात की अलग–अलग सुरक्षा–टोलियां बनाकर चौबीसों घंटे पहरेदारी की गयी। गांव में आने वाले कच्चे–पक्के रास्तों पर बाड़, कटीले तने–पत्तियां या बल्लियां लगाकर रास्ता अवरुद्ध कर पहरेदार बने ग्रामवासी बैठे रहे। अनजान व्यक्ति के आने की सूचना गांव–सरपंच के माध्यम से पुलिस को पहुँचायी गयी। कुछ गांवों में बैनर लगाकर गांव की सुरक्षा का संदेश भी दिया गया।

गांव को स्वस्थ रखने के लिए आयुष मंत्रालय द्वारा निर्धारित पद्धति से काढ़ा बनाकर ग्रामवासियों को पिलाया गया। लोगों को मास्क दिये गये। मुख्य बाजारों व सार्वजनिक स्थानों को सैनेटाइज किया गया।

इन ग्राम समितियों ने मूक पशु–पक्षियों की चिंता भी की। गायों व अन्य पशुओं के लिए चारे तथा पानी की व्यवस्था की गयी। पक्षियों के लिए जगह–जगह परिंडे बांधे गये।

संघ के चितौड़ प्रांत में 3,229 ग्राम सुरक्षा समितियों का गठन हुआ। समितियों के गठन में सभी समाज–जनों और माता–बहिनों की सहभागिता रही। ■

कच्चे पड़वे में आइसोलेशन

लोहावट क्षेत्र में ढेलाणा गांव में महाराष्ट्र से लौटकर आये एक ग्रामवासी देवीलाल को कच्चे पड़वे में 14 दिनों तक आइसोलेशन में रखा गया। घास से बना यह कच्चा पड़वा उसके घर से 500 मीटर दूर था। एक ग्रामवासी ने बताया कि यह निर्णय कोरोना वायरस को गांव में प्रवेश से रोकने के लिए किया गया।

सेवा विशेषांक प्रकाशन एवं दीपावली की
हार्दिक शुभकामनाएं

"AA CLASS" GOVT. CONTRACTOR

मैं. श्याम इन्टरप्राइजेज

मेवाराम चौधरी
ग्राम : जयभवानीपुरा, पोस्ट : निमेड़ा
जिला : जयपुर मो. 9928999002

जनप्रतिनिधियों की सहभागिता

प्रतापगढ़ में किये गये सेवा कार्यों के दौरान सामाजिक संगठनों, राजनीतिक दलों एवं प्रशासनिक अधिकारियों, तीनों में अद्भुत समन्वय दिखायी दिया। इन सभी सेवा कार्यों का केन्द्र था प्रतापगढ़ बस स्टैण्ड पर स्थित संत भवन, जहाँ संघ का कार्यालय भी है।

स्वयंसेवक बड़ी लगन से भोजन बनवाने तथा पैकिंग के कार्य में प्रात: 04:00 बजे से ही जुट जाते थे। देर रात्रि तक भोजन निर्माण का कार्य चलता रहता था। इस सेवा कार्य में राजनीतिक दलों सहित समाज के सभी लोगों का सहयोग रहा। स्थानीय कांग्रेस विधायक तथा भाजपा व कांग्रेस के पदाधिकारियों द्वारा सेवा कार्य की संभाल व आर्थिक सहायता की गई। प्रशासनिक अधिकारियों ने भी सेवा कार्यों को देखकर मार्गदर्शन दिया, इनमें एडीजे, एसडीएम, डीएसपी आदि अधिकारी शामिल हैं। सेवा कार्य को उनके महत्वपूर्ण सुझावों का लाभ भी मिला। हिण्डौली-नैनंवा के विधायक ने ब्लॉक स्तरीय बैठक में स्वयंसेवकों द्वारा सुबह-शाम जरूरतमंदों को भोजन पहुंचाने के लिए किये गये कार्य की प्रशंसा की।

अस्थि विसर्जन में सहयोगी बनी भाजपा

भारतीय संस्कृति में महत्वपूर्ण परंपरा है देहांत के बाद व्यक्ति की अस्थियां पवित्र जल में प्रवाहित करने की। लेकिन इसमें बाधा आई लॉकडाउन की लंबी अवधि के कारण।

लोग अपने परिजनों की इच्छा अथवा मानसिक संतोष देने वाला यह कार्य नहीं कर पाने पर कष्ट का अनुभव कर रहे थे। परंतु इस कार्य की जिम्मेदारी उठाने का संकल्प लिया भाजपा से जुड़े जनप्रतिनिधियों ने।

अस्थि पूजन कर विसर्जन हेतु प्रस्थान

पार्टी के सभी सांसदों और विधायकों ने अपने अपने क्षेत्र में लॉकडाउन के समय हुए दिवंगतों के परिजनों से संपर्क कर उनकी अस्थियां एकत्र करवाकर हरिद्वार या और किसी पवित्र सरोवर पर ले जाने के लिये बसों की व्यवस्था की एवं विधि-विधान से पुरोहित द्वारा प्रवाहित करवाने का पुनीत कार्य किया। जब तक शासन द्वारा इसकी व्यवस्था नहीं हुई तब तक अपने क्षेत्र से कम से कम एक बस या जहां आवश्यकता थी वहां उससे अधिक बसें भी लगाई गई।

अन्य सभी सेवा कार्यों के साथ सबसे अलग हटकर यह एक महत्वपूर्ण कार्य उन्होंने संपन्न करवाया।

बीकानेर नगर निगम द्वारा सेवा कार्य

बीकानेर नगर निगम की महापौर सुशीला कंवर के नेतृत्व में प्रवासी मजदूरों को सरकार द्वारा संचालति ट्रेनों व बसों के माध्यम से उनके घर तक पहुंचाने का कार्य किया गया। मार्च में लॉकडाउन के समय अनेक जरूरतमंद परिवारों तक सूखा राशन एवं सब्जियां पहुंचायी गयी। मास्क तथा सैनेटाइजर वितरित किये गये तथा शहर में सैनेटाइजर का छिड़काव कराया गया।

महिला सफाईकर्मियों को जरूरी सुरक्षा उपकरण व राशन किट भी दिए गये।

सेवा विशेषांक प्रकाशन व दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

श्री भगवती लाल जी
नितिन कुमार जी जैन

352, सेक्टर-11, हिरण मगरी,
उदयपुर (राज.) मो. 8209042080

पंतजलि चिकित्सालय
रामद्वारा के सामने,
गाँधी मूर्ति, पाली-मारवाड़ (राज.)
रणजीत जैन फोन नं . 02932- 225044

पतत्वेष कायो नमस्ते नमस्ते ...

और यह जीवन समर्पित

आपदा के समय सेवा कार्यों सबसे आगे रहने वाले संघ के स्वयंसेवक दूसरों के जीवन का ख्याल रखते-रखते कई बार स्वयं दुर्घटनाओं का शिकार हो जाते हैं। अक्सर वे अपने स्वास्थ्य का ध्यान नहीं रख पाते तथा सेवा कार्य करते-करते देश पर अपना जीवन अर्पित कर जाते हैं।

कोविड त्रासदी में भी सेवा कार्य करते हुए तीन स्वयंसेवक हमेशा के लिए अपने परिवार व साथियों से दूर चले गये।

सांभर जिला कुटुम्ब प्रबोधन प्रमुख आसलपुर निवासी बनवारी लाल सेवा करते हुए 18 मई को हृदय गति रूकने से देवलोक गमन कर गए।

19 मई को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, जयपुर के दिनेश गरेड ब्रह्मलीन हो गए। वे तपती सड़कों पर अपने गंतव्यों की ओर जाने वाले श्रमिकों को पदवेश (जूते-चप्पल) उपलब्ध कराने का काम कर रहे थे।

इससे पहले 26 मार्च को बूंदी से हृदय विदारक सामाचार आया, जब पता चला कि पवन भार्गव नहीं रहे। अपनी मृत्यु से कुछ देर पहले तक वे बूंदी की गुरुनानक कॉलोनी में लोगों को राहत सामग्री बाँट रहे थे।

22 मई को बाराबंकी के जिला कार्यवाह अजय चतुर्वेदी लखनऊ-अयोध्या राजमार्ग पर श्रमिकों को भोजन पैकेट वितरित करवाकर लौट रहे थे कि किसी वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। उपचार के दौरान अस्पताल में उनकी मृत्यु हो गई।

देश में न जाने कितने स्वयंसेवक हैं जो अपना जीवन दांव पर लगा कर समाज हित कार्य कर रहे हैं। वे पूरी उम्र समर्पण भाव से समाज कार्यों में लगे रहते हैं तथा मृत्यु के बाद दूसरों के लिए प्रेरणा बन जाते हैं।

पाथेय कण परिवार की ओर से इन कार्यकताओं को 'श्रद्धांजलि'।

स्व. बनवारी लाल जी

स्व. अजय चतुर्वेदी जी

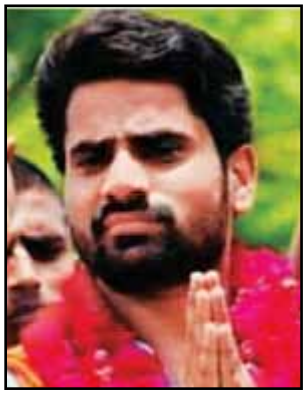

स्व.दिनेश गरेड जी

स्व. पवन भार्गव जी

वैक्सीन ट्रायल के लिए प्रस्तुत

कोरोना वैक्सीन ट्रायल के लिये दुर्गापुर (पश्चिम बंगाल) के स्वयंसेवक चिरंजीत धीवर ने अपनी देह दान की। आईसीएमआर ने कहा ट्रायल के लिये चिरंजीत धीवर का चयन किया गया है।

अंधेरी (मुम्बई) के स्वयंसेवक वैभव संजु बगुल ने कोविड-19 वैक्सीन के मानव ट्रायल हेतु स्वयं को पंजीकृत करवाया था। अब उन्हें ट्रायल के लिये दवा की डोज दी गई। दवा का मानव परीक्षण आईसीएमआर की देखरेख में हो रहा है।

आलोचक भी प्रशंसा करते दिखाई दिए

आलोचना सामाजिक जीवन का आवश्यक अंग है किन्तु आलोचनाओं का आधार पूर्वाग्रहों पर न होकर तटस्थ होना चाहिये। संघ सदैव वाम बुद्धिजीवियों की आलोचनाओं के केंद्र में रहा है। संघ के असंख्य सेवा कार्यों से वे या तो अनभिज्ञ हैं या जानबूझकर सत्य को छुपाना चाहते हैं।

नेपथ्य में रह कर कार्य करना संघ के कार्यकर्ताओं का सहज स्वभाव है। संभवत: इसीलिए आधारहीन आलोचनाओं के बीच भी संघ की जनसेवा का कार्य न सिर्फ निर्बाध गति से चलता रहा बल्कि देश के जन सामान्य द्वारा भी संघ के प्रति श्रद्धा और विश्वास में निरंतर विस्तार हुआ है।

सेवा के सामर्थ्य से संघ के कार्यकर्ता यह बताने में सफल रहे हैं कि उनकी प्रेरणा का केंद्र भारत का विचार है जो सर्वसमावेशी है। यही कारण है कि आज भारत के विचार का विरोध करने वाले सामाजिक जीवन में संघ की मजबूत उपस्थिति को नजरंदाज नहीं कर सकते।

इसका उदहारण देखने को मिला जब आम तौर पर संघ से स्पष्ट विचार मतभेद रखने वाले पत्रकारों को भी कोरोना महामारी की रोकथाम के लिए संघ के स्वयंसेवकों के सेवा कार्यों की प्रशंसा करनी पड़ी।

पत्रकार सागरिका घोष यह ट्विट करती हैं कि 'राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपने रचनात्मक कार्यों द्वारा सामाजिक रूप से लोगों को जोड़ने का कार्य कर रहा है जिसकी आपदा में सदैव आवश्यकता होती है'।

इसी प्रकार **राजदीप सरदेसाई** अपनी विस्तृत रिपोर्ट में बताते हैं कि संघ के कार्यकर्ताओं ने पुणे की सेवा बस्तियों में जाकर स्वास्थ्यकर्मियों की सहायता कर रहे थे जहाँ सामान्यत: शासकीय सेवाएँ भी उपलब्ध नहीं हो रही थी। वहीं **बरखा दत्त** भी बताती हैं कि मुंबई की नेरूल नगर जैसी बस्ती जो कि वायरस संक्रमण के रेड जोन में आती है, वहाँ संघ के स्वयंसेवक लोगों को जागरूक करते और स्क्रीनिंग करते मिले। ऐसे ही, ट्विटर पर वीडियो में संघ के स्वयंसेवक रेलवे स्टेशन पर मुस्लिम यात्रियों को भोजन देते दिखाई दिए, तो किसी मुस्लिम यूजर ने लिखा कि 'मीडिया कभी संघ का यह कार्य भी दिखाएगा?' तब **जावेद अख्तर** ने अपने ट्विटर हेण्डल से इसे रिट्वीट किया।

आलोचकों द्वारा संघ के सेवा कार्यों पर की गई प्रशंसा एवं मूल्यांकन ज्यादा सटीक और ईमानदार प्रतीत होता है। ■

जब हम कहते हैं कि सारा समाज अपना है तो स्वाभाविक रूप से यह क्रिया बिना किसी सूचना के,बिना किसी आदेश के होती है। बिना प्रशिक्षण के हमारे स्वयंसेवक प्रशिक्षित लोगों के समान काम करते हैं। –सुरेश भय्याजी जोशी, सरकार्यवाह (रा.स्वं.संघ)

With Best Wishes... Padam Jain
ASAP Corporate Adviser Pvt.Ltd.
PKS & Co.CA
Office No.002, Gulmohar Complex,
Opp. Anupam Cinema Station Road,
Goregaon (East), MUMBAI - 400 063
Padam.jain@PKSCA.com
26865205, 9320778228, 9819472226

With best Wishes
हरिश चन्द्र चौधरी
Mob. : 9498713001
9468579930
दिव्या क्लॉथ एम्पोरियम व फैशन जोन
(अमरपुरा वाले)
FIXED PRICE SHOP
जिन्स, शर्ट, टीशर्ट, सलवार सूट, गर्ल्स ड्रेस
किड्स वियर, शेरवानी, सूट एवं अण्डरगारमेण्ट्स
5, सेक्टर-9 तिराहा, मेनरोड़ सविना, उदयपुर (राज.)
सम्बन्धित फर्म : **हरिश कुमार पूँजालाल**
अमरपुरा, तह. सराड़ा, जिला- उदयपुर मो. 9468713001

आप सभी देशवासियों को
सेवा विशेषांक के प्रकाशन व
दीपावली की
हार्दिक शुभकामनाएं

श्रीमती मोहन देवी सोनी
अहिंसापुरी, उदयपुर

सेवा विशेषांक प्रकाशन एवं दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

वीरेन्द्र कुमार डांगी
मो. 9414169333
8290669333

रजनी डांगी
मो. 9414165333
8290765333

डांगी इण्डस्ट्रीज
पर्ल मिनरल्स एंड केमिकल्स
डांगी माईनिंग प्राईवेट लिमिटेड
नेनो क्ले एंड मिनरल्स प्राईवेट लिमिटेड
देवपुष्प माईनिंग इण्डस्ट्रीज, किच्छा (उत्तराखंड)

- सोप स्टोन पाउडर
- डोलोमाईट
- चाइना क्ले
- केल्साइट पाउडर के निर्माता एवं माईनिंग

एफ-39 (A), आई.टी.पार्क, रोड नं. 12,
मादड़ी इंडस्ट्रियल एरिया, उदयपुर- 313003
फोन: 91.9672203061
ईमेल: pearlmin@rediffmail.com; dangiindustries@rediffmail.com

---

With Best wishes...

"Shree Shyam Devay Namah"

SHREE MAHALAXMI ROCKS

Manufacturers of Suppliers :
All Kinds of Granite Slabs & Tiles

Bhagli Sindhlan Road ,
JALORE-343001 (Raj)

Ph. 02973-254022
Shailesh 8003223255, Pawan - 9610722319

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

जन-जन का यही नारा
साफ सुथरा हो प्रदेश हमारा
ग्राम पंचायत भंवार

पंचायत समिति सेवड़ा, बाड़मेर

दीपोत्सव

अनंत कुमार
समाजसेवी

के पावन पर्व पर
पाथेय कण के
सेवा विशेषांक
प्रकाशन पर सभी
पाठकों व प्रदेशवासियों
को हार्दिक
शुभकामनाएं

सोढ़ी देवी
सरपंच ग्राम
पंचायत भंवार

गांव स्वच्छ तो देश स्वच्छ

समस्त ग्रामवासी व ग्राम पंचायत भंवार पंचायत समिति सेवड़ा, बाड़मेर

पुरस्कार की चाह नहीं

'सेवा नहीं व्यापार हमारा, पुरस्कार की चाह नहीं' – इसी भावना से संघ के स्वयंसेवक प्राकृतिक व अन्य विपदाओं के समय सेवा कार्य करते रहे हैं यद्यपि कोरोना काल में देश–विदेश में स्वयंसेवकों के सेवा कार्यों को मीडिया व प्रशासन से सराहना मिलती रहती है।

सेवा भारती को सम्मान

कोरोना–काल के दौरान किये गये सेवा कार्यों के लिए मीडिया ग्रुप 'इंडिया टुडे' ने 'सेवा भारती' को सर्वश्रेष्ठ एन.जी.ओ. का अवार्ड देकर सम्मानित किया है। लॉकडाउन की अवधि में देशभर में फंसे मजदूरों, गरीबों एवं जरूरतमंदों की सहायता करने में भागीदारी निभाने वालों को 'हेल्थगिरी अवार्ड 2020' के अन्तर्गत सेवा भारती को यह सम्मान मिला।

राष्ट्रीय सेवा भारती द्वारा देशभर में किये गये सेवा कार्यों से 54 लाख 4 हजार 916 प्रवासियों को लाभ मिला। लॉकडाउन में फंसे मजदूरों एवं अप्रवासी लोगों की सहायता के लिए सेवा भारती द्वारा 2296 राहत केन्द्र संचालित किये गये थे।

सेवा भारती कार्यकर्ताओं ने हजारों जगहों पर 74 लाख राशन किट, 44 लाख 66 हजार भोजन पैकेट तथा 90 लाख मास्क बांटे। 60 लाख लोगों को आयुर्वेदिक दवाएं उपलब्ध कराई गयी एवं देशभर में ब्लड बैंकों के लिए 6 हजार 200 बोतल खून भी इकट्ठा किया गया।

सेवा भारती की स्थापना सन् 2001 राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की प्रेरणा से हुई थी। यह संगठन निःस्वार्थ भाव से समाज सेवा में संलग्न है। ■

(हिन्दी में अनुवादित–सम्पादक)

कॉमनवेल्थ ऑफ पेनसिलवेनिया
कार्यालय राज्यपाल
हेरिसबर्ग

राज्यपाल

अभिनन्दन

कोविड–19 महामारी के दौरान हिन्दू समुदाय तथा हिन्दू सेवा संघ के स्वयंसेवकों द्वारा की गयी उत्कृष्ट सेवा स्वीकार करते हुए मुझे अत्यन्त हर्ष हो रहा है।

आप में से प्रत्येक ने समुदाय के लोगों के लिए नर्सिंग होम, भोजन व्यवस्था, पीपीई आपूर्ति, और भी बहुत कुछ करते हुए उनसे जुड़ने के लिए अत्यधिक श्रम किया है।

ये स्वयंसेवक अपने कॉमनवेल्थ के मूल्यों एवं प्रथाओं का सच्चा प्रतिनिधित्व हैं। ये कार्य हमको याद दिलाते हैं कि हमारे नित्य के निर्णय एवं नेकी के कार्य हमारे चारों तरफ फैले विश्व को विपुल एवं महत्वपूर्ण तरीके से प्रभावित कर सकते हैं। मैं आश्वस्त हूँ कि आप लोग अपने कॉमनवेल्थ का आदरपूर्ण एवं विशिष्टता से प्रतिनिधित्व करेंगे एवं आपके अति विशिष्ट धर्मार्थ कार्य पेनिसिलवेनिया के अन्य लोगों को आने वाले कई वर्षों तक प्रेरित करते रहेंगे।

गवर्नर के नाते एवं पेनिसिलवेनिया के समस्त नागरिकों की ओर से अपने कॉमनवेल्थ के लिए हिन्दू समुदाय तथा हिन्दू स्वयंसेवक कार्यकर्ताओं के समर्पण एवं सेवा कार्यों को स्वीकार करना मेरा सौभाग्य है।

(हस्ताक्षर)
टॉम वोल्फ
राज्यपाल
2020

सोलह देशों में चल रहा है संघ का सेवा कार्य

कोरोना संक्रमण से फैली वैश्विक महामारी के इस दौर में 'राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ' केवल भारत में ही नहीं, बल्कि दूसरे देशों में भी लाखों लोगों की सेवा कर रहा है। संघ के वैचारिक संगठन 'हिन्दू स्वयंसेवक संघ' से जुड़ा 'सेवा इंटरनेशनल' 16 देशों में स्थानीय नगर निकाय और प्रशासन के साथ मिलकर राहत काम में जुटा है। इसमें अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, केन्या व मलेशिया के साथ ही पड़ौसी देश नेपाल, श्रीलंका व म्यांमार तक शामिल हैं। संयुक्त अरब अमीरात जैसे खाड़ी देशों में भी सेवा इंटरनेशनल तन्मयता से लोगों की मदद में जुटा है।

संघ के वरिष्ठ पदाधिकारी ने कहा कि हम विश्व बंधुत्व के भाव वाले लोग हैं। इसलिए जहां भी भारतीय हैं, वहां सेवा में जुटे हैं। केन्या में 26 अप्रैल को ही एक लाख मास्क बांटे गये।

कोरोना से सर्वाधिक प्रभावित अमेरिका में बड़े स्तर पर सेवा कार्य चल रहा है। सेवा इंटरनेशनल ने एक हजार से अधिक संगठनों का व्यापक समूह बनाया है, जिसके माध्यम से 2500 से अधिक वालेंटियर्स का दल अमेरिका के 20 से अधिक शहरों में सक्रिय है। वहां 50 से अधिक डॉक्टरों का समूह सहायता में लगा हुआ है। 5 हजार से अधिक लोगों को पका भोजन या खाना बनाने का सामान पहुंचाया गया। 60 से अधिक लोगों ने इलाज के लिये प्लाज्मा दान किया है।

ऑस्ट्रेलिया में कई सार्वजनिक किचन चलाये जा रहे हैं। यहां लगभग 42 हजार लोगों को पका भोजन या भोजन बनाने का सामान उपलब्ध कराया गया है। मास्क व पीपीई किट तथा चिकित्सकीय मदद के साथ हेल्पलाइन के माध्यम से लोगों की मदद की जा रही है। ऑस्ट्रेलिया में नौ स्थानों पर लोगों के ठहरने की व्यवस्था की गयी।

भारतीयों के साथ दूसरे देशों के छात्र भी लॉकडाउन में फंस गये थे। इनकी मदद के लिए व्यापक काम किया गया। उन्हें भोजन के साथ रहने और चिकित्सकीय सुविधा उपलब्ध कराई गयी। ■

लॉकडाउन : एक दृष्टि

कोरोना महामारी के कारण लगे लॉकडाउन, सरकार के निर्णय, योजना क्रियान्विति आदि पर लोगों की अपनी-अपनी राय हो सकती है, परन्तु सम्पूर्ण परिदृश्य का विश्लेषण करने पर कुछ बातें ध्यान में आती हैं, यथा-

नागरिकों की दृढ़ मानसिकता

लॉकडाउन की पालना अधिकांश देशवासियों ने की। प्रधानमंत्री मोदी जी द्वारा कोरोना योद्धाओं के सम्मान में थाली बजाना या फिर दीपक अथवा टॉर्च जलाने के आह्वान पर सम्पूर्ण देश ने 'हम सब एक है' की तर्ज पर व्यवहार प्रकट किया।

भारतीय सेवा-संस्कारों का प्रकटीकरण

लाखों-करोड़ों लोग असहाय हो गये थे, परन्तु पूरे देश में मंदिर, गुरुद्वारे, धार्मिक -सामाजिक संस्थाओं, स्वयंसेवी संगठनों ने जरूरतमंदों के लिए भोजन-राशन, काढ़ा, मास्क आदि की व्यवस्था की। गांव, गली, मौहल्लों, कॉलोनी के लोग इकट्ठा आये और स्वप्रेरणा से सहायता कार्य किया। सेवा के भारतीय संस्कार सर्वत्र प्रकट हुए।

बेनकाब चेहरे

(क) तब्लीगी जमाती दिल्ली के मरकज से निकलकर देशभर में फैल गये थे, उनके द्वारा कोरोना का संक्रमण तेजी से हुआ। मुस्लिम नेतृत्व देश के बजाय उनके पक्ष में खड़ा नजर आया।

(ख) मस्जिदों, चर्चों के पास अकूत सम्पति है फिर भी इनके द्वारा सेवाकार्यों के समाचार नगन्य ही हैं।

(ग) वामपंथी संगठन, अर्बन नक्सली, तथाकथित सैक्यूलर बिरादरी तथा मानवाधिकारवादी जो आतंकवादियों के बचाव में हमेशा खड़े दिखाई देते हैं, सरकारी निर्णयों, योजनाओं में कमियां ढूढ़ते रहे, बयानबाजी करते रहे, प्रवासी मजदूरों की समस्या को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाते रहे, परन्तु इन्होंने जरूरत मंदों की सेवा कहीं भी की हो- यह दिखाई नहीं दिया।

(घ) तथाकथित दलित हितचिंतक बने व्यक्ति व संगठन समाज में संघर्ष निर्माण के लिए तो तत्पर रहते हैं, परन्तु कोरोना काल में कहीं सेवा करते दिखाई नहीं दिए।

(ड़) देश के एन.जी.ओ. भी गरीबी, अशिक्षा आदि से लड़ने की बात करते हैं, कुछ को छोड़कर वे भी इस काल में नदारद थे। ■

- तुलसी नारायण

NAVEEN BANSAL, PAWAN BANSAL
DIRECTOR
Mob. 8696020000, 8696030000

Nataraj Roofing
नटराज का वादा दाम कम खर्च ज्यादा

NATARAJ ROOFING PVT. LTD.

Works : H-115, VKI Extension Area, Road No. 14,
Badarana, Jaipur-302013 (Rajasthan)
Phone : 8824900842, 8824900857
Email :- marketing@natarajroofing.com, natarajroofing@gmail.com
Website :- www.natarajroofing.com

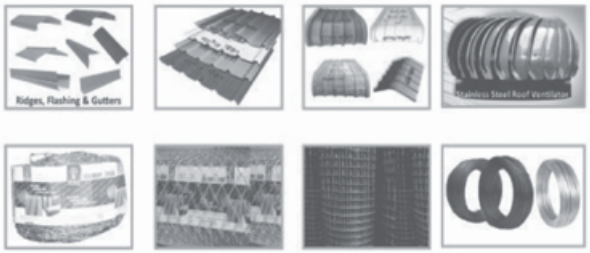

Unit-II : A-25 (A), & A-25(B)-A, SKS Industrial Area, Reengus,
Sikar-332404 (Rajasthan) Mobile : 88249 00859

Office:- H-606 (A), Road No. 6, V.K.I. Area, Jaipur-302013 (Raj.)
Mobile : 88249 00839

दीपोत्सव व पाथेय कण सेवा विशेषांक
की हार्दिक **बधाई व शुभकामनाएं**

रवि टांक
B.E. Civil M.E.

Management Technical Consulatant (Bridges)

2 बी, महावीर कॉलोनी, मुख्य मार्ग
अशोक नगर, उदयपुर (राज.) पिन : 302031
मोबाइल नं. : 7767000777

चाहता हूँ कुछ और भी दूँ

बाहरी राज्यों के प्रवासी काम बंद होने के कारण अपने राज्य के लिए पैदल ही निकल पड़े थे। भूखे-प्यासे इन मजदूरों की बेबसी जोधपुर के प्रतापसिंह सोढ़ा से देखी नहीं गई और इनके खाने-पीने लिए कुछ करने की ठानी लेकिन समस्या मुख्य रूप से धन की थी, क्योंकि कोरोना की वजह से प्रतापसिंह का ठेकेदारी का काम भी फिलहाल रूक गया था।

प्रतापसिंह ऐसे भूखे-प्यासे लोगों के लिए कुछ करना चाहते थे। लेकिन किया क्या जावे? इसी विचार में घर पर बैठे सोच ही रहे थे कि पत्नी ने पूछा, क्या हुआ आपको? किस बात की चिंता कर रहे हो?

प्रतापसिंह ने पूरी बात अपनी पत्नी को बताई तो पत्नी ने कहा कि हमारे पास दो मकान हैं हम एक मकान बेचकर आज इस महामारी में भूखे और बेघर लोगों की मदद कर सकते हैं।

बिना कुछ सोचे-विचारे प्रतापसिंह ने मानव सेवा को परम धर्म मानते हुये, 40 लाख का मकान आनन-फानन में 35 लाख में बेच दिया और लग गये इस सेवा के पुण्य कार्य में। वास्तव में इतना बड़ा फैसला लेने के लिये अपने आप में हिम्मत चाहिए। लेकिन प्रतापसिंह ने ऐसा फैसला लेकर 'सेवा परमो धर्मः' को सार्थक कर दिया।

शुरुआत में रोज अनाज, दाल, मसाले और सब्जी के लगभग 400 से 500 किट बांटने शुरू किये। उसके बाद अपनी फर्म की जगह पर रसोइयों को बिठाकर भोजन तैयार करके रोज 400-500 लोगो को खाना खिलाने लगे। पैदल ही अपने घर की ओर जाने वाले मजदूरों के लिए टेंट लगाकर उनके भोजन व आराम की व्यवस्था भी की।

अपना मकान बेचकर रोज हजारों जरूरतमंदों के लिए खाने-पीने की व्यवस्था करके प्रतापसिंह आज सम्पूर्ण समाज के लिए एक आदर्श उदाहरण हैं कि जीव मात्र की सेवा ही ईश्वर की सेवा है।

आप सभी देशवासियों को
दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

श्री जब्बर सिंह सांखला
विधायक आसींद, भीलवाड़ा

श्रीमान् जब्बर सिंह सांखला द्वारा
कोरोना समय में किये गये सेवा कार्य

सेवा विशेषांक व दीपोत्सव
के पावन पर्व पर सभी देशवासियों
को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

श्री राधे सिल्क मिल्स

F-67, II floor,
RIICO EXTN. PUR ROAD
BILLIYA- BHILWARA
MOB. 9414111630, 9672515000
PHONE No. 01482-260617, 260417

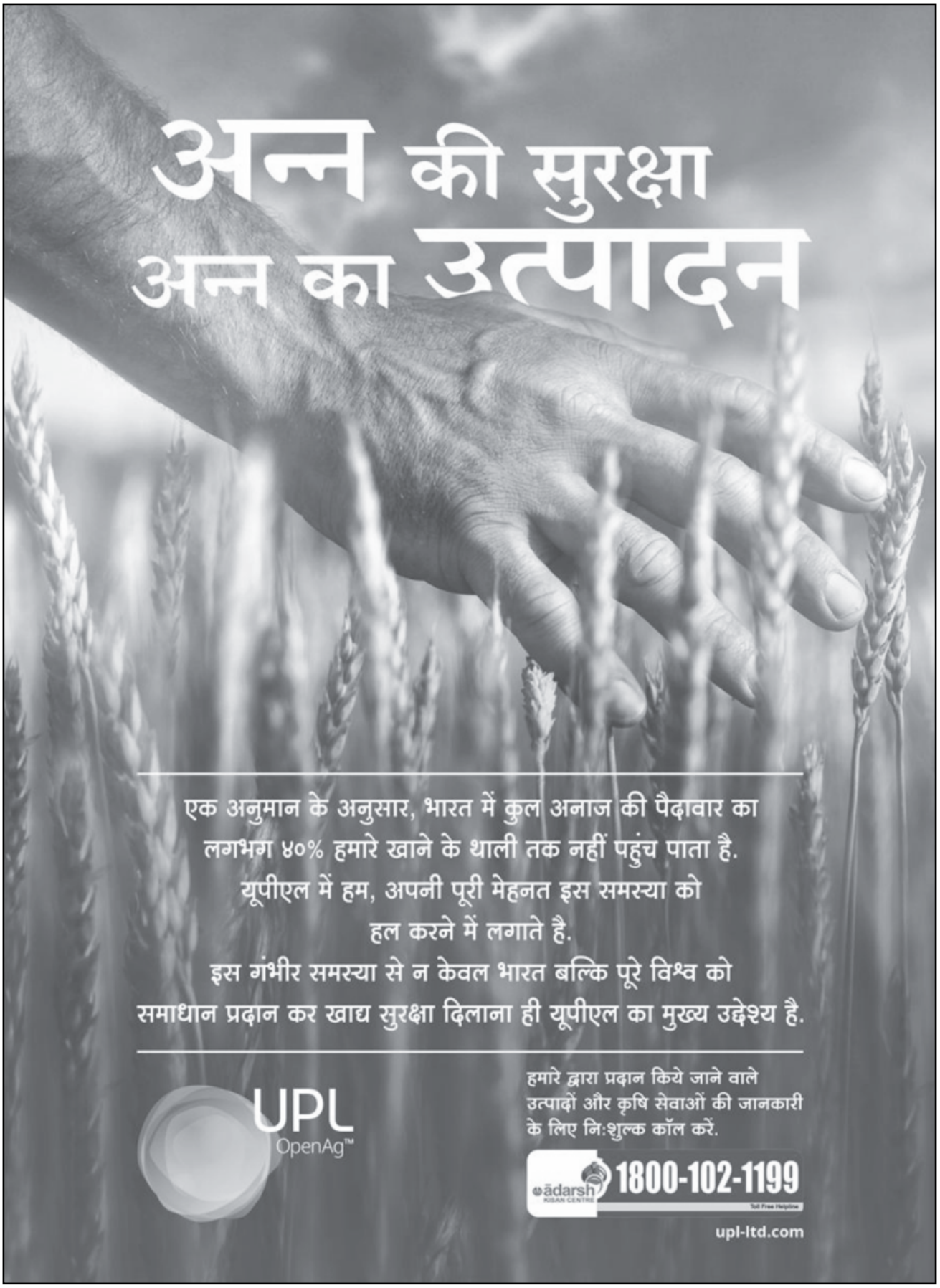
अन्न की सुरक्षा
अन्न का उत्पादन
एक अनुमान के अनुसार, भारत में कुल अनाज की पैदावार का
लगभग ४०% हमारे खाने के थाली तक नहीं पहुंच पाता है.
यूपीएल में हम, अपनी पूरी मेहनत इस समस्या को
हल करने में लगाते है.
इस गंभीर समस्या से न केवल भारत बल्कि पूरे विश्व को
समाधान प्रदान कर खाद्य सुरक्षा दिलाना ही यूपीएल का मुख्य उद्देश्य है.
UPL
OpenAg™
हमारे द्वारा प्रदान किये जाने वाले
उत्पादों और कृषि सेवाओं की जानकारी
के लिए नि:शुल्क कॉल करें.
ādarsh
1800-102-1199
upl-ltd.com

जिलाशः विवरण

चित्तौड़ प्रांत

जिला	सेवा स्थान	सहभागी कार्यकर्ता	लाभान्वित परिवार
बांसवाड़ा	275	1316	18311
सागवाड़ा	270	1142	13728
डूंगरपुर	179	1020	14226
उदयपुर महानगर	83	425	3921
उदयपुर जिला	72	250	3800
सलूम्बर	78	492	1300
भिंडर	54	299	1615
राजसमन्द	203	1286	750
चित्तौड़	330	1394	3111
निम्बाहेड़ा	220	480	4800
प्रतापगढ़	161	851	3494
भीलवाड़ा महानगर	50	900	116440
भीलवाड़ा जिला	55	286	1914
आसीन्द	165	1425	3696
शाहपुरा	147	670	2540
अजयमेरु महानगर	94	826	10902
अजयमेरु जिला	207	953	6142
ब्यावर	158	575	3666
कोटा महानगर	120	1621	8871
कोटा जिला	345	1456	11034
बूंदी	399	3139	5023
बाराँ	525	3756	10769
छीपा बड़ोद	285	1010	4535
झालावाड़	306	1380	38098
भवानी मंडी	319	1214	8493
योग	**5100**	**28166**	**301179**

राजस्थान क्षेत्र

सेवा स्थान
8 हजार पाँच सौ

सहभागी कार्यकर्ता
49 हजार से अधिक

लाभान्वित परिवार
6 लाख 32 हजार से अधिक

जोधपुर प्रांत

जिला	सेवा स्थान	सहभागी कार्यकर्ता	लाभान्वित परिवार
पाली	86	280	7237
बाली	220	337	2542
सोजत	124	406	7492
जालौर	101	610	16652
सिरोही	42	489	2089
भीनमाल	34	98	2460
बाड़मेर	46	358	2115
बालोतरा	76	904	4720
जैसलमेर	31	279	1665
जोधपुर महानगर	18	560	33815
बिलाड़ा	181	591	9711
फलौदी	65	450	3400
नागौर	24	236	1700
मेड़ता	20	330	3378
डीडवाना	31	398	2410
बीकानेर महानगर	7	752	4689
नोखा	35	190	2223
खाजूवाला	13	107	850
श्रीगंगा नगर	12	210	1100
सूरतगढ़	17	170	3000
हनुमान गढ़	8	450	1250
योग	**1191**	**8205**	**114498**

जयपुर प्रांत

जिला	सेवा स्थान	सहभागी कार्यकर्ता	लाभान्वित परिवार
चूरु	206	400	32085
झुंझुंनू	44	286	15070
चिड़ावा	30	425	4050
रतनगढ़	46	455	8729
सीकर	98	963	4256
श्री माधोपुर	80	1780	4080
कोट पूतली	45	435	5810
अलवर	264	690	15800
भिवाड़ी	47	215	3023
डीग	72	115	1086
भरतपुर	90	145	4639
धौलपुर	82	108	6028
कारौली	115	270	1125
दौसा	150	300	1211
सवाई माधोपुर	20	425	15775
टोंक	52	910	10798
सांगानेर ग्रामीण	109	378	7258
सांगानेर महानगर	6	280	5340
सांभर	75	370	30000
बस्सी	8	1167	11362
गालव भाग	59	384	6670
मालवीय भाग	81	330	3592
मानसरोवर भाग	320	1100	10100
विद्याधर भाग	98	742	8842
योग	**2197**	**12673**	**216729**

श्री रमेश जी सेठ 9414156091
श्री मुकेश जी सियाल 941377155
शरद जैन 9001049322

सेवा विशेषांक
प्रकाशन की
हार्दिक शुभकामनाएं

सियाल ट्रेडिंग कंपनी

(होलसेल व रिटेल शॉप, किसान आटा निर्माता)

48 ए, कृषि मण्डी, उदयपुर,

हम सब राष्ट्र निर्माण में संलग्न रहें।

दीपावली की शुभभावनाओं
व शुभकामनाओं सहित

जसवीर सिंह

पूर्व अध्यक्ष, राजस्थान अल्पसंख्यक आयोग

दीपोत्सव की समस्त
जिलेवासियों को हार्दिक बधाई
एवं शुभकामनाएं

उपसरपंच
समस्त वार्डपंच एंव ग्रामवासी

अयन जोशी-सरपंच

अपील मास्क को हटाने के बाद अपने हाथों को साबुन और पानी या अल्कोहल युक्त हैंड रब से धोएं। एक बार उपयोग किये मास्क का पुनः प्रयोग न करें। प्रयोग किए गए मास्क को कीटाणु रहित कर बंद कूड़ेदान में डाल दें। मास्क को पहनने के बाद मास्क को छूने से बचें। मास्क को गर्दन पर लटकता हुआ ना छोड़ें।

निर्मल ग्राम पंचायत पसुन्द, पंचायत समिति राजसमंद

टेक्टनॉय मोटर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड कंपनी की तरफ से
आप सभी सम्माननीय ग्राहकों को दशहरा और
दीपावली के पावन पर्व की हार्दिक शुभकामनायें

Dinesh Jain Mob. 91 9828059421
CEO

1-3, Opp. Swarna Jayanti Park,Goverdhan Vilas, UDAIPUR
Ph. No. : 0294-2485158, 2485738, Fax : 2486078
email : technoy.udp.ceo@marutidealers.com
Website : www.technoymotors.com

TECHNOY MOTOS INDIA PVT. LTD.

With Best Wishes

BORDIA & ASSOCIATES

211, Shubham Complex, 11-A, New Fatehpura
Near Sukhadia Circle, Udaipur- 313004
Phone : 2419465 (O) 2524202 (R) Mobile : 94141-65465
Email : bordiaandassociates@gmail.com
deepakbordia@hotmail.com

With best Compliments...

Saras

UDAIPUR DUGDH UTPADAK SAHAKARI SANGH LTD.

Goverdhan Vilas, Ahmedabad Road, Udaipur (Raj.) 313001
(ISO 9001, 22000 & HACCP CERTIFIED ORGANIZATION)

Dr. Geeta Patel
Chair Person

Umesh Garg
Managing Director

With Best Wishes

REALTA VENTURES

With Best Wishes

LNA INFRAPROJECTS PVT. LTD.

Venteshwar Synthetics Pvt. Ltd.

Shri Nawal Bagaria
9829010617
Ashish Bagaria (CEO)
7014565337

VENKTESHWAR SYNTHETICS (P) LTD

Mfrs. of HDPF/PP Wovan Bags, Sugar Line Bags, Bopp Bags, Jumbo Bags, Flat & Circular Woven Fabric

Ph. : Off. 91-1412212690
Mob : 8952800023
E-mail : nawal_bagaria@yahoo.co.in
E-mail : vsplrajasthan@gmail.com

61, Sudershanpura
Industrial Area
Jaipur - 302006 (South)
Website: www.venkteshwarsynthetics.com

आप सभी देशवासियों को दीपावली की
हार्दिक शुभकामनाएँ

तुलसी गारमेंट्स, तिरुपुर

होजियारी कपड़ों के निर्माता व हॉलसेल विक्रेता
मोबाईल नं. 9543231531
(लड़कियों के पजामे, कैपरी, टी-शर्ट आदि
कपड़े के व्यापार हेतु सम्पर्क कर सकते हैं)

सुभाष पूनिया

विधायक

सूरजगढ़ (झुंझुंनू)

9414081338

सेवा विशेषांक प्रकाशन पर
हार्दिक शुभकामनाएं

मास्क पहनें कोरोना से बचें

विकास कार्य

1. सूरजगढ़ कस्बे में राज. महाविद्यालय।
2. सिंधाना कस्बे में 80 लाख की लागत का विकास पथ।
3. गादली व मोई भारु में पशु उपस्वास्थ्य केन्द्र का सृजन।
4. सूरजगढ़ कस्बे में रेलवे स्टेशन तक 75 लाख की लागत की सी.सी. सड़क निर्माण।
5. कुम्भाराम लिफ्ट परियोजना के अन्तर्गत सम्पूर्ण विधानसभा के लिये 718.41 करोड़ रु. की वित्तिय स्वीकृति।
6. पेयजल हेतु विधानसभा क्षेत्र में 4.5 करोड़ रु. से अधिक के नवीन ट्यूबवेल निर्माण कार्य।
7. विधानसभा क्षेत्र में 3 करोड़ से अधिक के विधायक कोष से भिन्न-भिन्न प्रकार के विकास कार्य।
8. कोविड-19 महामारी के दौरान मास्क, सेनेटाइजर, भोजन सामग्री व मेडिकल उपकरण हेतु 50 लाख की राशि खर्च की गई।

निवासः 8/23, विधायक नगर पूर्व, लालकोठी, जयपुर
स्थायी निवासः अनाज मण्डी, सूरजगढ़, झुंझुंनू

SHREE DIGAMBER DEGREE COLLEGE & SCHOOL OF NURSING

Approved by :- RNC Jaipur, INC New Delhi & Affiliated to RUHS, Jaipur

GNM | P.B. B.Sc. NURSING | B.Sc. NURSING | M.Sc. NURSING

SHREE DIGAMBER PARAMEDICAL INSTITUTE

(Approved by :- Govt. of Rajasthan & Affiliated to Rajasthan Paramedical Council, Jaipur)

DMLT | OT TECHNICIAN

NH-11, Near Ludhawai Toll Plaza, Jaipur Road, Bharatpur

Phone : 05644-223436, 9468884303, Email : shreedigambernursingcollege@gmail.com

ALOKIK CAPITAL PVT LTD

सपने साकार करें, अलौकिक के साथ

दीपोत्सव की हार्दिक शुभकामनायें

सिविल स्कोर कम है

इनकम टैक्स रिटर्न नहीं भरी

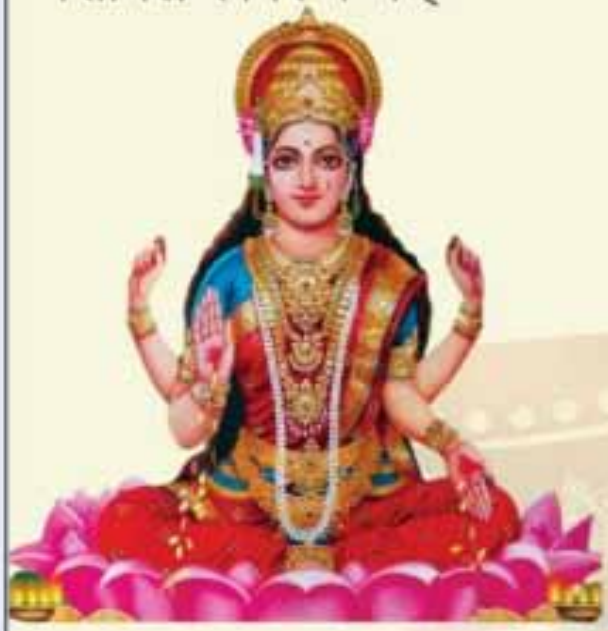

- LOAN AGAINST PROPERTY
- BUSSINESS/PERSONAL LOAN
- VEHICLE / AUTO LOAN
- GOLD LOAN

3 कार्य दिवस में लोन पायें

Regd Office:- F-104 Windsor Plaza, Sansar Chandra Road, Jaipur -01
Phone : 0141-2360828, 9950715209, 9829194810,9414074970
Email: contact@alokikcapital.com Website : www.alokikcapital.com

नगर निगम बीकानेर

विकास की ओर बढ़ते कदम

- स्वच्छता सर्वेक्षण 2020 में बीकानेर नगर निगम ने राष्ट्रीय स्तर पर 179 वाँ स्थान 116 पायदान की छलांग एवं राज्य स्तर पर 7 वां स्थान प्राप्त किया।
- भ्रष्टाचार समाप्त करने एवं पारदर्शिता के लिए **E-TENDER** प्रकिया लागू की गई।
- मृत पशु ठेके की E- बिडिंग कि गई जिससे गत वर्ष की तुलना में 51 लाख का अतिरिक्त राजस्व प्राप्त किया।
- प्रत्येक वार्ड में समान रूप से 20–20 लाख के कुल 16 करोड़ रूपये के विकास एवं निर्माण कार्य स्वीकृत।
- विधानसभावार बीकानेर पूर्व एवं पश्चिम में 2–2 करोड़ के निर्माण एवं विकास कार्य स्वीकृत।
- कोरोना काल के बावजूद निगम राजस्व आय में पिछले वर्ष की तुलना लगभग 5 करोड़ की वृद्धि।
- महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए पिंक–ऑटो परियोजना।
- 2 करोड़ लीटर (20 MLD) प्रतिदिन क्षमता योग्य सिवरेज ट्रीटमेंट प्लान्ट तैयार।
- मानसून से पहले समस्त बरसाती नालों की सफाई का कार्य सम्पादित किया।
- गंगानगर चौराहे से म्यूजियम तिराहे तक सौन्दर्यीकरण योजना प्रस्तावित।
- पीएम स्वनिधि योजना में शहरी पथ–विक्रेताओं को 10 हजार रूपये का ऋण 7 प्रतिशत ब्याज सब्सिडी के साथ 12 आसान मासिक किश्तों में उपलब्ध करवाया।
- मुख्य बाजारों में थैंला बैंक बनाए जानें प्रस्तावित।
- सूचारू एवं नियोजित कचरा संग्रहण के लिए सभी 80 वार्ड के लिए 80 ट्रैक्टर ट्रोली की निविदाएं जारी।
- कचरे के निस्तारण हेतु एम.आर.एफ सेंटर निर्माणाधीन।
- युवाओं ने खेल–कुद को प्रोत्साहन देने हेतु इनडोर स्टेडियम निर्माण प्रस्तावित।
- शहरी पथ विक्रेताओं के लिए सुनियोजित वैंडिग जोन प्रस्तावित।
- सिवरेज, सफाई, जेसीबी के अनुबंध संपादित किए गए।
- बीकानेर जिला अदालत में आधुनिक शैली का शौचालय निर्माण करवाया गया।
- कोरोना काल में सूखे राशन किट, मास्क, सेनेटाईजर निःशुल्क वितरित किए।
- सिंगल यूज प्लास्टिक की रोकथाम हेतु कपड़ें के थैले निःशुल्क वितरित किए।

स्वच्छ बीकाणा - स्वस्थ बीकाणा

पाक्षिक
पाथेय कण
1 नवम्बर 2020 (संयुक्तांक)
आर.एन.आई. पंजीयन क्र. 48760/87
डाक पंजीयन संख्या JAIPUR CITY /202/2018-20
अग्रिम शुल्क बिना प्रेषण की अनुमति लाइसेंस संख्या JAIPUR CITY/ WPP - 01/2018-20

प्रेषण दिनांक 1,2,3,4 व 5 नवम्बर 2020 आर.एम.एस.(पी.एस.ओ.) जयपुर